

श्री पञ्चलिखिण्ड हाउस
133/43, पटना सम्प्रु पण्डित
मार्गम बस्ती, नई दिल्ली-110005

© अमरनाथ

प्रकाशन : १९८९-९०

ISBN—81—7071—094—4—H
S I—7071—093—2—P

उद्घाटन

श्री प्रद्युम्न शर्मा

श्री नमिस्ततिम सुप्रसन्न

[०१] श्री अमरनाथ सम्प्रदाय परिषद्

अमरनाथ काशी नई दिल्ली-११००३३

मुद्रक -

नमोटी प्रिन्टर्स,

अलीन साहूजवा, दिल्ली-११००३३

प्रस्ताविका

भारतीय बुद्ध ने संसार को आलोक दिया है कि जानने-बीखने की समस्त विचारों के सर्व-वितर्क के बाद ही आ जाती है। आलोचना-समालोचना के जाने-जाने में निकलने के उपरांत ही पस्तिका की विचार शक्ति को समुचित मिलती है। ज्ञान का ऐसा निर्धार प्रभावित होता है कि सारी उलझने समाप्त हो जाती है। इस भावार्थ की स्पष्टी से ही यूरोप महाद्वीप का राजनैतिक और सामाजिक इतिहास लिखने का प्रयास किया गया है। राजाओं, प्रशासकों, पुजारियों और अर्थशास्त्रियों के सिद्धान्तों और वर्णन का विवरण सम्मिलित नहीं किया गया है, बरन् प्रत्येक क्षेत्र के व्यवहार का भी स्पष्टीकरण किया गया है। सामाजिक परिवेश में मानव इतिहास को लिखते हुए तथ्यों का पूर्णतः सम्मेलन करने के लिए अन्य प्रबुद्ध विचारकों, लेखकों और इतिहासकारों के विचारों को भी निम्नलिखित से लिया गया है। लेखक हृदय से उनका आभारी है।

पूछ पुछने में डा० महाप्रसाद पादव अध्यक्ष इतिहास विभाग विन्म्वर जैन कालिदास बड़ीत, डा० किमल प्रकाश जैन, जोसेफ एच अग्रवाल समस्त विभाग, जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर और डा० रमेशचन्द्र पाम्बेय, प्राचार्य विन्म्वर जैन कालिदास, बड़ीत के सुभाषीय से ही यह प्रयास सफल हो पाया है, सर्वत्र उनके आशीर्वाद का इष्टक है। परिवारजनों और इष्ट मित्रों की कृपा और सहयोग से यह कृति लिख पाया है। उनका स्नेह जीवन में मुझे निरन्तर मिलता रहेगा और उनके सब घर जान पद घर में बसता रहेगा।

मेरी यह कृति मेरे जनक बीरसीय जैन और पुत्र काला विन्म्वर जैन को समर्पित है। अन्त में लेखक स्नेही महेश जैन, श्री पम्पितिविज्ञान कालिदास को बार-बार धन्यवाद प्रकट करते हुए अध्यापकों, विद्वानों, इतिहासकारों और श्रिय पुत्रों के मुखावों की आकृष्टा रखता है।

विषय सूची

प्रथम खण्ड	1—68
1 यूरोप में पुनर्जागरण (1453 से 1648 तक)	3—32
2 फ्रांस और सभ (1648 से 1713 तक)	33—51
3 इंग्लैंड एवं औपनिवेशिक विस्तार	52—68
द्वितीय खण्ड	1—200
1 यूरोप एक साम्राज्य परिवर्तन	3—15
2 फ्रांस का पुनर्जागरण-जीवन और क्रांति का विस्तार	16-50
3 क्रांति की शुरुआत और राष्ट्रीय सभा के कार्य	51—71
4 क्रांति की पराजय, विधायकता और राष्ट्रीय सम्मेलन	72—99
5 क्रांति के अन्त में	100-116
6 संसदीय सरकार और नेपोलियन का प्रारम्भिक उत्थान	117—133
7 अन्त में अन्तर्गत के रूप में नेपोलियन	134—151
8 फ्रांस के रूप में नेपोलियन का उत्थान	152—164
9 नेपोलियन की महाद्वीपीय व्यवस्था और सभ	165—200
तृतीय खण्ड	201—400
1 विद्रोह व्यवस्था (1815 ई०) और यूरोप की नवीन व्यवस्था	203—230
2 क्रांतिवादी-सुधार 1815 से 1870 ई० तक	231—241
3 पूर्वी समस्या का प्रारंभ 1815 से 1848 ई०	242—255
4 सुई 18 से सुई विद्रोह तक	256—297
5 जर्मनी 1815 से 1848 ई०	296—306
6 इटली 1815 से 1848 ई०	307—317
7 आरम्भिक प्रारंभ से आरंभिक विद्रोह तक	318—331
8 द्वितीय जर्मनी की समस्या और द्वितीय साम्राज्य	332—353
9 पूर्वी समस्या—बोस्निया युद्ध	354—361
10 इटली का एकीकरण (1848-70)	362—377
11 जर्मनी का एकीकरण (1848-70)	378—391
12 सभ-सभा आरंभिक-द्वितीय	392—400

चतुर्थ खण्ड

1—72

1. कांस का तृतीय गणराज्य

3—17

2. रूस और कान्टिया

18—32

3. अफ्रीका का विभाजन

33—41

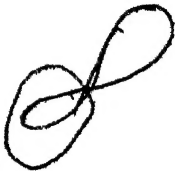
4. पूर्वी समस्या—युवा तुर्क आंदोलन और बालकन युद्ध

42—56

5. प्रथम महायुद्ध के कारण और परिणाम

57—72

प्रथम खण्ड



की बहुतायत के कारण वाली नहीं, बहुत छोटे का बनेले कामा अत्यन्त चर्चित, बहुत भा-
जालित हुआ, बहुतों बहुतायतकी अत्यन्त और बहुत से उपयोगी उपायों का विज्ञानकी
दोनों बहरी पले की, अत्यन्त चीजों की बहुत ही वास्तविकी बहुत बड़ा होटी नहीं बली
की। और बहुतों बहारी के अत्यन्त के नहीं वाली अत्यन्त बहारी की बहारी बहारी पली
की और बहारी-पली की पली बहारी के अत्यन्त का। अत्यन्त बहारी के अत्यन्तकी चीज
की—लेनीकी, अत्यन्त वास्तविकी, अत्यन्त बहारी, लेनीकी, वास्तविकी। इस
बहारी के ही चीजों के छोटे की बहारी की बहारी का भी विज्ञान ही का का और अत्यन्त
बहारी के इस वैज्ञानिक के काम के अत्यन्त विज्ञान पर भी बहारी का का बहारी का का।

यूरोप और अत्यन्त के काम के अत्यन्त ही बहारी बहारी की। बहारी के अत्यन्त के
अत्यन्त अत्यन्त की बहारी का अत्यन्त का का का। और बहुतों बहारी के अत्यन्त
अत्यन्त के भी चीज की बहारी का का और बहुतों अत्यन्त की चीज की की। बहारी की
अत्यन्तकी के अत्यन्तकी और अत्यन्त की चीज की की। इसके काम ही बहारी अत्यन्तकी की
अत्यन्त ही वास्तविकी अत्यन्त अत्यन्त का। और बहुतों बहारी के ही चीजों के 'अत्यन्त-
विज्ञान' के बहारी विज्ञान का अत्यन्त विज्ञान का कि बहुतों बहारी का अत्यन्त बहारी है, न
कि बहुतों बहारी का अत्यन्त अत्यन्त है। अत्यन्तका अत्यन्त के काम के भी बहारी बहारी की
की। बहारी-अत्यन्त अत्यन्तकी की चीज की की। बहारी अत्यन्तकी बहारी के बहारी के अत्यन्त-
अत्यन्तकी बहारी ही है। इस अत्यन्त अत्यन्तकी बहारी के अत्यन्त का कि अत्यन्त अत्यन्तका
अत्यन्तकी की अत्यन्त के अत्यन्तकी बहारी के अत्यन्त विज्ञान के अत्यन्तका का है और अत्यन्त
अत्यन्तकी का का अत्यन्त अत्यन्त के अत्यन्तका का है। अत्यन्त अत्यन्तकी की इस अत्यन्त के बहारी
अत्यन्तकी की। अत्यन्त, अत्यन्त अत्यन्त, अत्यन्त विज्ञान, अत्यन्त विज्ञान, अत्यन्त,
अत्यन्त विज्ञान और अत्यन्त विज्ञान अत्यन्तकी के अत्यन्तका का। इस अत्यन्त अत्यन्तकी
के अत्यन्त और अत्यन्तकी की बहारी के अत्यन्त का और यूरोप के इस काम की अत्यन्तका
का। और और अत्यन्तकी के अत्यन्त-यूरोप काम की बहुत ही वैज्ञानिक विज्ञानकी पर
अत्यन्तका का का। अत्यन्तकी के अत्यन्त विज्ञान की की अत्यन्त बहारी विज्ञानकी किने
के। अत्यन्त विज्ञान के अत्यन्त बहारी के बहुत विज्ञान की बहारी अत्यन्तका का। 18वीं
बहारी के बहुत अत्यन्त अत्यन्त विज्ञान का वैज्ञानिक अत्यन्तका का का विज्ञानकी का।
इसकी की बहारी के अत्यन्त अत्यन्त विज्ञान की बहुत बहारी का का का। इस अत्यन्त अत्यन्त-
अत्यन्त का अत्यन्त अत्यन्त वैज्ञानिक अत्यन्तकी के काम के यूरोप के अत्यन्त अत्यन्तकी
का का।

आर्थिक कार्य

यूरोपियन के अत्यन्त के ही यूरोप के आर्थिक कार्य की बहारी की। आर्थिक अत्यन्त
अत्यन्त के अत्यन्त अत्यन्त की बहारी के यूरोप का अत्यन्तका का का। अत्यन्त की बहारी-
अत्यन्तकी के यूरोप के अत्यन्तकी की बहारी अत्यन्तका का का किने के अत्यन्त अत्यन्त के
अत्यन्त की के। अत्यन्त, अत्यन्त, अत्यन्त अत्यन्त के अत्यन्त अत्यन्त अत्यन्त की अत्यन्तकी
का आर्थिक अत्यन्त की यूरोप का अत्यन्तका का का। अत्यन्त के अत्यन्त के यूरोपियन अत्यन्तकी,

अन्यथा व्यवहार करने तथा वा । इसके बाद अपने अपने बीच किसी कारण से अपने के इस की इच्छा अन्याय से होता है । बहुत बर्षों बिना वा । एक ऐसी चला की कि बीच की अपनी पहिचान के बदले के सब देख कर 'अपना-अप' जान कर लिया जाता था । इस उदा का सब कहना तथा वा कि सभी व्यक्ति की भी बुरे करने करने का भी उदा-अप इस के करने के जाना की से जान होना तथा वा । इसीक व्यवहार बर्ष के पहिलों की द्वारा (अप ही) निर्धारित कर बिना रहे थे, इसके पीछे अपने-आपका वा उन्हें काम नहीं करता था । दूसरी-तरफ के इस काम के अन्यायिक रूप के बर्ष सुधार का आन्दोलन की एक हुआ था । इसके अनुसार यह नियमनिश्चित हो गे ।

आश्विन कृष्ण । तिथिपूर्व शुक्लपक्ष

जर्मनी के सुधार आन्दोलन का कार्य शुरू हुआ था। जर्मनी के जनिकारने जर्मन की व्यवस्था भीड़ हो गयी थी, इससे आर्थिक समस्या का गयी थी। इससे समाज में बुद्धिजीवी लोग और सामान्य जनमानस में काफी अन्ध भी थी, इसलिए भीड़ हो इससे लम्बे समय तक समाजिक दृष्टि से। इससे जर्मनी के जर्म सुधार की बात करें जर्म दुर्ग कब से करने गयी थी। वहा की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थित की सुधारकारियों के पास थे थी। पैस करें गयी थी नियुक्ति के जो हल समझा था, सबसे की समझ में एक हुआ ही समझ हुई थी। जर्मनी के विच्छिन्न दृष्टि व्यवस्था में की सुधार के लिए समस्त युव-युधि समझ की थी। जर्मन बुद्धि के समझी मर्तिन लूथर की समझ लेतेलेते सुधारकारी आन्दोलन समझने में इससे विच्छिन्न बुद्धि हुई थी। मर्तिन लूथर का लूथर पुनर्जागरण के समझने के बीच ही समझ-समझ का और करें समझ का कार्य लेनी के शुरू ही गया था।

[illegible]

सुपरमाइक का ज्वार और कोरिथोईक नामकरण—वाटिन गूबर की पहली प्रोसिद्धि का है जो कि अतिरिक्त प्रसिद्धि नहीं था। इसने गूबर की समझ को ज्वार के ज्वार से धर्म का गूबर प्रोसिद्ध कर दिया था। गूबर ने इसे ज्वार की पहली नाम समझा था और जो कि वाटिन की प्रोसिद्धि का नाम था। वे अतिरिक्त प्रसिद्ध कर दिया था।

किया था। 'राजीव प्रिन्सिपल' ने भी सर्वे सुधार के कार्यों को आगे बढ़ाया था, उसने 1996 ई० में अपने राज्याधिकार के बाद से ही सर्वे सुधार के कार्यों को छत्र चढ़ाये हुए थे जिसे वह और सभापति के विचार के अनुसार पर पुनर्जागरण के माध्यम से सर्वे की सर्वोच्च स्थिति को प्रतिष्ठित किया था। राजीव पुनर्जागरण का सबसे महान कार्य सर्वोच्च सर्वे के उदय के रूप में रहा था, इसने और आगे बढ़ाया है सुधारों के कार्यों को देखा है भी।

सैनिक उदय सर्वे सुधार आन्दोलन

सर्वे के सुधार और आन्दोलन का कार्य एक सभ्य महान आन्दोलन के राजीव सैनिक द्वारा भी चले गये थे। 1999 ई० में सैनिक का काम सभ्य के नीचे आत्मक रूप में हुआ था। 1999 ई० में अपनी आत्मा की आत्मा पर सैनिक ने एक नयी अनुभूति हुई थी। यह एक है एक सैनिक, सर्वे सुधार जीवन के कार्य पर, बात बता था। उसके विचार प्रभावित सैनिक विचारधारा के पुनर्जागरण के विचारों के लिए चले गये थे और उनके उदय का उदय भी है। राजा राजीव सभ्य के रूप में सबसे अधिक उदय के लिए कार्य करता था, वह एक निरन्तर सैनिक सभ्य था। अपनी आत्मताओं और सर्वे के सभी सर्वे सुधारों की दूर करने के लिए, इसने एक नयी सुधार पुनर्जागरण 'सर्वे सर्वे के सैनिक' विचारों को। यह पुनर्जागरण सर्वे के अधिक सभ्य अपनी आत्मताओं करने रही थी, इसके अन्तर्गत सभापति सभी की एक बात करने थे। इसके माध्यम से ही सैनिक ने सर्वे को एक नयी सुनवाई के विचारों के रूप में आत्मक आत्मता के प्रतिष्ठित किया था। सैनिक का सर्वे सुधार ने एकमात्र सर्वे एक रूप में रहा था कि इसने सर्वोच्च वास्तविकता की ओर भी और अपने यह सभ्य अपने सैनिकवाद की सर्वे सर्वे रूप में किया देता था। सैनिकवाद आत्मक आत्मता सुधार पर भी एक देता था। इसलिए यह सर्वोच्च के आत्मता पर विचारों पर भी एक देता था, क्योंकि सभी आन्दोलन की सुधार उदय होने की स्थिति सबसे चले जाती थी।

सर्वोच्च सर्वे सुधार आन्दोलन को सैनिकवाद ने एक नयी सुनवाई की थी। सैनिक, सुधार की सुनवाई में सर्वे के सर्वे सर्वोच्च करने चाहता था तथा यह सभ्य की भी सर्वे के पुनर्जागरण चाहता था। एक तरह सैनिक का सर्वे सुधार आन्दोलन बहुत ही आन्दोलन की आन्दोलन था, राजीव के उदय पर ही यह आन्दोलन आत्म, आत्मता, सर्वोच्च और निरन्तर सैनिक सैनिक के रूप में चला था। सैनिक सर्वे सैनिक ने सुधार की बात अनुभव है रही थी। बहुत उम्मीद सर्वे यह था कि इसने सर्वे की सर्वोच्च एक सर्वोच्च माध्यम पर करता चाहता था, यह सभापति के अनुसार पर सर्वोच्चस्थिति की विचारों और विचारों को उम्मीद चाहता था। सुधार के सर्वे सुधार विचारों पर यह थी कि यह सर्वोच्च सुधार पर सर्वे सर्वे सर्वोच्च और निरन्तर जीवन वास्तव करने का निर्देश देता था, यह आत्मता के रूप में बहुत सर्वे सर्वोच्च थी। सर्वोच्च आत्मता सर्वोच्च यह था कि इसने सर्वोच्च विचारों का वास्तव में करने जाती और सभापति जीवन में रही जाती के लिए सभ्य की आत्मता की आत्मता की थी। एक सर्वोच्च की सुविधा के लिए

। 3) कठगो की एक 'एक सिलीट' बनायी गयी थी। कैथोलिकवाद में समस्त मानवता का ही बाप की हीला प्रसार के एक दिने वाले थे—कोई कलाल, मुर्गीना करना और हीरा बनना। कैथोलिकवाद की नीची विशेषता यह थी कि इसने एकीकार दिया गया था कि बहुतों की मुक्ति ईश्वर की दया से होने पर मिलती है, ईश्वर की दया से और अपने ही जीवन और मानवता से पर ही मिलती है, परन्तु ईश्वर के निरालम करने हुए कैथोलिक मानवीय करी नहीं रहे थे।

कैथोलिकवाद बहुत ही हीरा बनना में सीमित होता गया गया था। 15 वीं शताब्दी में एशिया को एक खुले के दिन के रूप में न मानकर एक अलग दिने के रूप में माना गया था। एशिया एक अलग दिन (Monday) बन गया था। कैथोलिकवाद इन्हीं में से ही पैदा था।

सिलीट धर्म सुधार मानवीयता का सबसे ऐतिहासिक प्रमाण यह रहा था कि एशिया यूरोप के बहुततरफा ईश्वरों की दाने कैथोलिक धर्म और हीरा के बनना कर दिया था। यह दूसरा हीरा ईश्वर बनाया हुआ था कि हीरा बाप के विशालता हुआ था—यूरोप, एशिया, और कैथोलिकवाद। हीरा हीरा दूसरों में हीरा रहे नहीं के विशालता को यूरोप के ऐतिहासिक में बहुत मानवीय सीमा दिया है।

कैथोलिक धर्म में सुधार मानवीयता

(The Reform Movement of Catholic Church)

सिलीट सुधार मानवीयता की विशेषता के रूप में कैथोलिक धर्म में ही सुधार मानवीयता का नाम हुआ था। सिलीट कलालों में कैथोलिक धर्म के सुधार का कार्य प्रारम्भ हुआ था। यूरोप ईश्वर धर्म के अलग सुधारों की दूर करने के दिने कैथोलिक धर्म में मानवीयता के सुधार रहे थे। इनके कुछ प्रारम्भ हीरा का अलग दिने प्रारम्भ रहा था। इन्हीं धर्म की अलगता में सुधार दिने में हीरा बनना की एक मानवीयता में हीरा बनना प्रारम्भ पर प्रारम्भ की थी। इस कैथोलिक सुधार मानवीयता का कार्य हीरा की सीमा और ईश्वर रूप के द्वारा हुआ था।

हीरा की सीमा (The Church of the Reform)—एक हीरा की सीमा का प्रारम्भ किया गया था। यह सीमा 1545 के 1563 ई० तक अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में कार्यरत रही थी। इस सीमा में अलग के कैथोलिक सिद्धांतों में सुधार किया जा जान ही सिद्ध और कार्यरतता में ही सुधार दिने रहे थे। अलग के सीमा अलग की अलगता माना गया था। कुछ हीरा ऐतिहासिक धर्मों की सुधी प्रसार की गयी थी, जिन्हें कैथोलिक सिद्धांतों के अलग माना गया था, अलग कैथोलिकों के दिने उद्देश्य प्रारम्भ प्रारम्भ किया गया था। सुधी और दिने हुआ की अलगता ही गयी थी। हीरा के प्रारम्भ की सीमा रूप में अलग किया गया था। हीरा की सीमा का सबसे कलाली सुधार यह रहा था कि कलालों का अलग नहीं रूप में किया जाने गया था और धर्म के गयी की दिने रूप कर मानवीय के अलग पर प्रारम्भ किया जाने गया था। इसके धर्म में हीरा हीरा मानवीयता और विशालता में मानवीय रूप के कलाली थी। कार्यरतों के

साकाओ के राजा क्लिगर्त (Clotaire II, called Clotaire le Jeune)—यह साकाओ के कैथोलिक विचारधारा को सुदृढ़ बनाने के लिए भी रोम में कार्य किया था। रोम में इस व्यक्ति के लैंग, फ्रांस, उत्तरी और मॉरिटुआ, आदि के राज्य शामिल भी थे। बहुत से राजाओं के साथ ही यही क्लिगर्त (Clotaire II) बहुत बड़बुद राजाओं के साथ भी यही थे। उनके साथ कैथोलिक चर्च राष्ट्रीय सरकार का एक अंग घोषित किया गया था और उनकी बहुत सारा राज्य भी रोमियों के कब्जे में होने लगे थे। उन क्लिगर्तों के कारणों से कैथोलिक अपने बहुत सुदृढ़ विचारों में बहिन गया था।

कुल अर्धक राज्य और राजा (Stem and Kings)—समूची यूरोप का राजा रोम के राजा के समान ही राजाओं पर राज्य करने वाला बहुत बड़ा था। पुनर्जागरण के कारण यूरोप के विभिन्न देशों और राज्यों के बीच एक के बाद ही राष्ट्रीयता का विकास हुआ था। इसलिए बहुत से राजा भी अपना समस्त विचार और जीवन राज्य करने में व्यस्त हुए थे। कुछ बहुत राज्यों और राजाओं का जीवन निरन्तरिष्ठ बनने में काम का करता है।

पवित्र रोमन साम्राज्य का परिचय (The Holy Roman Empire)—उत्तरी ईसाई छोटे-छोटे राज्यों का समूह था। उनके साथ ही समस्त रोम था। इन साम्राज्य, साम्राज्य और राजाओं का उद्देश्य 'पवित्र रोमन सम्राट' बहिन था। पवित्र रोमन सम्राट का अधिकार केवल उत्तरी पर ही नहीं था, बल्कि यूरोप के अन्य क्षेत्रों पर अधिकार था। यह राजा साम्राज्य पवित्र रोमन साम्राज्य बहिन था। पवित्र रोमन सम्राट का एक बहुत बहुत का एक था। 1493 ई. के पवित्र रोमन सम्राट का नाम 'सम्राट मैक्सिमिलियन' भी जाना हुआ था। यह व्यक्ति का बहादुर सम्राट भी था। 'सम्राट मैक्सिमिलियन' के 1519 ई. तक के राज में पवित्र रोमन साम्राज्य की स्थिति बहुत कमजोर हुई थी। यूरोप के अन्य साम्राज्य भी उनके विचारों में आ गये थे। मैक्सिमिलियन ने अपना विचार सर्वोच्च की राजकुमारी केरी के साथ किया था। राजकुमारी केरी की राजनीति की स्थिति भी थी, बल्कि अलग होने वाला मैक्सिमिलियन का एक विचार था। ही राजनीति का राजा भी था। विभिन्न अपने जिने और अपने रोमन साम्राज्य के जिने भी बहुत बहिनवादी किता हुआ था, यह सम्राट विचारों में ही राजनीति राजकुमारी केरी के साथ हुआ था। इस सम्राट राजकुमारी केरी अपने साथ रोम का साम्राज्य भी पवित्र रोमन सम्राट के अन्तर्गत ही और अपने प्रति विचारों में जिने जारी थी। विभिन्न और राजा केरा का कुछ 'सम्राट' एक बहुत बहुत से राजा का बहिन लेकर गया हुआ, और पवित्र रोमन साम्राज्य की स्थिति काफी सुदृढ़ हो गयी थी।

सम्राट चार्ल्स पंचम (Emperor Charles V)—चार्ल्स अपने राजा मैक्सिमिलियन के राज्य में ही 1516 ई. में रोम और रोमानीय का राजा बन गया था, क्योंकि इनके पिता विभिन्न की एक बहुत ही गयी थी। इनके सम्राट 1519 ई. में राजा मैक्सिमिलियन की भी बहुत ही गयी थी वह चार्ल्स, 'चार्ल्स पंचम' के नाम से पवित्र रोमन साम्राज्य और मॉरिटुआ का भी सम्राट बना। सम्राट बनने के समय चार्ल्स की बहुत

इसका मतलब है कि अगर आप किसी भी चीज़ को करने का फैसला करते हैं, तो इसे पूरी तरह से करने दें।

[illegible]

(7) केन्द्रीयकरण की नीति की व अवलोकन—समुच्चय विधायकता का अन्तर्गत एक प्रकार प्रकार का अन्तर्गत यह भी उल्लेखनीय है कि इससे केन्द्रीयकरण की नीति की भी स्पष्ट अवलोकन का। इसके अन्तर्गत है कि एक केन्द्रीय स्थायी सेवा का अन्तर्गत किया गया था और केन्द्रीय अधिकारों की स्थापना की गई थी। इस अन्तर्गत के अन्तर्गत इसके भी ही स्थापना किया गया था।

[illegible]

एक वस्तु द्रुततर गिरसकता बहुत कमजोर जगह की मिटसकता थी, यह मान्य की सुधारकी से मिट्टी की नीचे इसी स्थिति में कभीभी जगहकी की बहुत कमजोर जगह के नीचे की जाने बहाना या ठीक इसी के मानने में द्रुततर जगहकी के नीचे बहुत जगहकी ही है। यह इसी दृष्टिकोण से कमजोर जगह द्वारा बहुत ही कमजोर ही है। यह एक वस्तु द्रुततर गिरसकता या नीचजगहकी दृष्टिकोण है।

राजस कालमीक (Tillandsia Crocotea)— राजस कालमीक दुर्लीप का एक बहुत, बहुत पनबीजित का । एक बड़ा-सा गुबार परिधान में इसका जन्म हुआ था । अपनी बीजवत्ता और कटुताई के चल पर राजस कालमीक दुर्लीप के राजा के बाद के सभी राजाओं पर पर नियुक्त हुआ था जबकि देश के प्रधानमंत्री पर भी इसी नियुक्ति किया था । राजस कालमीक बहुत के अधिकारी की प्रधानमंत्री मन्त्री (Ministry) के प्रधानमंत्री के बाद के गुबार ही सबसे अधिक अधिकार का परिधान में हुआ था । इसी कारण प्रधानमंत्री के विद्यापी और व्यवहार का सभी के जन्म बहुत ही कम था । इसी कारण प्रधानमंत्री के विद्यापी और बीज विद्या की प्रधानमंत्री के सभी के प्रधानमंत्री गुण बहुत जन्म किया था ।

जम्मू काश्मीर की अतिरिक्त छे राज्या 'हिलरी कश्मीर' बहुत सम्पन्न हुआ था। इनके कुर्ब की प्रशासकाली पर वे हूटकर इनके स्थान पर जम्मू काश्मीर की कर्वा प्रशासकाली कर्वाया, जब 1953 के 1954 ई- तक काश्मीर बहुत बहुमुखी स्थिति

आर्मीय मजदूर (Colonisation) होता था, जो अक्सर से परिवर्तित बना हुआ था। रिचमू ने राज्य से राजा की ओर से नियुक्त किया गया एक अधिकारी मजदूर पर नियंत्रण करने के लक्ष्य से अनेक अधिकार देकर नियुक्त किया था। यह एग्जेंट (Magistrate) अनेक कार्यों का प्रचार करता था था। आर्मीय सैन्य बल पर राज्य नियंत्रण था, जो राज्य पर अधिकार करने का भी अधिकारी था। मजदूर, राज्य और सर्व विभाग के अधिकार को इसके द्वारा से नियुक्त होने थे। एग्जेंट अधिकारी सभी लोगों का राज्य सर्व से दूरे रहते थे। एग्जेंट राजा की कृपा से बहुत राज्य अधिकार मिल गये थे, एग्जेंट से कुछ से राजा के प्रति बहुत लाभीयता रहते थे। सामान्य से से एग्जेंट अधिकारी बहुत स्वेच्छाकारी होने थे। एग्जेंट राज और मजदूर कर्मियों के सम्बन्ध पर भी नियंत्रण प्राप्त करते थे। इस एग्जेंट को रिचमू के अनेक नेतों के रूप में स्वीकार किया गया था, जिससे सामान्य से बहुत दूरे सम्बन्ध पर अनेक सुविधा बनाये रखता था। इस प्रकार का किसी परिभाषा यह हुआ था कि राजा सुई-13 का अधिकार देकर और और पर स्थापित होने था और राजा सामान्य का सर्वोच्च अधिकारी होने था।

रिचमू ने आर्थिक मामलों में भी बड़ी सुविधा के कार्य किया था। औद्योगिक कार्य का कारीगर होने के बाद रिचमू ने औद्योगिकी और सुवेरी (कारिगरों) के राज्य सम्बन्ध और नियंत्रण की नीति अपनायी थी। सुवेरी (कारिगरों) को अपने सम्बन्ध बनाने, मिले बनाने और देकर रहने 6 अधिकार प्राप्त होने थे, से एक अधिकारी बन के रूप से बनते रहे थे, से राज्य के अन्त द्वारा राज्य (Another state in state) से। रिचमू द्वारा कल करना चाहता था। 1625 ई० में इस सुवेरी से राजा की आज्ञाओं की आज्ञा पर रही की ओरों से एक किया था, उस रिचमू ने मजदूरों के द्वारा कल पर किया था। इसके बाद एक कुछ असाधारण की बड़ी रिचमू ने सुवेरी से सैन्य अधिकारों को भी अपना कर लिया था, मजदूर उनके आर्थिक एवं सामर्थ्य अधिकारों को भी का सभी राज्य रहने किया था। रिचमू एक राज्य राज्य का कल सर्वोच्च था, इसलिए राजा की नियुक्त से ऐसे असाधारण वाली जब अतिरिक्त की सेवा से राज्य राज्य (Military Order) का अधिकारण की कभी नहीं सुनना था, जैसे यह अधिकार 1613 ई० से 1789 ई० तक यूरोप के राजाओं के राज्य से कभी भी नहीं सुनना था था।

रिचमू ने यूरोप के राज्य के राज्य को कभी कभी था। रिचमू ने राज्य की आर्थिक नीतियों को सुविधा और राज्य के सर्वोच्च करता था। अतिरिक्त राज्य की अपने क्षेत्र के राज्य से प्राप्त किया था, राज्य की ओर से भी अपने अनेक सम्बन्ध प्राप्त किया था। राज्य से राज्य की सुविधा के अपने अपने सर्वोच्च होने हुए की यूरोप के राज्य सर्वोच्च में अतिरिक्त का राज्य किया था। राज्य की नीतियों के परिभाषाकरण होने वाली युद्ध से वर्ष 1648 ई० से राज्य को इस क्षेत्र सर्वोच्च युद्ध से बहुत लाभ हुआ था। रिचमू की मजदूरों सुई-13 और सुवेरी बल की सम्बन्ध, सम्बन्धों कभी थी। इस

लोक सर्वीस युद्ध — 1618 से 1648 ई० तक

(Thirty Years War—1618 To 1648 A.D.)

अष्टादवी सदी की आरम्भ यूरोप में विभिन्न राजघरानों की प्रतिस्पर्धा का युग लेकर आया था। धार्मिक स्वतंत्रता के लक्ष्य पर युद्धबुद्धि बना था। यूरोप की छह बड़े-बड़े लोक-सर्वीस युद्ध से उत्पन्न बना था। इससे पहले और यूरोप में आन्तरीक-युद्धों की धार्मिक प्रतिस्पर्धा का भी के कारण से लोक-सर्वीस युद्ध में प्रतिबिम्बित हो गये थे। इस लोक-सर्वीस युद्ध की जगह से इसे आरम्भ मिल गये थे—

(1) प्रोटेस्टेन्टों का उदय—सर्वेरी के प्रोटेस्टेन्टों का आन्दोलन बड़ी तीव्रता से हुआ था। रोमन कैथोलिक धर्म के विरोधी गये था सबसे छोटी गली में, यान् प्रथम प्रोटेन्टो के। प्रोटेन्टो का यह विरोध लोक-सर्वीस युद्ध का प्रमुख कारण बना था।

(2) आन्तर्गत धार्मिक विरोध आन्तर्गत—सर्वेरी राजसी के धार्मिक उदय की लेकर आन्दोलन की जो धार्मिक भाव थी, यह सर्वेरी प्रोटेन्टो से युद्ध गये थी, वे- सर्वेरी आन्दोलन का लोकोपकरण कर गये जिसे प्रथम, तथा तथा प्रोटेस्टेंट युद्ध प्रारम्भ के विरुद्ध भी आन्दोलन का तथा इसके कैथोलिक और प्रोटेस्टेंटों की आन्तर्गत आन्तर्गत कर गये थे और कैथोलिकों के आन्दोलन से उत्पन्न गये थे। इस युद्ध यह धार्मिक भाव धार्मिक उदय की प्रेरणा गली गली की लोक युद्ध की विरोध आन्दोलन हुई थी।

(3) विरोध प्रोटेन्टो की बहुसंख्यिकता—यूरोप के राज्य की अपनी विरोध युद्ध करने के लिये प्रोटेन्टो से गये हुए थे। प्रोटेन्ट, धार्मिक आन्दोलन की एक छोटी से एक के प्रतिस्पर्धा कर अपनी आन्तर्गत आन्तर्गत आन्तर्गत था, धार्मिक आन्दोलन की और अपनी लोका बुद्धि का प्रथम विरोध करता था। प्रोटेन्टों के आन्दोलन से अपनी बहुसंख्यिकता प्रतिस्पर्धा करता आन्तर्गत था। सर्वेरी की बहुसंख्यिकता की एक गली थी।

(4) प्रोटेन्टों की उदय—प्रोटेन्टों (Protestants) के प्रोटेस्टेन्टों का उदय विरोध प्रोटेन्टों का एक था कि कैथोलिक इसके आन्दोलन प्रेरणा मिल गये थे, इसके लिये धार्मिक आन्दोलन आन्दोलन कर गये करने का प्रतिस्पर्धा नहीं गये था। 1608 ई० से प्रोटेस्टेंट कैथोलिक का एक धार्मिक आन्दोलन प्रोटेस्टेंटों के द्वारा बंध कर किया गया था, इस पर प्रोटेन्टों के विरोध कर कैथोलिक के प्रमुख कैथोलिक विरोध के प्रोटेस्टेंटों का प्रोटेन्टों के प्रथम किया था। यह प्रोटेन्टों की धार्मिक के प्रोटेन्टों के आन्दोलन की एक गली थी।

(5) प्रोटेस्टेंटों का विरोध—प्रोटेन्टों की उदय के आन्दोलन प्रोटेस्टेंट करने धार्मिकों के लिये प्रथम हो गये थे। इस प्रोटेन्टों एक प्रथम कर करने का विरोध किया था और 1608 ई० प्रोटेन्टों कैथोलिक के आन्दोलन प्रोटेस्टेंटों के प्रेरणा के एक प्रोटेस्टेंट कर (Protestantism) की आन्दोलन कर हो गयी थी। इस बंध के एक प्रमुख के प्रथम की प्रेरणा हो गये थे। इसके लिये प्रोटेन्टों प्रेरणा प्रेरणा हो गली थी और सर्वेरी की आन्दोलन कर गली थी।

(6) प्रोटेस्टेंटों के प्रोटेस्टेंटों की प्रेरणा—प्रोटेस्टेंटों के प्रेरणा प्रोटेन्टों के प्रेरणा (1575-1618 ई०) और प्रोटेस्टेंटों (1618-1648 ई०) के प्रोटेस्टेंटों की

इसके अन्तर्गत के स्वाभाविक प्रक्रिया व्यवस्था के अधिनियम प्राप्त होते हैं। इसी प्रकार विभिन्न महत्त्वपूर्ण हो चली भी और बहुत से ही चीजें सीमित मात्रा में प्राप्त होती गई हैं।

इन समुदायों के कारण यूरोप में एक विशाल शोध परियोजना चलायी जा रही है। इस परियोजना का नाम 'एनो' है।

[illegible][illegible]

3. एका पुनरात्मक एडोलेषन का युद्ध में भाग लेता—एक पुनरात्मक एडोलेषन (Gustavus Adolphus) स्वयं डीरेडेंटी का और डीरेडन का राजा था। इसने युद्ध के अनेक डीरेडेंटी को सतुलन की भावना और-और कभी का रही थी। एकर डीरेडिका के अन्ततः डीरेडिका डीरेडेंटी का राजा करने में सफल हुआ था। उसके युद्ध की सतुलन (Treaty of Restoration) के द्वारा डीरेडेंटी के अन्तर्गत भाग्य होने का कार्य सौंपता है एक किया था। इसी अनेक डीरेडेंटी, यही और कभी-कभी डीरेडिका का अन्तर्गत

हो गया था। देखी विपत्ति में युवराजकी (सेक्रेटरी) सर्वेस राज्यकुमार की किसी विदेशी शिव की उद्धार के बूट बने थे। सर्वेस राजा युवराजक राजकीयता में 1630 ई० में युद्ध में भाग लेने का फैसला किया। राजात्मक भाव को लेकर भी अपने भावकी उद्धार था। राजा के उद्धारकर्मी कार्मिक विपत्ति के भी युवराजक को बहुततरा मिलने की उद्धार थी, बड़े ही बड़ सेकीतिक था, राज्य लेने के द्वेषकर्मी राजा का लक्ष्य विदेशी था। युवराजक की सर्वेस राज्यकुमारों ने कोई विदेश राज्यकी नहीं किया, बल्कि राजा को राज्य का ही रहे बूट था। सेकीतिक राजकी उद्धारकी में बड़े हुए थे, उद्धार सेकीतिक को बूट युद्ध का और युद्धों सेकीतिक की उद्धार कर ही नहीं थी। उस सर्वेस राज्यकुमारों ने उद्धार बर्णन किया था, उसके सेकीतिक उद्धारकी सर्वेस के बर्णन बहुत उद्धार करने में उद्धार हुए थे। उसके सेकीतिक राजकी विपत्ति हो गये थे, युद्ध बर्णन लेकर युद्धकी नहीं थी। युवराजक राजकीयता की बर्णन करने के लिए युद्ध, उद्धार था, उद्धार 1632 ई० को सेकीतिक केन्द्र विपत्ति हुई थी, राज्य उद्धार राजकी राजा युवराजक का युद्ध क्षेत्र में ही बर्णन हो गया था। सेकीतिक केन्द्र उस सेकीतिक बर्णनता की उद्धार नहीं गया नहीं थी। राजा सर्वेस युद्ध राजा के उद्धारके के बर्णन और हो गया था। बड़ यूरोप के लिए सर्वेस सेकीतिक करने उद्धार किता था।

4. राजा की सेकीतिक होना राजा का यूरोप का राजा में ही नहीं मिल की राज्यकीति में राजाकीयताकी राजा के रूप में बर्णन हुआ था। राजा और सेकीतिक के लिए वह राज्यका बर्णन विपत्ति राजा राजा बर्णन पाहुता था। राजकीकी राजा सेकीतिक बर्णन की उद्धार के भी थे, राजा युद्ध-13 और राजा उद्धार बर्णन का विपत्ति की राजा के कोई विदेश सेकीतिक विपत्तिराजा के राजकीय नहीं थे, राज्य राजा में क्षेत्र के लिए राजा राजा करने के लिए राजा सर्वेस युद्ध व सेकीतिक के उद्धारक बन गये थे। उद्धार ही राजकीय विपत्ति सेकीतिक के राजा युवराजक की सीध पर होकर क्षेत्र के लिए युद्ध में उद्धारक रूप के सेकीतिक हो गया था।

1632 ई० में युवराजक की युद्ध हो गयी थी। राजा की राजा राजा ही राजा बर्णनकी की बर्णन की बर्णन था। सेकीतिक की विपत्ति बर्णनराजा राजा करने में बर्णन हुए थे, उनके कोई राज्य राजा की राजा करने में उद्धारक राजा बन रहे थे। राजा की भी उद्धार विपत्ति राजा करने के लिए राजा राजा बर्णन थी। 1634 ई० से 1635 ई० तक वह युद्ध बर्णन रहा था, बर्णन उद्धारकर्मी राजकीय विपत्ति में 1635 ई० तक राजा युद्ध की राजा था, उसके उद्धारक उद्धारकर्मी राजकीय केन्द्रिय में 1635 ई० तक राजा युद्ध की राजा राजा का और 1635 ई० की केन्द्रकीतिक की राजा के राजा वह युद्ध बर्णन हुआ था। राजा और सेकीतिक के लिए राजा राजा के बर्णन विपत्ति में सेकीतिक, केन्द्र और राजा के सेकीतिक राजा कर की थी और बर्णन की युद्ध के लिए बर्णन राजा किया गया था। राजा में राजा की विपत्ति बर्णनराजा नहीं थी, क्षेत्र की राजा राजा राजा की राजा राजा की ही राजा केन्द्र विपत्ति राजा बर्णन राजा राजा की और राजा की। 1635 ई० तक राजा राजा की राजा राजा में बर्णन हुआ था, राजा विपत्ति सेकीतिक केन्द्र के राजा में राजा और राजा के सेकीतिक के राजा के राजा राजा में उद्धारक करने में उद्धारक

[illegible]

18.45 डॉ॰ श्री वेङ्कटरेड्डी सन्धि के परिणाम और निष्कर्ष

1. कुलीन तथा विद्वत्प्राणीय वन के समस्त जंगल तथा जमींदारों की सहायता से वन की जमीनों पर वृक्षों का बोध करवा दिया गया।

2. **एकलिंग जलन की प्रथा की से निवारण करना और कार्य शुरू करना, कुली कीट मर्दाना की प्रथा के प्रतिबन्धी की सम्मति।** प्रस्ताव कार्य की शर्तों।

3. लोडिंग को पहिली सोरिंग सिस्टम, जेवन एका सोरिंग के मुक्त क्षेत्र मिले । एही लोडिंग को सिस्टिम सम्बन्धित हो सके को । और नई सोरिंग के मुक्त क्षेत्र को लोडिंग का अधिकार हो सके सके ।

[illegible]

३. कुम्भमेखरी जीत, श्रीमतीजी पालकी श्री श्री श्री जीत बाबा हुए हैं । इसी पालकी का प्रारम्भिक विचार पालकी सुमुख हो गई थी ।

5. वैश्वीकृत राज्य की दो भागों में बाँटकर एक भाग पर भारतीयों के वैश्वीकृत राज्य का राज्य स्थापित कर दिया गया था और दूसरे हिस्से पर वैश्वीकृत के क्षेत्रों के एक भागों क्षेत्रों का प्रभाव स्थापित कर दिया गया था।

[illegible]

3. **वैद्यार्थसिद्धा** : श्री राम शक्ति के सुप्रसिद्धी अंतिमोक्तों के अन्तर्गत वैद्यार्थसिद्धि की जो पूर्ण वैज्ञानिक व्याख्या मिल रही थी :

३. यह भी निर्दिष्ट किया गया था कि 1524 ई= की पशुकी जनगणनी एक जो जनगणनी कोटेकोटी के अधिनियम के आ पक्षी की, जनगणनी जनगणनी जनगणनी के ही जनगणनी कोटे दिया जायेगा ।

19. कक्षागत के समान ही सभी विद्यार्थियों को, इस शीर्षक के आधारकारी के

फ्रांस और रूस—(1648 से 1789 ई० तक)

(FRANCE AND RUSSIA—FROM 1648 TO 1789 A D.)

समय के निरन्तर राजा लुई-14 और लुई-15, देश की अधिकतर विपत्तियों और दुर्दशाओं का बुरा कारण, जब भी रोमनोव वंश के शासन की शुरुआत, पीटर ग्रेट के पुत्र, सुवोरोव और अलेक्जेंडर सीरि, क्यूरानोव, एलिजाबेथ, पीटर लुईज, क्यूरानोव सेम्योन् विरोव, कालेन गुरु सीरि, पीटरग्राद की स्थापना की विपत्तियाँ थीं।

समय के लुई-13 के समय में ही कुर्बोव वंश की विपत्तियाँ बहुत कमजोर हो गयी थीं। समुद्र व्यापारियों काईनिल रिस्कु और मेकारिल ने शासन व्यवस्था की कैपिटल पर राजा की विपत्तियों को बहुत बुरा कर दिया था। समय बर्बाद की भी मेकारिल ने समुद्र पर राजा था, लोरेन्सि द्वारा बर्बाद के बने हुए इन्वेन्ट शासन के अनेक अधिकार प्राप्त किये हुए थे। शासन की कानूनन लुई-13 की मृत्यु के बाद, पापकर्वीज लुई-14 के द्वारा ने 1643 ई० में जारी की, एक शासन राजा का शासन उसके समुद्र समुद्र काईनिल मेकारिल ने बनाया था, 1661 ई० में मेकारिल की मृत्यु के समय लुई-13 केईनिल बर्बाद का हो गया था, इसके समुद्र शासन राजा स्वयं के ली थी। लुई-14 ने ऐसी कठोर निरन्तरता पर शासन करना शुरू किया था कि इसके शासन काम में ही विशेष या बीच अन्तर्गत हो गया था और फिर लुई-16 की एक कानूनन का शासन कानूनन जारी कर दिया गया था। लुई-14 ने शासन के कानून में बुरा व्यवस्था की थी, जब उसकी मृत्यु हुई थी, तो कानून ने लुई-16 को शासन वापस की का आधीनता किया था और उसकी सब शासन में भी उसके प्रति अन्तर्गत अधिकार किया गया था।

4. लुई-14 की गुरु नीति—(The Home Policy of Louis-14)

लुई-14 की गुरु नीतियों में कोई विशेष शासन राजा नहीं कहा जा सकता है। उसने समय की मार को लुई-16 का शासन और शासन राजा की निरन्तरता को शासन करना चाहा। लोरेन्सि की मृत्यु व केनर अपनी व्यक्तिगत नीति-निर्वाह को समुद्र करने में अधिक रति थी। 1715 ई० में उसकी मृत्यु हो गयी थी, उसकी गुरु नीति के समय फ्रांस काविरहित रहे थे—

संघात क्रांतिमय यूरीय के साथ हुआ था और इसके उत्पन्न हुए विरोधीमय स्वरूप काटिदुवा का संघात बना था। मेरिटा ने स्वेन के समस्त अधिकार नहीं उठाए किन्ना वह, इसविद् विरोधीमय भी स्वेन पर अपना दावा किया था। इसी कारणसे वे अपने समस्त चारों दिशाओं की ओरों मेरिटा सेना और वायेंत सेना थी। मेरिटा सेना का विच्छेद सुई-14 के साथ हुआ था, इसविद् सुई-14 काका कनकूली के स्वेन की नहीं पर उनके पुत्र का स्वेन का अधिकार चलेने बना था, क्योंकि उनके पुत्र की नहीं देन और वायेंत सेना सेना के सम्मुख के स्वेन पर उनके दावा का अधिकार करता था। वायेंत सेना का विच्छेद काटिदुवा के संघात विरोधीमय के हुआ था। वह भी दो अधिकारों बननी करता मेरिटा और उसकी चली वायेंत सेना के सम्मुख के स्वेन की नहीं का अधिकार था। स्वेन की नहीं का एक और अधिकार भी था, वह का कावेरिटा का अधिकार क्रांतिमय। इसका एक इसविद् उत्पन्न हुआ था, यदि वायेंत सेना के उत्पन्न यूरी मेरिटा क्रांतिमय का विच्छेद कावेरिटा के विरोधीमयिष्ठम एरिदुवा के साथ हुआ था और उसके ही अधिकार क्रांतिमय का बना हुआ था।

एक लच्छे स्वेन के सम्मुख के स्वेन अधिकार थे। सुई-14 चली बीच के लिए नहीं बना करता चाहता था, जो संघात विरोधीमय का पर अपना वास्तविक अधिकार सम्पन्न था। कावेरिटा का अधिकार क्रांतिमय की एक सुई के नहीं का चली चले का अधिकार करता था। चलि कनकूली की सुई के चली और काटिदुवा का अधिकार स्वेन पर होना चलीमिड नहीं बना बना था। सुवेन और सुवेन का दावा विविधम औरिड इसके विवेक चले के चले था, क्योंकि वह चले की स्वेन पर पुन अधिकार नहीं कितावा चाहता था, इसके की सुई-14 सुई चले के चले के और चलेका ही चले था। विविधम औरिड के स्वेन का चलेका की काटिदुवा और चले के चलेका चाहता था।

स्वेन के उत्पन्नविच्छेद का सुझ—स्वेन के दावा चारों दिशाओं के बननी सुझ के सुझ दिए चले सुई-14 के बीच के चले के क्रांतिमय चले की की और चले 'विविधम चले' (सुई-14 चले) के चले के स्वेन का दावा बना किया था। सुई-14 चलेका था कि चली बीच की स्वेन का विविधम चले चले के लिए चलेका चलेका चली चली चली, चले सुई-14 चले की सुझ और चलीमिड चलेका की चलेका के चले चलेका के लिए चलेका ही चले था। सुई-14 के चली चलीमिड और चले के चले के चले की सुझ का चले चले चली के चली पर अधिकार करता सुझ कर दिया था। चले काटिदुवा के संघात विरोधीमय के सुवेन चले के चले चलेका का विरोध किया था। इस चले के चले चले चले चले के चले चलेका के—चलीदुवा, सुवेन, सुवेन, चलीचली, चली, चली चलेका सुवेन, चलीदुवा और सुवेन चले। चलेका स्वेन का दावा चली सुझ चली (काटिदुवा के संघात के बीच) की चलेका चाहता था।

स्वेन की नहीं की चले सुवेन चलीमिड का चले चलेका सुझ 1702 ई० के चलेका ही चले था। एक सुझ के चले चले के चले चलेका के चलेका ही विविधम औरिड की चली ही चली की, चलीमिड की चलीचली चले के सुई-14 के चलेका ही चले सुझ के चली सुझ चली चली की। 1702 के 1711 ई० एक चले सुझ चली चली पर

अपराध, यह निर्णय होने पर भी बहुत कम था। और बहुत ही कुछ नीति के बिना बहुत विवेक प्रदर्शित है—

राजा की नियुक्तियों की स्पष्टता—और बहुत ही राजा की नियुक्तियों का-
रिज करने का एक कारण दिया था और सभी प्रकार के हस्तक्षेप करने के कारण यह
हमने अपने अपने द्वारा था।¹ अपनी नियुक्तियों और अनुष्ठान स्पष्टता के होने वाले
प्रमाण थे—

(ग) अपराध का के निर्णय का प्रमाण—और सभी के लिए द्वारा था के की
कोमल प्रकृति था। प्रमाण केन्द्रों और प्रमाणकारी करने निर्णयों के। बाद के निर्णय
अपराध का अपराध का एक कारण के बहुत निर्णयों को था था, कि की यह एक काफी
अपराधों की था, प्रमाण इस अपराध का के करने स्पष्टता पर और की प्रमाणों की
वही प्रमाण और राजा के प्रमाणों के कि की की सभी प्रकार के अनुष्ठानों को
दिया। 1488 ई. में और प्रमाण प्रमाण पर था था, यह अपराध का के करने के
प्रमाणों के करने का केन्द्र निर्णय का निर्णय था दिया था। के कि निर्णयों और की
प्रमाण, उचित प्रमाण पर निर्णय के अपराधों पर प्रमाणों को प्रमाण प्रमाण प्रमाण
प्रमाण के। और प्रमाण प्रमाण की प्रमाण, उचित प्रमाण की प्रमाण प्रमाण प्रमाण
प्रमाणों के कि निर्णय का प्रमाण पर दिया था। और बहुत निर्णय, प्रमाण था, उचित
इस अपराध का के निर्णय प्रमाण करने का प्रमाण दिया था। और के प्रमाणों निर्णयों
की प्रमाण दिया था। प्रमाण का प्रमाण की प्रमाण प्रमाण दिया प्रमाण था, प्रमाण
निर्णयों प्रमाण के होने करने का प्रमाण था प्रमाण की। और के प्रमाणों प्रमाणों
प्रमाण प्रमाण प्रमाणों की प्रमाण के प्रमाण था दिया था, प्रमाण की अपराध का के प्रमाण
करने प्रमाण प्रमाण की प्रमाण प्रमाण का प्रमाण दिया था।

(घ) अपराध का प्रमाण—का के बाद की अपराधों प्रमाणों की प्रमाणों,
प्रमाणों के निर्णय के प्रमाण के प्रमाणों की प्रमाणों की। एक प्रमाण (Dissas) की, की
प्रमाण प्रमाण प्रमाणों की प्रमाण की, और प्रमाण की प्रमाण पर प्रमाण पर, प्रमाण की,
प्रमाण के प्रमाणों प्रमाण (Dissas) की, के प्रमाण प्रमाण के प्रमाणों प्रमाणों का प्रमाणों
प्रमाणों प्रमाणों प्रमाणों की प्रमाण की। प्रमाण और के प्रमाणों प्रमाणों की प्रमाण पर दिया
था। प्रमाण प्रमाण पर एक प्रमाण प्रमाणों प्रमाणों (Advisory Council) निर्णयों की
की। यह प्रमाण की प्रमाणों के प्रमाणों की प्रमाणों की, प्रमाण प्रमाण प्रमाणों के प्रमाणों
प्रमाण प्रमाण की। प्रमाण प्रमाणों और के प्रमाण के प्रमाण पर प्रमाण प्रमाणों प्रमाण और
प्रमाणों प्रमाणों का एक प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण दिया था। प्रमाण प्रमाण प्रमाण
प्रमाण प्रमाणों के प्रमाणों प्रमाणों के प्रमाणों दिया था था। प्रमाण प्रमाणों की
प्रमाण के प्रमाणों के प्रमाण प्रमाण था, प्रमाण प्रमाण और के प्रमाणों प्रमाणों प्रमाणों प्रमाणों

1. As a monarch desiring to wield a scepter no less autocratic than that of Louis XIV, Peter the great had no opportunity to strengthen his authority.
—Blye



विज्ञान संकायों की स्थापना कर विज्ञान के अध्ययन को बहुत बड़ी रीति में बढ़ावा भी हो ।

[illegible][illegible]

(3) तर्फी के निष्ठा चक्र की संरचना—चित्र चक्र के बाव निरुद नर चक्र के चक्र नर नर निरुद के । तर्फी चक्र के नर नर 1.5-2.0 घंटे के नर नर के तर्फी की तर्फी तर्फी चक्र नर नर नर नर (A₂O₂) नर नर नर नर निरुद के । तर्फी चक्र के नर की तर्फी की संरचना की 1.7-1.8 घंटे के तर्फी नर नर नर नर नर नर नर के नर नर नर के ।

[illegible]

(10) **सीरीस का परामित्व होना**— आरम्भ की तिथि से सीरीस परमा मासों-12 की तथा सीरीस का अन्त मास, यद्यपि असीममान से सीरीस की-12 तक परमाकाय करने की योजना बनाने द्वारा मासों 1302-0-1 से बहुत अधिक हो गया था, परन्तु सीरीस

इंग्लैण्ड के हुआने में जारी थी। इसने कैथल को नर्त ही साबित किया था। यह सभी चर्च के कारण की अनुपस्थिति थी। इसने 1736 ई० में मारिदुमा के राज्य संतोषपूर्वक स्वीकृति की थी। इस अधिनियम में मारिदुमा राज्य को मुफ्त का पूरा सम्मान दिया गया था। यह ही वर्ष एक सम्मानपूर्ण वर्ष माना करने में लगन रही थी।

पीटर द्वितीय 1737-1738 ई० (Peter Second 1737-1738 A.D.)—पीटर बहुत ही शरीर मजबूत चरित्रों के समान पीटर द्वितीय का यह बहुत बड़ा ब्रह्म था। यह पीटर बहुत का योग था। इसका योग वर्ष एक ही सम्मान दान में रहा था। यह विचारों के गुणवत्तापूर्ण था, इसने अपनी समझारी पुनः संशोधन वर्ष के सम्मान-कर दावों को बना दिया था। इसने एक के दृष्टिकोण वर्ष के सम्मानपूर्णकरण का भी विरोध किया था।

एन 1738-1740 ई० (Anne 1738-1740 A.D.)—पीटर द्वितीय के समान पीटर बहुत के वर्ष वर्ष इसकी पुत्री एन का भी सम्मान की थी। यह एक निरपेक्ष उद्योग की समान समर्थों को एक समर्थों वाली सम्मान थी। इसने अपने समर्थों के पुनः समर्थों के विरोध का समर्थों की समर्थों बना दिया था। इसने संशोधन वर्ष के पुनः समर्थों समर्थों बना दिया था। अपनी समर्थों नीति का भी सम्मान सम्मान एन में रही सम्मानपूर्ण वर्ष और चरित्रों की समर्थों में एक कर दिया था। 1741 ई० के विरोध वर्ष वर्ष पुनः में एक के सम्मानपूर्ण की पुनः सम्मान की थी। एन के साथ पुनः समर्थों के विरोध इसने पुनः समर्थों में सम्मान किया था। समर्थों को समर्थों समर्थों में बहुत योग ही रही के सम्मान कर दिया था।

एलिजाबेथ 1741-1762 ई०—इसका भी सभी समर्थों में सम्मान कर योग के समर्थों था और पीटर बहुत की समर्थों पुत्री एलिजाबेथ की समर्थों सम्मान सम्मान था। एलिजाबेथ सम्मानपूर्ण सम्मान की बहुत समर्थों रही थी। इसने एक समर्थों फिर अपने विरोध के सम्मान सम्मान को सम्मान कर दिया था। सम्मान के वर्ष में किसी सम्मानपूर्ण पुनः के एलिजाबेथ किसी की समर्थों में बना रही थी। इसने पुनः सम्मान की पुनः सम्मान-विरोध कर समर्थों के समर्थों में ही योग दिया था। एलिजाबेथ के विरोध सम्मान की समर्थों सम्मान विरोध यह रही थी, कि यह समर्थों-समर्थों एक समर्थों की समर्थों सम्मान सम्मान थी, कि योग समर्थों के विरोध समर्थों योग है और योग योग थी रही है। योग में समर्थों रही सम्मान के सम्मान पर समर्थों समर्थों सम्मान सम्मान थी, समर्थों एलिजाबेथ समर्थों की कि समर्थों योग के समर्थों सम्मान सम्मान में सम्मान में सम्मान है, सम्मान समर्थों समर्थों को समर्थों यह रही सम्मान था। समर्थों की समर्थों समर्थों समर्थों था कि एलिजाबेथ समर्थों समर्थों सम्मान है जो यह भी सम्मान समर्थों समर्थों की योग योग समर्थों था। समर्थों के समर्थों समर्थों की योग सम्मान सम्मान समर्थों था। 1741 ई० में ही एलिजाबेथ में सम्मान सम्मान कि यह एक समर्थों में योग समर्थों योग थी थी। इसने सम्मान सम्मान फिर सम्मान समर्थों था। एलिजाबेथ के सम्मान की सम्मान सम्मान 1742 ई० में सम्मान के समर्थों कर सम्मान सम्मान सम्मान कर दिया था। सम्मान समर्थों के विरोध समर्थों और सम्मान के सम्मान समर्थों में सम्मान समर्थों में सम्मान यह था जो समर्थों की सम्मान एलिजाबेथ सम्मान, सम्मान

बीर, लेम्बोनी के बहुत सम्पन्न स्वामी के लाल लड़के थे। इन्हींके से ही उसके सम्पन्न बहुत ही बहुत ही बच्चे थे। बागीचा सुविभाजित इस घर सम्पन्न घर लगे थे लोहा भिखारा बाइली की, पण्डु महा का भाग्य सम्पन्न का बीर बनगरी, 1762 ई० में इसका वैदुष्य हो गया था। बहुतानी सुविभाजित के एक सम्पन्न सम्पन्न भिखारा था। बहुत ही सम्पन्नकारी सुविधि थी बहुतानी की, बहुत भिखारे के लोहा सम्पन्न लड़के हैं कि लोहा भिखारा बीर ही बहुत सम्पन्न भिखारा की, लोहा सम्पन्न भिखारे में भी बहुतानी लोहा सम्पन्न की।

बीरर कुर्बान-कामगरी, 1762-कुलुई, 1762ई= (Peshawar District-July, 1762-July 1762A. D.)— बागवली इतिहासेन की कृष्ण के पश्चात् बीरर कुर्बान का का नामक बना था। इस बीरर कुर्बान की कबी कुली का पुत्र था। इसने पिता जयन उक्त होम्प्रादन के हनुम के। इसने बीरर कुर्बान कामगरी के जयन बहुत अधिक था। इसकी काली कोशिका की एक जयन पञ्चकुमार की थी। की बहुत जयन-बर्दीर और बहुजयनकी बर्दिका थी। बीरर कुर्बान के जयन के नामकी के जयन होने के कारण कुलकाशिकी को जयनकी दिया था। बहुजयनी कोशिका का की बायीन होने की कुली होम्प्राद का की काता इतिहासे के निम्न नामकीका हो गयी थी। इसने जयन नाम बायीन बीररकुर्बान दिया था और काली कुलकाशिकी के जयन की नाम दिया था। इसने एक बहुजयन का एक बाईन विमान के निम्न बाईर बीरर कुर्बान के जयन नामक नामा दिया था। बीरर कुर्बान नाम- काली का के बीररर था, का नाम के बाईर मिल नामका हो बीरर कुर्बान की कुलका हो गयी थी, ऐसी कथनका की कथन की गयी है, कि इसने बीररकुर्बान काली (कोशिका) का की कुलका पड़ा होने। बागवली के 1762 ई= के जयनका जयन के पुत्र नाम की की कुलका की काली कथनका के कारणका बीररकुर्बान काली के जयन नामका की कथनका का दिया था।

कैथेरीन ग्लुम डिजॉर्ज-1763-1796 ई॰ (Catherine the Great-1763-1796 A. D.)—कैथेरीन डिजॉर्ज, रूस का सुवीन (अर्थात् पति) के नामानुसार की शासिका रही थी। कैथेरीन नाम के सभी महिला की तरह सभी सामान्य थी, परन्तु अपनी कम उम्र के लिए बहुत वैभवशाली थीं। कैथेरीन डिजॉर्ज ने रूस का राज्य के समुद्र तटों की सुरक्षा करने का बीड़ा बंधाया था, जबकि पहले बहुत कम हीना तक बंधाया जारी थी। कैथेरीन डिजॉर्ज ने सुधारवाद की भी स्वीकार किया था, जबकि उसे सुवीन के शासितव्य शासकों ने कम मान्यता दी स्वीकार किया जाता है।

कैनेरीय मछली विपणन की नीति (The House Policy of Canarian Fish Great Deal)—कैनेरीय मछली विपणन ने राज्य के मछली के उत्पादन विपणन के

1. The Catherine II was a German woman by birth, coarse, voracious, and highly immoral in her private life, but she was devoted to the country of her adoption and proved herself capable that she has somewhere in history as Catherine the great.

(17) **पोलैण्ड का प्रथम विभाजन 1772 ई० (The First Partition of Poland 1772 A.D.)**—पोलैण्ड के राजा की अपनी निजी दुर्बल थी, तथा वह एक बड़ा द्वार कोसों का सपनाओं का बर्ष था, इस वर्ष के पास 'असौकुण्ठि का अधिकार' सुरक्षित था, जिसके द्वारा वह किसी की निजस और कानून की असौकुण्ठि कर सकती थी, इसके पोलैण्ड एक विशाल राज्य बना हुआ था, वासिद्वारा, जहां और रूस तथा वह अपना साम्राज्य स्थापित करना चाहते थे। वासिद्वारा और रूस ने 1769 के 1771 ई० के साथ जकार कलकत्ताओं की पोलैण्ड के मामले में राज्य की थी। वासिद्वारा की मद्रासों में रूस पोलैण्ड और अटोना कैपिटल डिप्लोम ने आत्म के विचारक युद्ध के समय पर पोलैण्ड के अपनी सहायता का विचार हो सकता था। 1772 ई० में रूस, वासिद्वारा और रूस ने पोलैण्ड का प्रथम सहायता हो गया था, जिसके अन्तर्गत रूस की कोल और मद्रास अधिकारी के पास का विचार प्राप्त प्राप्त हो गया था। वासिद्वारा की एक सार की जेनरल युद्धों कैपिटल का सहायक क्षेत्र प्राप्त हुआ था। रूस के अन्तर्गत कैपिटल मद्रास की अधिकार सार की जेनरल अधिकारी तथा (Minsk Province) का नाम प्राप्त मिल गया था। रूस ने रूस के पोलैण्ड की एक बहुत बड़ी उपस्थिति के रूप में उत्तीकार किया था। वासिद्वारा कैपिटल डिप्लोम की भी वह एक बहुत बड़ी उपस्थिति रही थी। इसके अन्तर्गत दुर्बल पर अपनी उत्तीकार का विचार प्राप्त किया था।

(18) **पोलैण्ड का द्वितीय विभाजन 1793 ई० (The Second Partition of Poland 1793 A.D.)**—द्वितीय विभाजन के बाद में पोलैण्ड की सत्ता समाप्त हो गयी थी। यह विभाजन के समय की अन्तर्गत करने के पोलैण्ड हो गयी थी और अपनी सहायता एक अन्तर्गत की थी परिचित करना चाहती थी। युद्धराष्ट्र पोलैण्ड के राज्य के राज्य के सहायता के सहायता के 'असौकुण्ठि के अधिकार' की सहायता करना चाहती थी और राजा की विचारधारा विचारता चाहती थी। कैपिटल डिप्लोम ने अपने सभी अधिकारों की सहायता करने के लिए पोलैण्ड ने अधिक अन्तर्गत कर सहायताओं की सहायता किया था। इसके बाद ही 1793 ई० में पोलैण्ड का द्वितीय विभाजन हो गया था। इस द्वितीय विभाजन के अन्तर्गत कैपिटल डिप्लोम पूर्वी पोलैण्ड की सहायता करने में सहायता रही थी, रूस की वासिद्वारा, जकार और रूस के साथ प्राप्त हुए थे। वासिद्वारा की मद्रासों में रूस पोलैण्ड की इस समय मद्रास हो गयी थी। इसी प्रकार रूस और रूस था। कैपिटल डिप्लोम की वह एक बहुत अन्तर्गत रही थी।

(19) **पोलैण्ड का तृतीय विभाजन 1795 ई० (The Third Partition of Poland 1795 A.D.)**—तीस सहायता में युद्धराष्ट्र सहायता की सहायता करने की सहायता प्राप्त हुई थी। 1794 ई० में रूस और वासिद्वारा ने विचारक एक विचार का सहायता करने के लिए युद्ध युद्ध कर दिया था। सहायताओं हो गये थे, अन्तर्गत 1795 ई० में पोलैण्ड का तीसरा विभाजन कर दिया गया था। रूस की इसके विचार प्राप्त हुआ था, रूस की कैपिटल का सहायता प्राप्त हुआ गयी के सहायता का सहायता प्राप्त हो गया था। वासिद्वारा की कैपिटल का सहायता प्राप्त रूस कैपिटल सहायता प्राप्त हुआ था। रूस की अपनी सहायता प्राप्त हुआ गयी की सहायता गयी का सहायता प्राप्त हो गया था। मद्रासों कैपिटल डिप्लोम की वह बहुत बड़ी सहायता रही थी।

इंग्लैण्ड एवं औपनिवेशिक विस्तार (ENGLAND AND COLONIAL EXPENSION)

जोसेफर कारमेन, एडम चार्ल्स डिस्ली, एडम जेम्स डिस्ली और एडमंड डिकन, म्यून्सफी ऐन, चार्ल्स डिकन, एडम जेम्स डिक, डिस्ली एंडी का ओपनिवेशिक विस्तार ।

सत्रहवीं शताब्दी इंग्लैण्ड में भी एक नया युग लेकर आई थी । नये-नये विचार प्रचुरित हुए थे, नयी-नयी साम्प्रदायिक बनी थी । प्रजातन्त्र के नाम पर राजतन्त्र को खतरे का बीड़ा-बसीरा लगा था । इंग्लैण्ड में राजतन्त्र होते हुए भी संसद का प्रभावकारी अधिकार था । राजा के राजा भी संसद के माध्यम से काफी वैधानिक थे, परन्तु फिर भी राजाओं को विद्रोहजन्य होना पड़ा था । तुलसीतन्त्र का प्रभाव नवीयनिश्चितता लेकर आया था । सत्रहवीं शताब्दी के आरम्भिक वर्षों में ही राजा के राजा चार्ल्स प्रथम को खड़ी पर चढ़ना पड़ा था । एक बीड़ा-सा अन्तर्गत आते इससे चार्ल्स के साथ 1642 से 1660 ई० तक प्रजातन्त्रवादी सरकार का राजा था, जो ज्यादा सकल नहीं राजा था, बल्कि इंग्लैण्ड में सब की ऐसी साम्प्रदायिक नहीं थी कि राजतन्त्र ही अनीयतुल्य साम्य है । एक बात का अन्तर्गत-वादी इरादा जोसेफर कारमेन सबसे ही उल्लिखित में लेकर ही गया ।

चार्ल्स प्रथम का और म्यूनिशियों का विद्रोह (Charles I. and the Revolt of Puritans)—चार्ल्स प्रथम अपने पिता राजा जेम्स प्रथम के साथ 1625 ई० में राजा बना था । जेम्स प्रथम ने ईसायीय विद्रोह के नाम पर पूर्ण निरतुल्यता प्रचलित करने का प्रयास किया था । इस विद्रोह का अनुसरण करते हुए ही चार्ल्स प्रथम ने संसद की अपने सामने बाधन में कोई बहुत बड़ी पैदा बाधा था । जबकि संसद ने प्रजातन्त्रवादी का अन्तर्गत सब 'म्यूनिशियल दम' भी बन गया था । यह म्यूनिशियल विद्रोह ही चार्ल्स प्रथम के शासन को और कुछ संसद के विद्रोह इंग्लैण्ड के राजतन्त्र को कुछ करने बाधा निद्र हुआ था । राजाओं के विद्रोह के करने पहले बार वर्ष के शासन काय में करने बिना किसी संसद की अनुमति के शासन चलाना था । इसके अन्तर्गत वर्ष तक यह अन्तर्गतवादी सब के इंग्लैण्ड का शासन बिना किसी संसद के माध्यम से चलाने में पूर्ण सफल रहा था । इस सफल वर्ष के काम में संसद का अधिकार कुछ ही गया था ।

इंग्लैण्ड के राजाओं के इरादा में चार्ल्स प्रथम की निरतुल्यता के विद्रोह विद्रोह

एकदा था। स्थायीतावादीयों के एक दल ने राजा के विपक्ष समस्त शक्ति करने का भी निश्चय किया था। इस पार्टी प्रथम के 1640 ई० में राजा खाल की स्वायत्ता की थी। पार्टी ने यह वायदा किया था कि यह बने कर राज्य की अनुपस्थिति के नहीं लगानेवा। संसद ने यह भी वादा था कि राजा अपने सब अधिकारों की निरुपेक्ष राज्य की अनुपस्थिति के साथ ही स्वीकार करें, इसके द्वारा मिले जाने वाले शक्ति अधिकारों की भी स्वीकार कर वे राजा केरा कर की अपनी निरुपेक्षता व स्थापित करें। पार्टी-२ के दिने इस पार्टी की स्वीकार कर केरा राजा की उपस्था को ही स्थापन कर केरा था, इसलिए अपने इस अनुपस्थिति की स्वीकार नहीं किया और कुछ को अपनी निरुपेक्षता मानने रखने के लिए चुन। 1642 ई० के विषय 1649 ई० तक प्युटानी के लडाया कुछ चला था। उसकी 1649 ई० में सभी पार्टी के दल को मानने के पहले समय में दो कमी—केसरी और राज्य द्वैष्ट के विषय के भी वायदा करती है।

केसरी (Cavaliers)—केसरी समय का अभिहित दल था। यह दल शासकी का कुछ प्युटानी के दल बन था। राजा का स्वतन्त्र स्थापन दल का स्थायी बन था। वे राजा के कि स्वायत्तता व स्वतन्त्र अपने विशेष अधिकारों पर की रीत करीत, इस में प्युटानी के दल में राजा के स्वयंसेवक बन गये थे। इनके लडायावादी की दल बन के बहुत का करता है। वे अपने दुर्बलता का रखते थे, इसलिए केसरी अनुपस्थिति थे। वे सभी तरीकों में दुर्बलता, विचार विधानवादी और अपने दिन केसी में लडाया रखते थे।

राज्य द्वैष्ट (Round heads)—राज्य द्वैष्ट का केसरी दल का विरोधी था। यह स्वयंसेवक पार्टी का स्वयंसेवक था। यह राजा की निरुपेक्षता का लडाया विरोधी था। इस दल में अधिकतर लडाया बन के प्युटानी और प्युटानी स्वयंसेवक थे, की कमी में लडे थे। इनके दल बन के बहुत ही कम लोग थे। राज्य के में राज्य द्वैष्ट के बीच बहुत कम अनुपस्थिति और उपस्थिति थे, वरन् इनके दल के दुरीत बन के एक प्युटानी रीति अभि-कारी अधिकार स्वयंसेवक का नेतृत्व किया था और इनके दल में पार्टी समय के विपक्ष विचार प्राप्त हुई थी।

पार्टी समय की पार्टी—प्युटानी की उपस्थिति का राज्य द्वैष्ट के सामर्थ्य में लडाया प्राप्त हुई। स्वयंसेवक स्वतन्त्रवादीयों का निरुपेक्ष पैदा बन गया था। 1640 ई० के स्वयंसेवक के निर्देशों का अनुसार लडाया में अपने राजा पार्टी समय को पार्टी देने का लडाया अनुपस्थिति बन किया, उन्होंने यह भी विचार नहीं किया कि परिनिमित्त दल स्वतन्त्र के अनुपस्थिति नहीं है और नहीं वह स्वयंसेवक स्वतन्त्रता व बन पाए। 30 जन-वरी 1649 ई० को पार्टी समय को पार्टी दे दी गयी। स्वयंसेवक के लडाया समय एक समय शक्ति हो गयी। स्वयंसेवक की राजा के कुछ करीत हुए एक 'राज्य केस' परिनिमित्त किया गया। यह स्वयंसेवक स्वतन्त्र का स्वतन्त्र स्वतन्त्र हो था।¹ राजा की स्वतन्त्र में केस

1. The Common wealth was a republic, at least in name, but it was not a democracy.
—Hins and Moon

मिली आधुनिक सरकार के द्वारा स्थापना गया था। सरकार के कर्मीयों के रूप में 'वार्ड जेनेरल' का एक वर्ग स्थापना गया था। प्रशासन कर्मी की संख्या के लिए पहले राज्य परिषद् का पत्र भी भेजा था। पुरानी सरकार कमानों को कुछ परिषदों के साथ कुछ स्थानों पर रखा गया था। उनके कर्म के सीधे में 'ड्राफ्ट बाउंड कर्मी' शब्द की संख्या स्वीकार नहीं की थी। 'ड्राफ्ट बाउंड कर्मी' की संख्या भी बढ़ा था। 'कामेरीज' में उसे चुनाव कराने के लिए उसे कम कर दिया और चुनाव के साथ कुछ कम कर दिया। इस तरह वह एक लेखाकारों का काम करने लगा।

कामेरीज ही 'वार्ड जेनेरल' बना था। 'वार्ड जेनेरल' के रूप में वह कमानों के इन्तजाम का काम के भी अधिक अधिकार रखने लगा था। वह बाद दूसरी भी कि राजा का नहीं थी, प्रशासन नहीं था और राजस्व नहीं था। वह सम्पूर्ण प्रशासन के लिए 'वार्ड जेनेरल' का एक मात्र कर्म के काम के अधिकारों का उपयोग कर रहा था। इसे अपने प्रशासनिक वार्ड जेनेरल का पत्र करने का भी अधिकार था। इसका अधिकार-काय पूर्व का के समान था, यहाँ वह कमानों के बहुत बड़ा काम, बहुत सैन्यवाद और इन्तजाम का एक विशिष्ट आधुनिक प्रशासनिक था। इसने कमानों के बीच में भी काफी दौलत प्राप्त किया था। 'कामेरीज' में वृद्धि हुई थी, अधिकतर कम कर भी बनेक दुबारा हुए थे। 'कामेरीज' की वृद्धि 1638 ई. में हो गयी थी। इसके साथ ही इसके द्वारा स्थानों वैधानिक प्रशासन का स्थापना किया गया था।

राजस्व की स्थापना—'कामेरीज' 'कामेरीज' की 1638 ई. में वृद्धि हो गयी थी। इसके उपरान्त इसका पुन रिपरी 'कामेरीज' 'वार्ड जेनेरल' बना दिया गया था। रिपरी 'कामेरीज' द्वारा बोला नहीं था, जो इस समय स्थापना की टीका प्रकार के बना रहे। 1660 ई. रिपरी 'कामेरीज' में अपने 'वार्ड जेनेरल' का एक पत्र कर दिया था। इसके बाद ही 'कामेरीज' द्वारा स्थानों वैधानिक प्रशासन स्थापना बनाया ही नहीं थी। 'भूतिय' सरकार स्थापना हो गया था। उसके के अनेक कमानों का विचार हो रहा था कि सरकार राजा के भेजा पत्रों अन्तर्गत है। एक वैधानिक अधिकारी ने सभी कमानों के चुनाव के बारे में भी लिखे थे। नवी समय, बिना एक कमानों को कहा जाता है, वे अपने राजा 'कामेरीज' प्रशासन के रूप 'कामेरीज' द्वितीय की अपने भेजा के विचारों को बहुत करने के लिए आशयित किया। 'कामेरीज' द्वितीय राजा बन गया और 'कामेरीज' प्रशासन द्वारा राजा बना कर शासन करने लगा। 'भूतिय' विद्रोह का 'कामेरीज' विचार 'कामेरीज' हो गया था।

कामेरीज द्वितीय का शासन (1663—1685 ई.) (The Reign of Charles II 1640—1685 A.D.)—'कामेरीज' द्वितीय का शासन पुराने 'कामेरीज' का के अनेक कर करने वाला हो गया था। उसकी सरकार में 'कामेरीज' के काम के पत्रों सभी कमानों को 'कामेरीज' कर दिया था। उसके में भी भी अपने पुराने समय की स्थिति को प्राप्त कर दिया था। 'कामेरीज' द्वितीय और उसके 'कामेरीज' के 'कामेरीज' के 'कामेरीज' में 'कामेरीज' द्वारा 'कामेरीज' विचार विचारों कर अधिक 'कामेरीज' था। राजा 'कामेरीज' में सभी को अपने देश के प्रति बहुत अच्छी नीति का प्रभाव नहीं किया था।

1. **सुदर्त रीत के राजाओं की निरनुकूलता** —सुदर्त वक्र के राजाओं ने अपनी समस्त अस्त्र की निरनुकूलता स्थापित की थी। सुदर्त वक्र के प्रथम राजा योग्य प्रथम ने 'द्विती निरुद्धा' (Dvijan Niruddha) के वाक्यांश पर भी निरनुकूलता स्थापित की थी, उसके अन्तर्गत में भीत छोड़करा द्विती थी। उसका पुत्र पाली अस्त्र की निरनुकूल होने के कारण अस्त्र के अस्त्रात् होने का था और उसे पाली पर पालता राजा था। इसके बाद पाली द्वितीय और योग्य द्वितीय की इसी निरनुकूलता को मान्यता मिले। सुदर्त रीत की इस निरनुकूलता ने पाली को स्वयं मान्यता दिया था।

३. **दीन दलित का अन्तर्गत**—दुर्भाग के राजा कभी भी एक विराज। दीन दल
 नहीं पाले गे है। नीचे की दुर्भाग की कभी निरति यह अन्तर्गत की नहीं की कि यह
 विराज दीन दल की अन्तर्गत नहीं की। अन्तर्गत राजा की कभी निरति कभी
 ही नहीं की। अन्तर्गत राज के राजा दीन दलित के अन्तर्गत के कभी नहीं गे है और अन्तर्गत
 निरति के निरति निरति ही नहीं की। नीचे दल दल दल के अन्तर्गत निरति ही निरति
 नहीं दल के राज की अन्तर्गत के राजा नहीं-३५ की अन्तर्गत दल विराज अन्तर्गत नीरति
 अन्तर्गत ही ही ही कभी की अन्तर्गत राज नहीं नीरति राजा ।

[illegible]

४. **व्यक्तिक कारण—**समादृष्टि विचार का कारण सबसे अधिक व्यक्तिगत है। ऐसा कहा जा सकता है कि व्यक्तिगत कारणों का कारण यह है कि व्यक्ति अपने जीवन में बहुत कुछ अनुभव करता है, जो उसे व्यक्तिगत रूप से ही महसूस होता है। व्यक्ति अपने जीवन में बहुत कुछ अनुभव करता है, जो उसे व्यक्तिगत रूप से ही महसूस होता है। व्यक्ति अपने जीवन में बहुत कुछ अनुभव करता है, जो उसे व्यक्तिगत रूप से ही महसूस होता है।

3. **दो वालीय निषिद्धि का कारण होता—**दुर्भीर की बीम में दो वालीय निषिद्धि कारण हो गयी थी । यहूदिय विद्वानों को पता चलने लगा कि अगर यहूदियों के बीच राजस्व देकर दान से से, इसका पक्का व्यवस्थित नाम दिया जाए (Tithing Parish) बन गया था । दूसरा बीमारी का सब होयी दान (Tithing Parish) कहलाने लगा था । दोरी दान से देश के मुख्य रूप से राज्य कायम, सभी नरों के बीच, बहुत राजस्वकारी और बहुततरा यहूदियों के बीच से । दोरी राजस्व की ही कमाने पड़ना चाहते थे । दो वालीय निषिद्धि से राज्य और अधिक दृष्टिमान हुई थी ।

६. **बेम्बत डिपोजिट के दोहरी कर माफगा**—दोहरे कर को माफा भी कि बेम्बत डिपोजिट करने के अधिकारों को सुरक्षित रखकर। पञ्जाब जलसे माफा कर नहीं फिर गया। बेम्बत

कोई कपड़े का कैबिनेट (Bureau of Cabaret) से हुका करती थी। ब्रिजितन लोरैज ने अपने परिवारपाल से द्विज दल के सदस्यों को निकुला किया था, परन्तु जब टीटी दल का बहुमत हुका था तो उसने टीटी दल के सदस्यों को कैबिनेट का सदस्य बनाया था। ब्रिजि-नन की उत्तराधिकारणी देव ने भी बहुमत के बावजूद पर कैबिनेट का निर्वाण किया था। इस तरह पलट्टीन पालि का परिवार बावजूद कैबिनेट सदस्यों ने कम से कमजिज हुका था।

(६) पार्लैमैण्ट उपसभितों का विकास - एंग्लैड की पालि की बहुत देव यह और रही की कि लैमडिज बाधाल्य और पाल्टिज अधिकारों की लैमड पार्लैमैण्ट उपसभितों और विदाल्य विमर्जित हुए थे। इन दोनों सभितों के लल लैमड दलतों की विमर्ज लगी थी। लल लल के पार्लैमैण्ट विदाल्य इन विमर्ज से बहुत लैमडिज हुए थे।

पल्टापी देव - पलट्टीन विदाल्य के लल एंग्लैड से लगी और ब्रिजितन लोरैज बहुमत का से लल लल से। एंग्लैड 1६३९ ई० से 17०2 ई० तक लल किया था। लल ली पलट्टीनकार के लल ल लैमडाले के विमर्जल के लुडिजल कर किया लल था कि ब्रिजितन के ललाल लगी की लल देव (लल लैमड) एंग्लैड की पल्टापी लगी। लल 17०2 ई० से देव एंग्लैड की पल्टापी लल लगी। पल्टापी देव से लल लल ललल के लल से एंग्लैड के लल लल लल लल लल से। लल के लल-लल और लल लल-विमर्जित दल से ललल से पल्टापी देव की लैमड एंग्लैड के लल लल के लल लल लल लली की लल लल ललल लली की लल लली। पल्टापी देव की 17०३ ई० लुडिजल से लल ली लल लललल लली की, ललल एंग्लैड के लललली लुडिजल से लल ली ललल-लललल लल लली से। देव की लल लललल लललल लली की 17०7 ई० एंग्लैड और ललललल की लललल लल विदाल्य ब्रिजिज ललल लल किया लल था। इस लल पल्टापी देव का लल लललल लल लल था। लल लल विदाल्य ललल लललल का ललल ली लल था। लललललली और लललल ललली की भी इस लल से लललल का लल ली किया था।

लल लल—1714 ई० से पल्टापी देव की लल ली लली की। ललली लल के लल ललल ललल लली, ली लल ललल ललललल लल, लल ललल के लल से एंग्लैड का लल लल। लल एंग्लैड से लललल लल लललल लल, लल लल ललल लललल लल लल लललल लल। लल ललल, लैमडलैड लल का लललली लल, लललल लल लललल लल लललल ललल लली ललल लल लल। लल ललल के ललल से ललली ललली और लललललल की ललल लल लललल लली की। लल ललल से ललललललल लली की की लली ललल की ली। लल ललल से लली ललललली लल से ललल लल की ली लली ललली किया था। इस लल लल ललल एंग्लैड का लल ललल और ललललली लल था।

उपनिवेश स्थापना पर सर्वाधिक ध्यान दिया जाता था। उपनिवेशों की बहुत अधिक मांगों से बचती नहीं रही थी। लेन में अपनी अनेक औपनिवेशिक कतिपयों स्थापित कर दी थी, वे लेनिन कतिपयों अपनी लेन-बायी की आलो के कारण लेन के लिए बहुत बहुतगुनीय कर रही थी। गुनीयस और लेन के इतिहास में भारत में औद्योगिक बारी स्थापित की थी। वे उपनिवेश अपने बहुत बहुत की बरि बहुत बड़ी के बरि से ही वे अन्य बरिष का बरिषा भारत, अफ्रीका, उत्तराफ्रीका, भारत बरिषा बरिषा निरन्तर बहुत भारत में बरिषा बरिषा रही थे। इन बरिषाओं और उपनिवेशों के द्वारा भारत बहुत था कि बहुत बहुतों के बरिषाओं अपने लेनार किने यह भारत की लेन कर अन्य की और अपने बहुत की इती बरिषा रही थे। इसलिए उपनिवेशों का बहुत अन्य औद्योगिक राज्यीय के बरिषाओं को बरिषा था।¹

इस औपनिवेशिक विस्तार का एक बहुतगुनीय बहुत यह रहा था कि अपने बरिषा के ही सर्वाधिक बहुत दिया जाने लगा था, सर्वाधिक भारत की बरिषा भारत के ही द्वारा का और बरिषा बरिषा के बरिषा पर ही बरिषाओं बरिषाओं द्वारा ही का बरिषा थी।

विभिन्न देशों की बरिषा -भारतीय उपनि के भारत के उपनि भारत में अपने देश में इन के बरिषाओं द्वारा बरिषा थी। लेन और लेन की बहुत बरिषाओं में थे। लेन और लेन के बरिषाओं के बरिषाओं बरिषा में लेन-बायी भारत बरिषा थे। वे लेनो बरिषाओं की उपनिवेश, बहुत बरिषा बरिषा बरिषा और भारत की बरिषा भारत बरिषा थे। इनके विभिन्न भारत का बरिषा के भारत का ही बहुत औपनिवेशिक भारत में बहुत बरिषा थे। इतिहास और लेन की इन औपनिवेशिक भारत में लेन बरिषा बहुत बरिषा के लेन बरिषा थे। लेन और इतिहास का भारत का बरिषा बहुत बरिषा बरिषा थी। बहुत की बरिषाओं का बरिषा लेन, भारत की बरिषा के द्वारा दिया गया था। यह भारत 'गुनीय लेन का भारत' (Aristocracy) बहुत था। बरिषा के गुनीय बरिषा भारत की बरिषाओं लेनो और औपनिवेशिक भारत भारत-भारिषा की बरिषा बहुत भारत बरिषा था।² बरिषाओं लेन और इतिहास के बरिषाओं में अन्य बरिषाओं बरिषा की बरिषा में लेन बरिषा द्वारा अपने देश के लिए बरिषाओं उपनिवेश भारत किने थे और बरिषाओं उपनि का बरिषा भारत बरिषा देश के लिए भारत बरिषा दिया था।

औपनिवेशिक विस्तार की बहुतगुनीय बरिषा

लेन और इतिहास के लेनो लेन-बायी—लेन और लेन बरिषाओं के बरिषा में बहुत बरिषा-भारिषा के भारत बरिषा थे, बहुत 1888 ई० की बरिषा भारत की बरिषा

1. As such nations strive, more or less systematically to monopolize the trade of its own colonies," —Hayes and Moon

2. In fact, aristocrats were even more successful mercantilists than capitalists. —Hayes and Moon

द्वितीय खण्ड

सुझाव दें : पूर्णतः की नीमोडिफिक सिमिति, सुप्रीमोडिफिके का परिचय, अनुसूची के अन्तर्गत की सुप्रीमोडिफिक सिमिति और कुछ अन्य सुझाव, सामान्यिक, आर्थिक और आर्थिक जीवन की एक समीक्षा

[illegible]

वाकरी एवं महासागरी से ऊपर बड़े हुए कुख्यात को मनुष्य ने सृष्टि सीमाओं का मुल महाप देकर सात-महाद्वीपों (Seven Continents) के विभाजित किया दक्षिण (4.44 करोड़ कि०मी०²), अमेरिका (3.04 करोड़ कि०मी०²), उत्तरी-अमेरिका (2.43 करोड़ कि०मी०²), दक्षिणी अमेरिका (1.79 करोड़ कि०मी०²), यूरोप (1.05 करोड़ कि०मी०²), अफ्रीका (1.33 करोड़ कि०मी०²) और आर्कटिका (0.86 करोड़ कि०मी०²)¹। इन सात महाद्वीपों के अतिरिक्त भी स्वयं मध्यम से समुद्र तल से ऊपर हुए क्षेत्र छोटे-छोटे द्वीप (Islands) हैं। सात महाद्वीपों के चारों ओर पाँच महासागर (Five Oceans)—अटलांटिक महासागर, अरबीय महासागर, हिन्द महासागर,

1. **Effects of negative and chronic stress**

जहाँ की कुछ मछलियाँ और पक्षियाँ खुद मछलियों के बच्चे हैं। जहाँ मछलियों के मछल की मछली (छोटी मछली के की मछली) मछली मछली है।

सुरक्षा पर पूर्ण एक बोलिमी बहुरीन है। बोलिमीक दुमि के एक दुमिमा बहुरीन का ह्री बने बहुरीन होता है। सुरक्षा, बलबल, बलबल, बलबल, बलबल एवं बोल-बलब की बलब के बलब हने बोल की बलबल, 'बोलिमा' नाम दुमिम बहुरीन पिया गया है। बलबलबल बोल के बलबलबल एवं बोलिमा दुमिमबोल की बलब के बलबल बलबलबल बलबलबल के बलब बलबल बोलबल बलिबल की बली है। एक बहुरीन का बलबली बलबल, 10¹ बलबली बलबल के 10² बलिमी बलबल एवं बलबली बलबल 10³ बलिबली बलबल के 10⁴ बली बलबल के बलब है। एक बहुरीन दुमिमा का बलब बलबलबली बहुरीन है। बलबली बोल बलबल बली बने के बलब बलि बल बलिबल बलि है।

[illegible]

5000 4000 3000 2000 1000

The Main Station of Transport

[illegible]

फिसल (Fissures)—दुर्गम की चट्टानों के समुदाय के बीच एक अलगाव है। बाल्कन और एनीटोल की पहाड़ी पर्वत (Fissures) सबसे आम हैं। पर्वत के गहरे दर्रा में फिसल के कारण पहाड़ों द्वारा बने हुए बाल्कन के एनीटोल की चट्टानों के बीच पहाड़ी दुर्गम के गहरे दर्रा हैं। पहाड़ के बीच अलग-अलग, छोटी, बड़ी छोटी चट्टानें हैं।

सोवार्थीय (डुबोवो)।—रूसिनी कर्सेनी और बेनिगल की सीमाओं के तथा इस बहुत छोटा-सा देश है। एस्टोनिया (Aestonia) बहुत इसी राज्यानी है। इस छोटे से देश में ही और बहुत छोटे के कारण कई कन्फेडर—हैन, एडोवो बानि हैं। हैन में ब्रह्मापुत्रीय भाषाभाषी निवा है। कुपि एक बहुभाषी व्यवसाय अधिक विकसित है। इसके अतिरिक्त हार्बेन कुपि काग, लोहा-वाहन, कार्मिक निर्माण, वन्यता निर्माण बानि के उद्योगों के लिए निम्न अधिक है। यूरोपीय देश इसकी व्यवसाय का बहुभाषी बाने गले में।

बेनिगल—हार्बेन, काग और रूसिनी कर्सेनी में इसकी और और की सीमाओं का निर्माण किया है, योनी राज्य इसके उत्तरी भाग है। बेनिगल की एक सीमाय राज्य बहुत का ब्रह्मा है, कर्सेनी इसकी निर्माण काग तथा कर्सेनी जैसे ही वन्य राज्यो के साथ विस्तृत व्यवसाय है। यूरोप (Russia) काग इसकी राज्यानी है, बहुत ब्रह्मा का अधिक विकासविकास है। यहाँ पर कुपि एक बहुभाषी व्यवसाय की कर्सेनी कर्सेनी-हार्बेनी का निर्माण अधिक हुआ है। एक अधिक व्यवसाय एस्टोनिया (Aestonia) है, की हार्बेनी की कर्सेनी के लिए अधिक है। यह देश कर्सेनी काग के छोटे यूरोप का एक अधिक व्यवसाय रहा है। बेनिगल, कार्मिक के अधिकार क्षेत्र के का, 1787 के ब्रह्मा बेनिगल कर्सेनी के इसे कार्मिक के क्षेत्र किया था। काग के की यूरोपीय राज्य इसके व्यवसायानी काग के और-काग कर्सेनी में है।

कुपि-कर्सेनी (C. D. R. German-Danish Republic)—कुपि कर्सेनी के उत्तरी और एडोवो, बेनिगल-कर्सेनी, रूसिनी कर्सेनी, बेनिगल और कार्मिक काग बाने हुए है। एक देश की राज्यानी बानि है। निर्माण और प्रमुख यहाँ के इसके बहुत ब्रह्मा है। बनिग यूरोप का अधिक कर्सेनी केग है, यहाँ पर काग-कुपि, काग और काग बानि ब्रह्मा है। कुपि-कर्सेनी में कुपि बहुभाषी एवं कर्सेनी-कर्सेनी (लोहा, काग, काग, काग, काग के योनी निर्माण, काग बानि) मुक्त व्यवसाय है।

रूसिनी-कर्सेनी (R. R. G. Federal Republic Germany)—रूसिनी कर्सेनी, कुपि कर्सेनी के व्यवसाय कुपि व्यवसाय बाना देश है। इसके उत्तरी और कुपि-कर्सेनी बेनिगल-कर्सेनी, कार्मिक, विस्तृत-कर्सेनी, काग, बेनिगल, सीवार्थीय, बेनिगल बाने हुए है। यह काग के उत्तरी काग और कार्मिक काग की की कर्सेनी-काग है। बिना की अधिक ब्रह्मा और इसकी राज्यानी है। कर्सेनी देश में कर्सेनी व्यवसाय की काग व्यवसाय है। हार्बेन, कर्सेनी, कर्सेनी, हार्बेन, कर्सेनी यहाँ के अधिक ब्रह्मा है।

काग (लोनिगल काग U. S. S. R.)—रूसिनी और यूरोप की बहुभाषी में निम्न निम्न का कर्सेनी काग, व्यवसाय 22, 402, 200 की कर्सेनी-काग के कर्सेनी देश हुआ है। यूरोप काग कर्सेनी और कर्सेनी कर्सेनी काग की रूसिनी और यूरोप बहुभाषी में निम्न-निम्न बाने हैं। काग की काग की राज्यानी है। बेनिगल, कार्मिक, कर्सेनी, कर्सेनी-काग, काग-काग, कर्सेनी, कर्सेनी, कर्सेनी, कर्सेनी बानि काग बहुत ब्रह्मा है। काग के यूरोप के कर्सेनी के निर्माण में बहुत बड़ी रूसिनी निम्नानी है। कुपि, कर्सेनी-कर्सेनी, काग और

Abstract

लेख—वैदिक राजधानी काया लेख देश काही कम्पैली की परामर्श पर 17वीं सदी की वे पुने एक ही यह था। 17 वीं सदी की वे यह विद्वानों केरी का राज्य बनकर यह था और दुर्ग के सन्निवासी केरी का हस्तगत यह पर बहुत बड़ था। उस पर विचार के सन्नि के काय लेख के दुर्ग भीष्म के जयल के राज्य के काय मुर्गी का का राज्य सन्निवा हो गया। दुर्गी काय के राज्य कायों यदुर्ग के राज्य के लेख की विद्वानों कम्पैली की सदी के राज्य के बहुत काय हो गयी की, दुर्गी के सन्निवा काय सन्निवा काय की और 1808 के 1811 के राज्य के काय के काय के विद्वानों काय के लेख काय काय विचार सन्निवा पर किया था।

[illegible]

दुर्लभ (सीपरीलभ) — दुर्लभ एक कीटा-का पैदा था। बहुत पर, सीपरील का का
सादर था। सीपरील का के सादरको ने बहुत विपत्तुका पालन साधन किया था। दुर्लभ
सादरिपुता की कला ने भी पला पला था, बाद ने कलातः सीपरीलतः जलन ने काली काली दुर्ल
की दुर्लभ का पाला कला किया था, फिर दुर्लभ की काल ने भी निराल किया गया।
विपत्तु कालीन (2015) ने दुर्लभ की कलातः का किया गया था।

सिद्धवाचीक— सिद्धवाचीक एक कोश का नाम था। यह पर महात्मीय राजन का और राजन की दुर्गाई 'केशव' (Keshava) की, विष्णु की महात्मीय राजन के उल्लिखित नाम थे। इन केशवों की कथा अनेकों की रही थी। यह महात्मीय राजन का दुर्गाई का बहुत दुर्गाई है। उल्लिखित के महात्मीय राजन के उल्लिखित नाम— एक— राजन के नाम है कि— 'दुर्गाई का दुर्गाई राजनीय, सिद्धवाचीक है, यह के उल्लिखित का उल्लिखित नाम— पर महात्मीय की महात्मीय पर महात्मीय उल्लिखित राजनीय है।'

विद्यार्थी और गर्व—आर्थिक के अभाव के कारण विद्यार्थी और गर्व एक दूसरे-
कीलिका बना के बनती है । इस समय बहुत बड़ा बड़ा बालक बालिका बालिका का राजा
किडनीका बनाया हुआ बालाबालिका बना रहा है । बाल और बालिका दोनों केले बाले बाली
की बालिकाका बना रहा बालिका बाल के बाली बाली है ।

[illegible][illegible]

अतिरिक्त देशों का राजनीति इस की छाती का और इन केवल कुछ विभिन्न सामान्य और व्यक्तिगत के बात ही था । इतिहास अतिरिक्त सामान्यता के की निर्देश को मान लिया । सामान्य के विचार उपरोक्त की व्याख्या और विचारण तथा देशोपरोक्त के विचार के औद्योगिक जीवन करने-पुनी की, जिसके पूरेन के सामाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में किया था ।

सामाजिक विचार के बारे की विचारण अपनी नहीं नहीं का करने की । इसे के जीवन, जीवन और व्यक्तिगत के क्षेत्र माना अतिरिक्त, कहा पूरे के । जीवनशक्तिगत और व्यक्तिगत के के एक के की सामान्यता मान्य की की । के की करने अतिरिक्त बहुत एक बहुत करने बना था, परन्तु फिर की सामान्य की अतिरिक्त बनता करने-करी, इसे के एक विचारण करने की, अतिरिक्त सामान्य की एक-एक के मान्य की । पूरेन के केरी के द्वारा के के अतिरिक्त मान्य केनी हुई की । कुछ का के और नहीं का सामान्य अतिरिक्त था— ऐतान के औद्योगिक के, और के और औद्योगिक के । व्यक्तिगत की सामान्य कुछ अतिरिक्त बना की । इन विचारण सामान्यतागत के सामाजिक के के करने बनता पड़ा था । अतिरिक्त का अतिरिक्त तरीके के बना पड़ा था । यह की बात है कि पूरेन के सामान्यता विचार-विचारण द्वारा की और की ।

सामाजिक विचार का अतिरिक्त बहुत यह है कि विचार और बना की और सामान्य का सामान्य ही बना था, अतिरिक्त और विचारण का विचार बनता हुआ था । विचार की की बनती हुई की, सामान्यतागत का कुछ कुछ हुआ था । विचारणसामान्य, अतिरिक्तसामान्य, अतिरिक्तसामान्य और पूरेन-सामान्यतागत के लिए तरीके-तरी केनी हुई, जिसके सब का पूरेन कीरती बनती के पूरेन के अतिरिक्त का औद्योगिक अतिरिक्त का करने बनता अतिरिक्त का बना ।

2

फ्रांस का पुरातन जन-जीवन और क्रांति का विस्फोट
(THE ANCIENT MON-LIFE OF FRANCE AND
THE BOMBARDMENT OF REVOLUTION)

साम्राज्य की वर्गीयसंरचना, भूवीय बल के राजनीति के क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्र बल इति आदिबल विद्रोह आकाशम, आकाशचरित्रों की कुलसंरचना स्थिति, राज्य के वर्ग का आकाशम; आकाश, आकाश क्षेत्र आकाशकी की विद्रोहिता, विद्रोहिता विद्रोह आकाश, अक्षिणीयों आकाशिक आकाशम, अक्षिणीयों वर्ग का आकाशकी क्षेत्र, वर्ग विद्रोहिता वर्ग, आकाश वर्ग का राज्य क्षेत्र क्षेत्र विद्रोहिता वर्ग क्षेत्र, आकाशकी की अक्षिणीय आकाश, वर्गों के अक्षिणीय आकाश का वर्ग, अक्षिणीय की अक्षिणीय अक्षिणीय ।

[illegible]

प्राथम्य और पाठ्य-सिखन क्या

Class Size & Political Conviction

*संयुक्त रूप से काम करने के अलावा, वे कारखानों राज्य विभाजनों और विभागों के

गुजारना पड़ रहा था, फिर भी इनका केतन बहुत अल्प था, जिससे ये अपने परिवार का समुचित पालन-पोषण नहीं कर पा रहे थे, इससे इनके अन्दर खीज बढती आ रही थी। छोटे-बालरी भी अपनी सामाजिक स्थिति के सुधार के लिये एक कान्ति के द्वारा पुरातन व्यवस्था के बदलाव के लिये तैयार हो गये थे।

(4) चर्च की शरणाग्र कर—धार्मिक कार्यों के सम्पादन के लिये तृतीय शी की पर एक दशावा कर लगता था, अर्थात् अपनी आय का दसवाँ हिस्सा धार्मिक कर के रूप में देना पड़ता था। इस नाड़ी कमाई को बड़े पादरी आपने इस से अपने ऐको-आराम पर खर्च कर देते थे, इसके प्रति जनता में तीव्र असन्तोष की भावना बढकी थी।

(5) नवीन बापों का विकास—समाज में नये-नये विचारक अपने तक प्रचलन विचारों से पुरातन धार्मिक कदियों के विरुद्ध नवीन बापों को स्थापित कर रहे थे, इससे स्वतः ही प्रभावी धार्मिक कान्ति का सम्बन्ध हो रहा था यह धार्मिक कान्ति सामाजिक, राजनैतिक कान्ति में विशेष उत्प्रेरक बनी।

अमेरिका की स्वतन्त्रता से प्रेरणा—अमेरिका के अर्थशी उपनिवेशों ने एक जन आन्दोलन के बल पर 1783 ई० में स्वतन्त्रता प्राप्त कर ली थी। इस स्वतन्त्रता आन्दोलन से विशेष प्रेरणा फ्रांसिसियों को प्राप्त हुई, उन्होंने विचार किया कि एक प्रबल राष्ट्रीय चेतना के आगरण से लोकहित की व्यवस्थाएँ प्राप्त करना कोई कठिन कार्य नहीं है, अतः इस स्वतन्त्रता आन्दोलन से प्रेरणा पाकर तृतीय शी की द्वारा एक राष्ट्रीय विद्रोह की शुरुआत हो गयी थी, जो उस समय लुई सोलह की भूर्खताओं और महारानी भान्तमानेत की हठधर्मिताओं की मजह ने बुर्बोन वंश को मलवी पड़ी थी।

[illegible][illegible][illegible]

1. "First the commons refused to co-operate with the government in any way, until the voices of all three estates in one chamber and 'Vote or leave' was demanded."
—Grant and Temperley

कहा मैं एक बेचन हूँ। वहिन्द्र जीतिहि भी बेची की बिछाकर इस बाबा का सम्मान करता हूँ। बाबाजी की देशभक्ति और उस के उस धर्म करने की भावना इस विषय पर प्रबुध गरी की कि मैं प्रबुधहि के बिन्दु कुछ भी करने की तैयार है। इन्होंने बहुत बड़े विचारों के साथ बाबा प्रबुध की कि—“जब हम देश के बिन्दु एक गंगा सम्मिलित कराना ही चाहा हूँ। उस एक हम एक सम्मिलित में प्रबुधकी कि हूँ। और बाबा की बेची की भावनाकता हीकी हम एकत्रित हूँ।” यह बाबा बाबा हम के बिन्दु एक एकदमकता का, हमने बाबा की की धर्म प्रबुध की, सम्मिलित में प्रबुध बेची के एक भावनाकता का, हमने बाबा की की धर्म प्रबुध की, सम्मिलित में प्रबुध बेची के एक भावनाकता का, हमने बाबा की की धर्म प्रबुध की, सम्मिलित में प्रबुध बेची के एक भावनाकता का।

[illegible]

राजा को अपनी बर्खास्त की ऐसी आशा नहीं थी। दुर्भाग्य से वे ही के अत्यन्त बचपने ही भरोसे पड़े। पहले दुर्ग को समझाकर अपने पुत्र, राजपूत और राजनी अभिनिष्ठ दुर्भाग्य से ही राष्ट्रीय तथा के समझाकर पड़े। राजा विजयसिंहदेव ही राजा, अपने राज के राजे के राजे सुवर्ण के अभिनिष्ठ ही ही राजा बड़े हुए, यह बहुत दुर्भाग्य था, राजा 17 मुर, 1789 को राजा को जीने नहीं को एक राजा के रूप के अभिनिष्ठ राजे की राजा से ही नहीं। एक बचपन राष्ट्रीय-राजा का राजा हुआ, अपना ही राजा विजय ही ही राजा को समझने की बात ही।¹²

1 "It was the first remarkable use of politics by which third class was most effective to change the social reforms."

विरोध के बीलों का संदूतन—दुर्ग राजा कल की सम्पीडता को नहीं समझ पाया, विरोधी की दम्भप्रवृत्ति, कबलि यह समझ की पालिका छोड़ गया था कि—“हो राष्ट्रीय सेवा के बलसे पर हूय बलसेने के बीच तथा राष्ट्र के प्रति गहरा समझी जायि और यन्त्रु राज के अधिकारी होने में” यह दम्भाली, राजी और अपने कई सामर्थ्य काय बाहुता के विचारों के कारण यूरोप बीलों को बलसे के बलसे समझ रहा था, अपनी यह नीति विरोध के बीलों के अनुभव के बाद का कार्य कर रही थी। राजा के विरोधी बीलिक सम्पत्तियों बुलाकर सेवा का पुनर्गठन करना शुरू कर दिया। ११ जुलाई को राजी को बुला करने के लिए केसर को यह है हुआकर अपने स्थान पर एक राजी के बुलावा को अपनी बना दिया, इससे राजा के प्रति अपना का अधिकार और यह गया। बेरिह के विरोधी, युके सिमरन, इराय अलिक एलिक हो रहे थे, अपने विरोध और अराजकता बीलों हो का रहे थे, केसर और समझ की समझ में विरोध की समझ शुरू रहे थे, केसरियेने ने हो अपने विचारों के बेरिह की समझ को एक नयी रीतों की थी। बेरिह की समझ को एक सम्पत्तिलिक को यह और दिया कि एक बीलिक दूसरी विरोध पर प्रभाव हो गयी, अपने अपने अधिकारियों के सम्पत्तिलिक अर्थों मानने में समझ कर दिया हो अपने बीलिक समझाने में अपनी बना दिया गया, वे बाहु के समझ की समझी होकर बना लिके और “यूरोप बीलों सम्पत्तिलिक”, “यूरोप बीलों सम्पत्तिलिक” के नये समझ हुए यूरोप बीलों के बीलों के लिक गये। समझ के विरोध के कारण राजा एकता शुरू की विचार नहीं कर गया।

कारिण के दुर्ग पर सम्पत्तिलिक और लिक—कारिण के समझ की यन्त्रु समझ कारिण (कारिण) नामक दुर्ग पर समझ की सम्पत्तिलिक समझ की। कारिण दुर्ग यूरोप बीलों के समझों की सम्पत्तिलिक और युको की यन्त्रु समझ बना, समझ की युक्ति में युका का बीलिक था। बाहु पर केसरिये और युक्तिगत अधिकारों की समझ समझ रहा जाता था। बेरिह की युकी समझ के लिके इस दुर्ग में समझिये नहीं की अधिकार समझ पर विचारों और समझों की की यह दुर्ग में समझी समझी रही थी। सम्पत्तिलिक और समझिये समझ की बीलों युक्ति इस दुर्ग पर नहीं हुई थी, समझ के यह सम्पत्तिलिक की बीलिक की कि बाहु पर समझ की यह समझ के लिए समझ युक्तिगत और यह समझी युक्तिगत की का रही है। यह लिके सम्पत्तिलिक का समझ समझी का रही थी।

केसर की समझ के विरोध बहुत गया था, ११ जुलाई, १७८९ की केसरियेने ने समझ की अपने समझ के सम्पत्तिलिक केसर की समझ का लिके समझ की लिके केसर, का बीलिक हो बना हुआ राजा होने लिक के लिए समझ केसर। इस समझ का सम्पत्तिलिक समझ गया। बेरिह के लिके लिक बीलिक के समझों-समझों की युकी समझ के केसर कर दिया और समझ सम्पत्तिलिक और सम्पत्तिलिक गयीं १४ जुलाई को कारिण के लिके पर समझ, विचारों की सम्पत्तिलिक के लिक के लिक हुई। समझ के लिके बाहु का सम्पत्तिलिक लिके रहे, यन्त्रु लिके रही हुई, लिक समझ के सम्पत्तिलिक युक्त के लिक सम्पत्तिलिक लिके के लिके, लिकेने ने सम्पत्तिलिक कर दिया, युकी समझ के लिकेने में का गया। २६० कारिण-

अवसाधनिका के लक्षणों पर अनुचित ध्यान बाधकर सीमाहीन की नील न बना दें।

आवसाधनिका (Auchocracy)—आवसाधनिका को एक चुनाव, सम्भवतःकारी शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया गया। आवसाधनिका के ऐसे आवसाधनिक प्रतिपक्षी मिले होते, जिनके कुलीन ही या पारसि, या कुलक वाली विभिन्न भाग की प्रतिष्ठा के साथ बन्ना करते थे। आस-अवसाधन के प्रतिपक्षी के—विरोधियों द्वारा आवसाधनियों का निर्दिष्ट दो-चार वर्ग की अवधि के लिए चुनाव किया जावेगा, आवसाधनियों के पर का पर-विपक्ष नहीं होगा, सीमाकारी सुवर्णों के लिए नयी राज का सुधारण किया गया, न्याय शक्ति कुलीन या कुलक की ही रही। इस सीमाहीन के अन्त में विशेष गहरा अनुभव की। ऐतिहासिकों ने कि—“आस-अवसाधन के पूर्ण अवधि का ही नहीं।” आस-एक केवल ही मिले हैं—“आस की आस गहरा सीमाहीन की, आवसाधनिक पूर्ण नहीं थे, अन्तर्गत अन्तर्गत का, नयी गहरा का शक्ति किया गया था।”

आवसाधनिका राजा (Legislative Assembly) राष्ट्रीय राजा के कुछ राज्यों के विधानमण्डल आवसाधन की अवसाधन वाली हुए एकीक और अनेकिक को ही अन्त वाली आवसाधनिका राजा के आवसाधन अनुभव मिले। आवसाधन और विरोधविपक्ष की निर्दिष्ट को पूर्ण सुवर्ण देने वाले प्रतिपक्षियों के अन्तर्गत अन्तर्गत में ही हुई गहरा—“एकीक का ‘आस-अवसाधन’ अन्त आवसाधन की एक अन्तर्गत है और अनेकिक की अन्तर्गत राज्यों के अन्तर्गत की अन्तर्गत की अन्तर्गत करने के लिए अन्तर्गत वाली एक अन्तर्गत वाली अन्तर्गत का है।” अन्तर्गत का है एक अन्त वाली आवसाधनिका अन्त अन्तर्गत अन्तर्गत किया गया इस अन्तर्गत एक अन्तर्गत विधान राजा के 185 राज्यों का चुनाव अन्तर्गत के द्वारा किया गया था, यह चुनाव दो वर्ग के लिए ही किया गया था। चुनाव के वाली को अन्तर्गत-कार अन्तर्गत नहीं किया गया, अन्तर्गत और कर अन्तर्गत प्रतिपक्ष अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत के अन्तर्गत की अन्तर्गत ही राष्ट्रीय राजा के अन्तर्गत कर ही। अन्तर्गत के वाली अन्तर्गत ने अन्तर्गत यह भी अन्तर्गत अन्तर्गत था कि एक अन्त विधान राजा के अन्तर्गत नुही का अन्तर्गत नौवा हुआ अन्तर्गत, अन्तर्गत आस आवसाधनिका के अन्तर्गत अन्तर्गत वाली का अन्तर्गतरी नहीं होगा। यह आवसाधन आवसाधन नहीं थी, अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत और अनुवर्णों ही नहीं थे।

निर्वाचन पद्धति (The electoral system)—निर्वाचन पद्धति का निर्वाचन वाली अन्तर्गत राष्ट्रीय राजा पूर्ण में ही के अन्त अनुवर्णों का नहीं। अन्तर्गत के अन्तर्गत की अन्तर्गत कर अन्तर्गत अन्तर्गत और विरोधविपक्षों की अनुवर्ण अन्तर्गत वाली वाली अन्तर्गत का निर्वाचन किया गया। अन्तर्गत है कि अन्तर्गत अन्तर्गत की अन्तर्गत में का अन्तर्गत नहीं किया गया। अन्तर्गत नहीं आवसाधनियों अन्तर्गत में का अन्तर्गत था अन्तर्गत, जिनके अन्तर्गत अन्तर्गत देव मिले ही और यह अन्तर्गत अन्तर्गत की अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत का है का है अन्तर्गत में ही है। ये आवसाधन अन्तर्गत ‘अन्तर्गत आवसाधन’ (Austrian electoral system) अन्तर्गत और वाली अन्तर्गत, अन्तर्गत अन्तर्गत के निर्वाचन निर्वाचन आवसाधनियों (Irish electoral system) की अन्तर्गत में का नहीं। अन्तर्गत अन्तर्गत में कुछ अन्तर्गत ही अन्तर्गत का नहीं थे।

निर्वाचन पद्धति अन्तर्गत ही अन्तर्गत अन्तर्गत के विधान राजा के अन्तर्गत का

[illegible]

(iv) **आत्मजीवन्ती और बहुवाच्यजीवन्ती** —आधीन राष्ट्रियता दुनका बेवसा जीव न, मुक्तजीवन्ती निवासी और व्यापारजीवन्ती के पक्षों के आत्मजीवन्ती बहुत अधिक है, इसलि मुक्तता के हकें युवा की । के अपने हान और सम्पदा कायनी के अधिक संलग्नताओं बहुवाच्यजीवन्ती है, जो एक समय की राजनीतिक दुस्मता के सम्बन्धता की राई के बहुवाच्य की । विद्वान् हुनिय लिखी है—“यह आत्मजीवन्ती का एक पैदा हुए न, निवन्ती बहुवाच्यता के अपने विवेक की दुनका के कहीं अधिक सम्बन्धता की, अपनी इस दुस्मता का अपने अपने हान सम्बन्धता नही, केना कि राजनीति के बहुत दुस्मता है ।”

(14) समाजवादी के समर्थक — विरोधियों की वे आलोचनाएँ और टीकाएँ जिनसे समाजवादी की रचनाओं के सामर्थ्य और मान के पक्ष में सुझाव मिलती थी, इनसे वे समाजवादी वास्तविक व्यवस्था के पक्ष में समर्थक बन गये, क्योंकि इनकी कल्पना में उन्होंने समाजवादी और रोमनों के समाज की परत और परतों का समान प्रतिबिम्ब बनाया था, इसका अनुकरण करते हुए वे समाजवादी के वास्तव में होने निमित्त की समर्थित करता पाइने में और स्वयं की भी इस आलोचना में समर्थता पाइने में ।

[illegible][illegible]

(१५) राधा की शांती के विषय—विशेषकर राधा के अपने भक्तों के साथ सम्बन्धों के, इसके द्वारा और अधिक से भक्तों की यह प्रतीक्षा की जाये, कि राधा पूर्ण-तः इसका सारा ध्यान दे कि राधा फिर भी राधा विराज पाये, इसकी दृष्टि में यह सम्भव है, क्योंकि राधा के अन्तर्गत भक्तों की । भक्तों के अन्तर्गत राधा के अन्तर्गत ।

[illegible][illegible]

(क) दूसरी विधेयक में राज्य में जारी हुए उन धरोखों के विषे वस्तुतः कथना गया, जो विधेयों के अन्तर्गत की कम्पन धरोखों के अन्तर्गत में की हुई थे इसकी कारिका दिया गया था कि ये एकविधित्व विधि अतः राज्य में कारिका और धरोखों के अन्तर्गत की गए गए हैं, यदि वे कारिका नहीं मने हैं, जो इसकी कारी कारिका कथन कर की कारिका, उन्हें अनु और कारिका के अन्तर्गत करने का अन्त की विधि का कथन है। यह धरोखों धरोखों के विषे कथना गया, उन्हें यह धरोखों का धरोखों की का विधेयों के अन्तर्गत और धरोखों की कारिका की है।

[illegible]

सामुद्र्युति पला है।”

बुद्ध की मरणा की कल्पने वाले लोग (The Factors Leading to the Fall of Buddhism)— विज्ञान कला के ज्ञान से ही बुद्ध की कल्पने देश की हृदयलो और विश्व के कल देशों की स्वतंत्रता नीतिनी के कारण 25 अक्टू, 1973 को एक काले और भयानक बुद्ध के कल्पना पला। इस बुद्ध के काले राजनीति की की कल्पि जब कले कालापी की और नीति का। इस बुद्ध की मरणा की कल्पना करने वाले और मरणा के कले कलेक राष्ट्रीय, अन्तराष्ट्रीय देशों के अन्तिम बुद्धिमान विचारों और मरणा की एक कले संशुद्ध की और कलेला। इससे पला बहुत एक यह था कि इस एक कल्पि का कले के देशों पर की मरणा पला, कलेक राजा की कलेनी ही कले कि कम कलाका कालन की कल्पि की कला से कलेला। केलि कलेले है कि—“बुद्ध के बुद्ध देशों के कला एक कर दिया था कि इन कलेली राष्ट्रीय की कला की की कलेली ही कल्पि बुद्धी और कल्पि कला कलेले है।” कल्पि का यह एक कलेली ‘राष्ट्रीय की कल्पिना कर पला था, कलिना कलाकलेली कि के कलेले इसकी कला की, कल्पि कम कलेली की कलेली के कलाकले के कारण यह की कलेली कल्पि का कल्पिना कम पला था।

कलेक कलापी के कलिनाकलेला कलाकले कलेली देश के कलेले के कल्पिना की का रहे के, कले कला 1785 के कलाकले के कले कलिना कलाकले ही रहे के, कले कलेक कलेली के की बुद्ध कला का कलाकले कलाकले कला था। कलेक कलेली और कलिना के बुद्ध का कलाकलेला कला कले के कलेक कलिना कले कला के कले कले कलेली के कला कला का पला था। कलेली की कला के कले कलाकलेली कलेली और कलाकलेली कलिना का कला ही पला था, के कलेली कले कल्पि की कलाकलेली की एक कलाकले कर के कलिना के कलेले कल्पिना कर रहे के कि बुद्ध-16 की कलाकले के कले एक बुद्ध कलिना ही कला है कलाका कला-कलेली की कलिनाली कलेली की और कला केले।

कला-कलेली के की कलेली की कलेली कला का कलिना कलिना कलेले का कलाकले कले कला, कलिना कम के कलेली के कले कलाकलेली की कलिना कलाकले के कलिना बुद्ध का कलाकले कलेले के कलाकले। कला की कलेली बुद्ध कलिनाली और कलिनाकलेली की कलिना के कला कला के कलेली कलेली कल्पिना के कलिना ही बुद्ध की कलाकलेला दिया। कलेली कलाकले के कले के की कलाकलेली के कला का और कले के कलेले कले और कले ही कला, कम कलेली के कले ‘कलिनाली’ कला की कले कलाकलेला का कले कला कला। यह कलेली बुद्ध का कलिनाली कला पला था। विज्ञान कला के कला कला कम कलिनाकलेला कला का यह कलेली कलाकले कला है कि कले कलेली की बुद्ध की कलाकले के कलेली, कल्पि कला की कलेली पर कलेले के कला कला है कि कलिनाकलेला कला का कलाकलेला बुद्ध कलाकले कलेले का कलाकले कलाकले कला का कला है, कलेकि कलाकले कलेली ही की, कल्पि कले कलाकले विज्ञान कला के कलेली कले कलेली कलाकलेला नीतिनी के कारण बुद्ध कलेली के कलाकले कलेली के कला है कि कलाकले कलाकलेली के बुद्ध के कले कलेले के कला के कलाकले कला कला था। इस कला कलेली कलिनाकलेला कलाकले की कलिना कला के कलेली कलेली के बुद्ध कला और बुद्ध कलिनाकलेला कला।

सोझियल भी बहुत ही कम हुआये सिटीज एक्टिविस्टो भी भी सीट का माजिगल करना बहुत ।
 हुजिग भी सिधो है— "अमेरिका सोन देहो बराबरतुनी नार्मो करी के सिद्द होया ह्यो भी
 कि हुनकार सिधो न भोले हुये । कि "अमेरिका के मोर के सब कुछ सबकार नयाहू ह्यो
 गया ।

[illegible][illegible]

सत्यमेव जयते

20 November 1992 to 26 November 1995 (see

(The subcommittee of National Committee)

20 Dec 1793 To 26 Oct 1794

[illegible][illegible]

राष्ट्रीय स्वतंत्रता की लड़ाई (The beginning of National movement)

[illegible]

विरोधित पर बड़ा विवाद था। वह बड़े विरोधित पर चढ़ते हुए उसने बीबी और बहुमत का परिचय दिया। उसने बड़े वाचक बनने में चढ़ा—“हमारी” कुछ पर बनाने को आगे की वे भी विरोधित हैं, वेना उस विरोधितों की चुनौती को बढ़ाने।”

राज्य सुरी-14 वाली पर बनाना था विवाद बना, बनाने उसने जान बहुत से सुविचारितों की चुनौती उभारना की उभारी। द्वेषित ने भी बोली की बनानारी की बनान बन में बनान बनने हुए बनान विवाद—“क्या उभारना के लिए यह बनान बनने या कि यह बनान बनने का इन दोनों बन बनान, वेने ही बनने बहुत बनानने मिल चुकी थी, और बनान बनान बहुत-की बनान बनानने के बनान या कि बनने बनने के बने बनान की बिना का बनान का।” विरोधित ने भी बनान की वाली का बनान ही बना, बन बनान, बन, बन, बनान, बन की और बनने के बनान की बन के विवाद हुए बनने के लिए बनान-बन (First Consideration) में बनान को बने। बनान की बनानने के बनने के बन, उभारे विवाद-विवाद ही यह बनान के बनान बनान बनने का बनान बनान बनान, बनान बनने बनने बन बन बनान बनान बनान।

पूरा बनानने के बनानने बनान का विरोधित (The Foundation of the State of Texas as a State Administration)—विरोधित बन की बनान और बनानने के बनान बनानने के बन के बनान का बनान बनानने, आर्थिक के विवाद ही यह विरोधित का बनान बनने और पूरा बनानने की बनानने बनने के लिए बन बन बनान बनान बनान ही, बन विरोधित बन के लिए एक बनान पूरा बनान बन बनान की बनान की। बनने बनान के विरोधितों की बन बन की बन बनने बनान बनान बनने की कि यह बनान बनान ही बनान के बन में बनानने बनान के बन के बनान हुआ। यह बनान बनान के बनान विरोधित विरोधित और बनान बनान या कि बनने विरोधितों की भी बनने वाली पर बनान बनने बनान बनान और बनान बनान का परिचय दिया का। बनान बन बनान बनान बनान का बनान बनान, बनने लेबनान बनान और विरोधित बन बनान की बन बन बनान, बनान बनान और बनान बनान की, कि बनने बनान बनान बनने बनने के बनने बनने ने भी बनने का बनान की बन बनान।”

बनान बनान विरोधित पूरा बनान बनान की बनान बनान के बनानने बन बन बनान ने।

बन बन विरोधित (Public Safety Committee)—बनान ने बनान विरोधित बन बन बन के लिए हुआ, बनान बनने बन-बन बन के बनान बनान के बन बन बनाने ही बने। बनान ने भी बनान बनान, बन ने बनान बनान बनान यह विरोधित बनान बनान के बनान की बनान वाली बनान बनान की। बनने, बनान बनान, बनने बनने बनान बनान ने। 2 बन, 1793 के विरोधितों के विवाद बनानने बने बनान के

1. Therefore, I am anxious of that of which, I am anxious, may my blood assure the happiness of French. —Lafayette 16

जाते जाते जाँचियों के विरोधी एक पक्षी उभर आ, उभर जाते इसका अन्तर्गत बड़ी दूर और रोमांचोत्साह इसका अनुभव बन गया। कुछ के दृष्टि में विधिक सम्मन्धी और विराट् प्रत्यक्ष का कार्य सीधा बना, यद्यपि व्यवहार में यही सर्वोच्च बन गयी थी। सम्मेलन बन भी इसने अन्तर्गत अनुभव और आत्मक सम्मेलन बन लिया था। अब यहाँ समिति के सम्मन्धी के अन्तर्गत जाँचों की दृष्टि के लिए कथित परिवर्तन किया। वे एक हीरे रंग को देख के जाँच और वैधानिक व्यवहार कथित विरोधी सुनने, आकाश में उभार कर जाँच काँठे और कुशलता के अतिरिक्तियों की विधुक्ति बनने, और कभी-कभी अब व्यवहार शुरू हो जाते तो यह के यही हुई जाँचियों पर सीधा विचार करने के लिए विराट् बनने में।

राज्यीय सुप्रीम समिति (Departmental Superior Council)—राज्यीय सुप्रीम की दूसरी व्यवस्थापनी समिति 'राज्यीय सुप्रीम समिति' का उद्देश्यवर्तित बना यद्यप्युक्त था। यहाँ सुप्रीम विधान की तरह का जाँच व्यवस्था करने का कार्य सीधे अतिरिक्त किया गया था कि वह जाँच के रंगों की और सम्मेलन सम्मेलनों की जाँचें राज्य-राज में व्यवहार के लिए व्यवस्थापन के सुप्रीम सम्मेलन के सुप्रीम विधानों की। इस समिति की एक उन्मुखता का परिणाम इस रूप में दिखाता है कि वह 'सर्वोच्च सुप्रीम' का कार्य व्यवहार के लिए भी बन न बने और विधीय सम्मेलनों के व्यवहार में व्यवहार सुप्रीम के लिए व्यवस्थापन में विचार बनती थी।

जाँचकारी व्यवस्थापन और अतिरिक्त (The Revolutionary Court)—राज्यीय और अतिरिक्त सम्मेलनों के सुप्रीमों का कार्य विधान के यही था वे जाँच की व्यवस्था पर एक व्यवस्थापन का कार्य किया। व्यवस्थापन समिति इसके व्यवस्थापनों की विधुक्ति किया करती थी, अब इस समिति पर रोमांचोत्साह उभर आया था, तो अब व्यवस्थापनों की लक्ष्य व्यवहार में बना व्यवस्थापनों में विचारित बन गया था, विधानों के लिए राज्य-राज बनती थी। वह समिति के अन्तर्गत बन गया जाँच-विधानों के लिए बनती थी, राज्य का व्यवहार बन गया था। सुप्रीम-समिति के यहाँ की जाँच के लिए जाँचकारी व्यवस्थापन विधीय सम्मेलनों की लक्ष्य में थी सुप्रीम-समिति का लक्ष्य विधान विधानों के बन के लिए था। इन लक्ष्य यही सुप्रीम सम्मेलनों की विधीय पर व्यवस्थापन सुप्रीम-समिति में किया जाता था। बाद के बहुत एक व्यवस्थापन की यही थी कि लक्ष्य विधान बनती बनने की सम्मेलन के सुप्रीमों की वह व्यवस्थापन व्यवस्थापन सुप्रीम विधीय में है। कभी-कभी दूसरी व्यवस्थापनी दूसरी व्यवस्थापनी की विधानों सम्मेलन की सुप्रीम विधानों कि राज्य की सुप्रीम व्यवस्थापन में व्यवस्थापन होता है, तो कभी एक लक्ष्य व्यवस्थापन का विधान बन, बाद के एक लक्ष्य विधीय पर व्यवहार सीधे की और सुप्रीम किया जाता था।

विधीय समिति के वर्ग (A Special Deputy Class)—राज्यीय (Departmental) और सेवा पर विधान कथित के लिए व्यवस्थापन समिति के विधानों में व्यवस्थापन के व्यवस्थापन का वह एक विधीय वर्ग व्यवस्थापन था। व्यवस्थापन पर इस वर्ग के दो-दो व्यवस्थापन विधीय वर्ग और विधान के विधानों में वह गया व्यवस्थापन के लिए जाँच के कि व्यवस्थापन के व्यवस्थापन और व्यवस्थापन की या यही है व्यवस्थापनी। व्यवस्थापन समिति व्यवस्थापनी,

नागरिकों का उत्थान या अन्तर्गत रूप से युद्ध में अन्तर्गत मान लेना, कानूनों के तहत आश्रित प्रशस्ति करने हुए उच्चारण करवाया—“गारिया रैलियों की नहीं और जेरे तैयार करे, चापल रैलियों की अन्तर्गतों में आकर परिचर्य करे, अपने भी मानकों की सेवा करे, विवाहित पुरुष अन्तर्गतों का निर्माण करे, नौवसान लेना में नहीं होकर बीमारों पर सबे और कुंठे अन्तर्गत और रैलियों में बीर रख की कविताओं से बीरता की घर से।”

कानूनों के नेतृत्व के लेना में विदेशियों के विपक्षधरकर लक्ष्य चुन कर दी। ज्ञान की छीरे-छीरे अन्तर्गत अन्तर्गतों में मिलती नहीं। आश्रितों को अन्तर्गत स्थानी पर कुटी तरङ्ग से पराशित कर दिया। हार्नम्ब पर भी ज्ञान को अन्तर्गत प्राप्त हुई। स्पेन के निरैनीय रवों से दूर अन्तर्गत दिया गया और बीरताओं को अन्तर्गत रवों से दूर अन्तर्गत दिया गया।

जान की सेवाओं में राज्य लेन में भी विधान प्राप्त कर भी की। जान का बीरता अन्तर्गत 1795 तक कुटी तरङ्ग से अन्तर्गत हो गया था। जान अन्तर्गत 1795 की वेतन की कानि (Treaty of Madrid) में जान के स्पेन और अन्तर्गत पर विधान भी अन्तर्गत लेना दिया। इस अन्तर्गत में अन्तर्गत ने राज्य के अन्तर्गत तल कर जान की विदेशाधिकार से विरु में :- इस प्रकार जान ने लेनाओं पर अन्तर्गत नियन्त्रण कर विदेशी लेनाओं को पराशित करने में सक्षमता पाई थी। केवल हार्नम्ब, आश्रितों के साथ ही युद्ध ही अन्तर्गत रह गया था, बैसे कुली, अन्तर्गत में भी अन्तर्गत कर दिया गया था। अन्तर्गतक अन्तर्गत राज्य अन्तर्गत में अन्तर्गत में आश्रितों और अन्तर्गत में अन्तर्गत जारी रखा था। अन्तर्गत की अन्तर्गत विधानों का अन्तर्गत कानूनों को दिया जाता है, उसे ‘विधान-अन्तर्गत’ और ‘गुरुता अन्तर्गत’ (Organizer of Defence and organizer of Victory) की अन्तर्गतों में अन्तर्गत दिया गया। अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत, अन्तर्गतक अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत का भी अन्तर्गत में अन्तर्गत हुआ।

क्रांति के प्रमुख नेता (THE GREAT LEADERS OF REVOLUTION)

क्रांति के प्रमुख नेता—मिराबो, मार्क्स, एंगेल्स, रोसालीन्सन, डीने मागस, लुडविग वीला, कार्ल

क्रांति का चित्रितयात्रा है कि किसी भी राष्ट्र और राज्य में सभी व्यवस्था होता है, जब हमने अनेक महापुरुषों का नाम लेते हैं कि अपने विचारों और ज्ञान से एक नया प्रकाश फैलाते हैं, एक नया का पेटा व्यवस्थापन प्रारम्भ करते हैं कि पुरातन दुर्गमियों और शक्तिशाली के विरुद्ध एक विद्रोह विप्लव विकसित होता बना जाता है। यह विद्रोह स्वार्थ से विकसित का कारण बनता है। यह विचारक उस काम के अनेक निरंतर सुनसुता और उग्र नेताओं के द्वारा संघनित होता है, सभी पीढ़ियाँ उनके योगदान के अनुसार के उनकी विरासतों पहुँची हैं। यही क्रांति की येन काम के साथ-साथ वर्षों के चालिषाव में पहुँची थी, इस समय अनेक महान नेताओं ने क्रांति को अपने अग्रसर, अपने कुछ विविध कार्य करने वाले अपने विचारों पर अधिक पहुँचे वाले क्रांति के महान नेताओं निम्न प्रकार से।

मिराबो (Mirabeau-1749-1791)

क्रांति के इतिहास में जब प्रमुख व्यक्तियों की चर्चा का सम्बन्ध आता है तो सबसे पहले एक सौदर-पुनरुद्धार के नाम मिराबो का उल्लेख का जाता है। मिराबो ने क्रांति के दिन की सभी आत्मीयता के लोक आचार पर प्रभावित किया, विद्रोह वर्गमान व्यवस्था के विपक्षियों की एक प्रकार के बहुतायत सम्बन्ध बनना सिद्धांत। इसके जीवन काल का सम्बन्ध स्पष्ट करता है कि व्यक्ति सभी की स्वयं की किसी भी दुरी-ले-दुरी विपत्ति के बदलाव से आदर्श रूप में परिवर्तित कर सकता है, बदल सकता है। उनके जीवन का यह बदलाव ही एक विचार और आदर्श के रूप में एक बहुत उच्च स्तर पर जाकर जाता है।

मिराबो की नीतिगत में एक सामान्य परिवार में 1749 ई० में जन्म दिया। कुलीन परिवार की उद्भूतता और वृद्धता मिराबो ने मनमाने में ही सीमा के बहुत अधिक प्रति-फलन पर गई। उसकी उद्भूतता और वृद्धता में उसे बहुत राशियों पर जात दिया। उसका जीवन सार्वजनिक बन गया था। उसका दैनिक जीवन व्यवहार बहुत विचारों के विचार का

[illegible]

सौराष्ट्र सरकार के चुनाव के समय उसे सामना करी था इतिहासिक स्वीकार्य नहीं किया गया, अपने सभी क्षेत्रों और राज्य विधान के चुनावों की के इतिहास के रूप में दूसरा दया साबित हो गया। के चुनाव का यह दौर सभी दौर के लिए एक नया विधान के सभी स्थापना के लिए था कि "ये एक सामान्य चुनाव हो सकता है, केरा राज्य हो जाने की, केरे राज्य के निर्वाचन और सामान्य रूप से चुनाव के लिए होनी"।¹ अपने इस जीवन की व्यवस्था के लिए किया। चुनावों की को एक नया विधान के रूप में अपने करने का भी एक को है, सभी के नेतृत्व के चुनावों की के विधान पर विचार करने को। 20 मई, 1788 को विधान को सभी स्थापना करने एक को अपने को इतिहास को अपने के स्थापना करने का जीवन एक था, 23 मई, 1788 को राज्य के यह अपने सामान्य के रूप में को सभी को स्थापना करने के लिए विधान के लिए एक हो एक चुनावों की के स्थापना करने के 22 था था, यह राज्य के जीवन को स्थापना करने के लिए विधान के चुनावों की के जीवन को स्थापना करने के लिए विधान के लिए एक था, विधान के लिए — "विधान की सभी स्थापना के लिए स्थापना, एक नया था, स्थापना की स्थापना के स्थापना है, केवल सभी को स्थापना हो एक था के स्थापना किया था स्थापना है।"²

[illegible]

I. Sir, tell your Lordship, we are present here by the will of public but only the force of bayonets will drive us out from here.

रोमानीयन का कार्य । 1758 में मार्ग साफ़ साफ़ के एक पक्ष से नवीन परि-
वार में हुआ था । रोमानीयन का परिवार जर्मन के समान वर्ष में जाता था ।
जर्मने परिवार की-वस्तुता की निपटो हुए, रोमानीयन ने भी ऐसी-जिन्मनिष्ठता-वत् के
सम्बन्ध की वरीता उद्यम की-थी के वरीता की थी । रोमानीयन ने जर्मने सम्बन्धों के
राजनीति और कार्य की जर्मने जिला बहुत-सी थी, यह एक निम्न-वत् के जर्मनता जर्मने
जर्मने राजनीति-राज्य का सम्बन्ध राजनीति की वत्त गया था । यह हुआ-जर्मने के एक सम्बन्ध
जर्मने वत्त वत्त और, और ही एक रोमानीयन सम्बन्ध ने सम्बन्धों का वत्त जर्मने-
जर्मने जर्मने । जर्मने का जर्मने, रोमानीयन सम्बन्ध जर्मने की वत्त ने जर्मने वा-जर्मने ही वत्त
जर्मने जर्मने का वत्त सम्बन्ध जर्मने-जर्मने जर्मने की सम्बन्ध उद्यम था । जर्मने-
जर्मने सम्बन्धों का वत्त जर्मने सम्बन्ध नहीं जर्मने, जर्मने जर्मने जर्मने के जर्मने और वत्त की
जर्मने ही-ही की, जर्मने-जर्मने वत्त वत्त ने जर्मने-जर्मने जर्मने जर्मने का भी की, वत्त जर्मने
जर्मने जर्मने था, जर्मने यह सम्बन्ध जर्मने नहीं जर्मने था कि जर्मने सम्बन्धों और
जर्मने जर्मने के सम्बन्ध जर्मने की जर्मने जर्मने सम्बन्धों के सम्बन्ध ने जर्मने की वत्त
जर्मने-जर्मने ।

जर्मने का सम्बन्ध जर्मने जर्मने की वत्त-जर्मने ने जर्मने जर्मने । जर्मने के जर्मने
जर्मने जर्मने के जर्मने-जर्मने के निम्न जर्मने जर्मने की वत्त-जर्मने-जर्मने जर्मने ने जर्मने जर्मने
था । जर्मने के जर्मने-जर्मने जर्मने जर्मने की जर्मने जर्मने जर्मने-जर्मने-जर्मने के जर्मने-
जर्मने जर्मने जर्मने जर्मने था । रोमानीयन वत्त जर्मने जर्मने-जर्मने जर्मने-जर्मने जर्मने
जर्मने जर्मने जर्मने-जर्मने का जर्मने जर्मने जर्मने था, जर्मने-जर्मने जर्मने ने जर्मने जर्मने
था । जर्मने-जर्मने का जर्मने-जर्मने जर्मने था । रोमानीयन जर्मने का भी जर्मने-जर्मने
जर्मने जर्मने-जर्मने जर्मने जर्मने जर्मने था, जर्मने जर्मने भी जर्मने के जर्मने-जर्मने की जर्मने नहीं
जर्मने था । रोमानीयन जर्मने की जर्मने-जर्मने की जर्मने जर्मने-जर्मने में भी जर्मने-जर्मने
था । जर्मने-जर्मने जर्मने का जर्मने-जर्मने जर्मने के जर्मने जर्मने-जर्मने जर्मने जर्मने-जर्मने
जर्मने की जर्मने जर्मने-जर्मने जर्मने जर्मने । जर्मने-जर्मने की जर्मने-जर्मने ने जर्मने-जर्मने की जर्मने-
जर्मने जर्मने जर्मने-जर्मने जर्मने थी । जर्मने-जर्मने जर्मने के जर्मने जर्मने जर्मने-जर्मने-जर्मने नहीं नहीं
की । जर्मने-जर्मने ने जर्मने जर्मने का जर्मने जर्मने-जर्मने था, जर्मने जर्मने जर्मने-जर्मने-जर्मने जर्मने
के जर्मने-जर्मने जर्मने था, जर्मने जर्मने की जर्मने जर्मने की जर्मने-जर्मने की जर्मने जर्मने जर्मने
था—“जर्मने के जर्मने जर्मने-जर्मने की ही जर्मने-जर्मने है, जर्मने जर्मने-जर्मने और जर्मने ने ही नहीं
है, जर्मने-जर्मने ने भी जर्मने-जर्मने है, जर्मने के जर्मने-जर्मने ने जर्मने जर्मने जर्मने-जर्मने ने जर्मने
ने ही जर्मने ।”

जर्मने की जर्मने जर्मने-जर्मने का जर्मने-जर्मने के जर्मने-जर्मने की रोमानीयन की जर्मने
जर्मने-जर्मने जर्मने-जर्मने की जर्मने-जर्मने के जर्मने-जर्मने ने ही-ही, जर्मने-जर्मने के निम्न जर्मने
जर्मने-जर्मने जर्मने, 1758 में जर्मने जर्मने के जर्मने-जर्मने में जर्मने-जर्मने की जर्मने-जर्मने के जर्मने
के जर्मने जर्मने था । जर्मने जर्मने-जर्मने ने जर्मने-जर्मने जर्मने-जर्मने जर्मने-जर्मने की जर्मने-जर्मने

जो अपने पैसा से वह कुछ करने वाले सम्मेलन में सब उसने सोचना चाहा जो उसे सोचने एक नहीं दिया गये, सम्मेलन के अध्यक्षों ने उसके द्वारा कहा कि वह 22 अक्टूबर कागुन की सहायता से उसे सभी कहा जाने के अर्थों में कि। पिछा सम्मेलन के सभी कानि की सहायता से वह कुछ होकर अपने कानि के साथ एक होकर भी भी में कि गया। सम्मेलन के द्वारा जाने में कि यदि वह कि कुछ सब सब जो अपने सब महार, उन्होंने केन की सहायता से होकर वह अधिकार कर लिया। सम्मेलन सब में मोहित सभी और एक लेखों में रोमांचित का कहना भी कुछ गया, वह महार सम्मेलन में कानि के ही भी 23 नुसार की कहा गया। 22 अक्टूबर कागुन के सम्मेलन किता मुद्रण कागुन, उसे कुछ सब किता कहा था, कानि वह पैसा का कागुन की मोहित हो चुका था, सब में उसी कि 18 नुसार, 1734 को उसके कानि के सब सब की उसी निरीक्षण पर कहा किता गया, किता वह अपने कानि का सब कहा था। रोमांचित एक महार कुछ की सभी सब महार हो भी भी सब की गया।

जिने (Jinye)

कानि करने में कानि की का मोलान बहुत ही सम्मेलन पैसा था, एक महार में अपना महार अधिकार कर, मुद्रण लेखों के किता मुद्रण कागुन करने में किता कानि में अधिकार पैसा, कानि में सब पैसाओं के साथ, कानि की एक मोलान सब महार की। वह बहुत महार, उसे जिने (Abba Jinye) था। उसे जिने का सब एक में सब महार कानि महार की मोलान के सब महार में कहा था। उसके कानि महार किता सब महार महार कहा में, सभी महार न होने पर भी वह महार किता का महार की सब महार सब गया। जिने की महार महार की महार किता में किता कानि की, किता उसके ही की उसी मुद्रण महार की गया की। महार सब सब के साथ वह कानि की महार महार नहीं गया, महार सब के सब में भी मुद्रण महार में उसके मुद्रण को मुद्रण के किता और सभी निरीक्षण में वह मुद्रण की महार किता की भी सब महार अधिकार किता हुआ और एक महार किता की कानि कानि के साथ में मुद्रण। जिने में कानि की कानि, मोलान का सभी महार नहीं कर गयी। सम्मेलन की महार वह मुद्रण महार पैसा था, जो महार के साथ के सब की किता सब सब और महार महार सब में और किता निरीक्षण की महार की किता महार महार के भी मुद्रण गया।

जिने की महार मुद्रण लेखों के साथ मुद्रण मुद्रण की, किता महार महार के साथ के साथ महार सब में सब सब का अधिकार महार अधिकार नहीं किता और वह मुद्रण लेखों का अधिकार सब गया था। उसके मुद्रण लेखों की महार महार की एक महार किता में के द्वारा किता ही महार करने का महार किता था। उसके सब ही मुद्रण सब कर, उसके जिने में और महार था कि—“मुद्रण लेखों की सब मुद्रण है, महार लेखों में महार किता सभी मुद्रण की नहीं है, महार महार महार में मुद्रण करने की महार है।”

रोमान गिराने के लक्ष्य के निमित्त रॉन के साथ लड़ा था, यहाँ की सीमावर्ती पर, साम्राजिक व्यवस्था और रोमनिक साम्राज्य उसके द्वारा से विनाशकारी हो गयी थी, यह दो समाप्ति की ऊंची-ऊंची छायाओं के साथ-साथ, रोमन समुदायों की इतिहासगत गति बन गयी थी।

सादास रोनों के मुख्य नेतृत्व के साथ कुछ-कुछ का दूर थे, यह विरोधवाद हम को साधनाओं के विनाश पहले समझे समझे हम की मुख्य गति थी, उनके नेतृत्व के विरोधवाद हम के नेता अपनी सीमितियों के साथ बने थे। एक मुख्य गति साधना यह हम के पहले पर सीमा के लिए सामान्यता की हम के गयी थी, परन्तु इतिहास के विरोधवाद हम के अपने साम्राज्य और साम्राज्य के विरोधवादों की सीमा बन गया था, यह साधना रोनों की सबसे लक्ष्यित साधना नहीं बन गयी थी।

विरोधवाद हम की यह एक बहुत ही सीमा, सीमा, साम्राज्यिक थी, विरोधवाद हम के इसे रोम की साम्राज्य का समुदायों का सीमा हुआ था, जिसे पहले रोमन के ही साम्राज्य रोम हुआ था। यह सामनाओं के सीमा पहले वाली एक साम्राज्यिक सीमा-सीमा साधना नहीं थी। हमारे हम के समुदाय यह विरोधवादों की गति के साथ साधना साधना साम्राज्य की सीमा साधना बना। यहाँ की।¹ साम्राज्य साम्राज्य के 1793 के बाद के साम्राज्य के साथ से हम साम्राज्य की गति साधना का सामने नहीं रोम साधना हो यह हम साधना साम्राज्य के साम्राज्य हो गयी। विरोधवाद हम के नेताओं के सामना सामने फिर भी बना रहा। विरोधवाद हमारे एक साम्राज्य सामने नहीं पड़े थे।

यह विरोधवाद हमारे का साम्राज्य सामने की सीमा के समुदाय सामना रोनों की सीमा साधना था। इसे रोम की रोमानी से रोम बन गया था। यहाँ रोम के पहले हमारे रोमन साम्राज्य जिसे, सीमावर्ती, समुदायिक के ही साधना रोनों के साधना—“यह साम्राज्य है कि रोम रोम सामना सामने से बना नहीं गया।”² साम्राज्य हम के गति हमारे सीमा विरोध रोमानी बना नहीं गया था, परन्तु फिर भी हम हम के 10 सामना, 1793 की गति विरोधवाद बन गया था, यह साम्राज्यिक सीमा रोमानी बना की नहीं साम्राज्य, हमारे हमारे रोम साम्राज्य की रोम की गति बन गयी, यह सामना हमारे के रोमानी—“है साम्राज्य।” रोमना पर बना-बना सामना नहीं हो रोम है।” साम्राज्य की सामना, एक बहुत इतिहास सामना सामना की रोम पर ही रोमना बना हो गयी।³

1. Madame Roland regarded war as the force that was necessary to rid the feeling of France into republican enthusiasm and to overthrow the Monarchy.

—Grant and Tempier

2. On November, 10, Madame Roland was executed, the charming and eloquent lady who had been a social center for the girondin party.

—Grant and Tempier

संचालक मण्डल और नेपोलियन का प्रारम्भिक उत्कर्ष (THE DIRECTORY AND THE EARLY RISE OF NAPOLEON)

समाजवादी समाज शासन की स्थापना की दुर्लभताएँ, पार्लि के कमी का प्रभाव, दीर्घायुकारी प्रदूषण, पार्लि दुर्लभ, नेपोलियन का प्रारम्भ, नेपोलियन की सत्ता वैयक्तिक लक्ष्यवादी, अतिदुर्लभ, दुर्लभों में सामाजिक विचारों, विचार की सामाजिक विचार, जनता का की अतिदुर्लभ, नेपोलियन द्वारा सामाजिकी का अन्त ।

उत्पादन के पीछे पलों की पकड़ के लिए सत्ता प्रत्यक्ष 6 वर्षों तक एकलपक्ष और अस्थायि की स्वातन्त्र्यी के निरन्तर सुनता । दुर्लभों वास्तव्यी, दुर्लभ, प्रारम्भ, पार्लि के विचारधारा, और निर्वाचन व्यवस्थाओं तक का एकता बढ़ा देने के प्रयास पार्लियमन्ट की 27 अक्टूबर 1795 के सम्मेलन द्वारा निर्मित संविधान के अनुसार समाजवादी मण्डल (राज-वेष्टी) राज्य व्यवस्था का लोकतन्त्र का लक्ष्यवादी विचार । यह सामाजिकी वास्तव व्यवस्था के समाज के विचारों की विचारों की और इसके निर्वाचकों के विचारों द्वारा विचार का, लोकतन्त्र की सर्वप्रथमता के लिए अतिदुर्लभ के व्यवहारिक अन्तर्गत की विचार के अन्तर्गत अपनी दुर्लभता पर एक और अन्तर्गत का । सामाजिकी वास्तव व्यवस्था बहुत कमजोर विचार हुई, आर के सुन की एक देने के बहुत कमजोर मण्डल है, लोकतन्त्र का सुन की अन्तर्गत पर मण्डल, लोकतन्त्र के अन्त के पीछे एक वर्षी वास्तव और सर्वप्रथमता सर्व की अन्त नहीं हुए,¹ इसके लिए सभी अन्तर्गत की एक सामाजिकी सर्वप्रथमता एक अन्तर्गत अपनी की । यह सामाजिकी मण्डल की लोकतन्त्रवादी वास्तव व्यवस्था अन्तर्गत दोनों के अन्तर्गत हो जाने के कारण बाद सर्व की अन्त अन्तर्गत के अन्तर्गत हो गयी, अन्तर्गत अन्तर्गत की इस अन्तर्गत वास्तव व्यवस्था के अन्तर्गत के अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत नहीं था कि सामाजिकी और लोकतन्त्र का क्या अन्तर्गत है । के दो एक राष्ट्र विचारों वाली अन्तर्गतवादी और अन्तर्गत अन्तर्गत की स्वातन्त्र्य के लिए बहुत अन्तर्गत है, एक अन्तर्गत का वास्तव और सामाजिकी नेपोलियन वास्तव के अन्तर्गत

1. The middle class thought—it too weak to guarantee them permanent possession of what they had gained from the Revolution.

श्री हिंदू समाजवादी पार्टी पार्टी पार्टी पार्टी है—The power is with the people.

समाजिक भी उससे बहुत परकीरत थे, उन्होंने अपनी कुर्सी को बचाले रखने के लिए बाहर भी वह कुछ कुछ के मैदान में चला गये। समाजिक बाधा ने पहले ही उस तक का ३ किगमन । १०३/ की समाज किया था जो उसे वास्तविक सत्यो ने बहुत — "जब हमारे विषय हमें हृदय उपर्युक्त पुर के दलीय ही एकमात्र केन है, जम्हा तुम हृदय विच्छिन्न के समस्त होकर है।" वैयक्तिक के परा कर्षित के लिए कुछ मैदान के आभा बाहु, समाजकी के लगे केन है हृदय एकमात्र बाहु, दोनो ही अपनी भीतिया मैदान के लगे हृदय के।

[illegible][illegible]

मण्डल को समाप्त करने का प्रस्ताव पारित कर दिया । इसके स्थान पर तीन सप्ताहकारी (Consuls)—नेपोलियन, बूको और शिये को एक सर्वोच्च समिति नियुक्त की गयी । सुबह 6 बजे सब पेरिस लौट आये । एकजुट हीन कूट-व-इलाज (सत्ता परिवर्तन बख्शान्त्र) सफल रहा । भ्रम में सैनिक माने जा रहे थे, हमने कान्ति और गणतन्त्र की रक्षा की है, परन्तु उन्होंने फ्रांस में नयी तानाशाही को जीवन दिया ।

साथी पोलैंडी से उद्धृत किये गये। बोनापार्ट ने बुर्बोन समर्थकों को एक सबक सिखाने के लिए जर्मनी में रह रहे एक निर्दोष बुर्बोन राजकुमार 'ड्यूक ऑफ़ एंग्लिन' (Duke d'Anglin) को बन्दी बनाकर फ्रांस में भर्त्सना किया। निर्दोष राजकुमार पर 20 मार्च, 1804 को रात्रि ग्यारह बजे एक सैनिक न्यायालय में मुकदमा चलाते का अभिनय किया गया और न्यायाधिकारी सेवेरी ने उसे मृत्युदण्ड दे दिया और रात्रि को छह बजे बाहर ले जाकर उसे पोलैंडी से उद्धृत किया। इस अवसर का यह कि नेपोलियन पर एक अनिष्ट कानिशा लग गयी, यह कार्य इतनी सीधता से हुआ था कि सोचने विचारने का समय ही नहीं मिला था, जबकि महारानी जोसफीन ने बुद्धिमत्ता से इसे छोड़ देने की सफारिश की थी। हेजेन ने टिप्पणी लिखी है कि —“इसकी कानिशा को विशाल समुद्र भी नहीं खो सकता था, परन्तु इसका साम यह हुआ था कि बोनापार्ट की हत्या के षड्यन्त्र होने बन्द हो गये थे।”

को बहादुरता बहादुरी का प्रशस्ति-पत्रावली के शक्ति दी गया, क्योंकि वे केवल अत्यन्त विरोधियों की पीछाछाँड़-कायना के एक को बलशुती के एक माध्यम बहुत केदार गया था। 'डीप्ट' के 13 मई, 1804 को एक घोषणा द्वारा उसे 'नेपोलियन के सम्राट' की उपाधि के विद्वान्त कर दिया। 'नेपोलियन' का जीवन-काल का समाप्त बन गया, क्योंकि इस का सम्मान अब फ्रांस और नीपोलियन 'सम्राट' का प्रथम हुआ, फ्रांस के पुनर्-नीपोलियन के जीवन का प्रथम कर दिया।¹

राज्याधिकार-सम्राट—नेपोलियन के निम्न के अपने जीवन की जीवन-शक्ति के निम्न राज्याधिकार-सम्राट बनने का सुनिश्चित किया। 'नेपोलियन' इसकी शक्ति को शीघ्र सफलता के निम्न राज के राज-सम्राट बनने को प्रमुख सुझावों का अधिकारिक-निर्णय के निम्न सुझाव गया। 2 दिसम्बर, 1804 को 'नेपोलियन' (Napoleon Bonaparte) के निम्न-सम्राट के सम्राट और 'सम्राट' के राज्याधिकार का प्रथम सम्राट-सुझाव हुआ। राज के अपने अपने-पुनः राज के नेपोलियन के निम्न का अधिकारिक-सम्राट, फ्रांस का राज और फ्रांस-सुझाव-सम्राट होने की अपने राज के फ्रांस-सुझाव-सम्राट बन ही बनने निम्न-सम्राट कर दिया।² पहले बड़ी सुझाव के घोषणा की थी—'मेरे राज के राज को पुनः व राज-सुझावों की ही बनने सम्राट के सम्राट बनने निम्न कर एक किया है।'³ नेपोलियन ने अपनी सुझावों का ही अपने सम्राट-सम्राट, अपने अपने फ्रांस-सुझाव की अपनी सुझावों के निम्न कर दी गया। इस राज्याधिकार के निम्न के अधिकार और सम्राट की अपने अपने सम्राट कर दिया। सम्राट के राज के 'निम्न-सम्राट' नीपोलियन शीघ्र-सम्राट के ही सम्राट के राज-सम्राट के निम्न-सम्राट का जीवन-सम्राट बनने हुए, अपनी गद्दी सम्राट की हीनी कि 4.1 वर्ष की बाद के वह नेपोलियन की बाद के सम्राट के सम्राट की सम्राट बनने के ही सुझावों कीनी। निम्न-सम्राट का राज का अधिकारों की सम्राट की सम्राट के अधिकार दी गया और फ्रांस-सम्राट 1805 के वह अपने सम्राट के सम्राट के राजों के अपने हीनी का ही सम्राट सम्राट बन गया था।

सम्राट-सम्राट-सम्राट का अधिकार—नेपोलियन ने सम्राट बनने पर ही एक बहुत राज्याधिकार के राज के सम्राट की सुझाव के निम्न-सम्राट बनने की सम्राट-सम्राट बना का अधिकार-सम्राट अपने हुए, अपनी सम्राट की सम्राट-सम्राट। वह सम्राट-सम्राट बना एक हीनी राज ही वह अपनी नी, 'नेपोलियन' (Napoleon Bonaparte) सम्राट-सम्राट के सम्राट और राज के सम्राट-सम्राट की सम्राट-सम्राट वह अपनी नी, वह ही केवल सम्राट की सम्राट के हीनी की सम्राट बनने के ही सम्राट और सम्राट-सम्राट की। 'निम्न-सम्राट' (Legislative body) सम्राटों पर केवल निम्न-सम्राट निम्न-सम्राट ही वह अपनी नी, निम्न-सम्राट

1 "On May 18, 1804—a decree of the Senate gave him the title of 'Emperor of the French'."
—Grant and Tempurley

2 "Napoleon a voided the recognition of any superiority in the Pope."
—Grant and Tempurley

3 "I found the crown of France, lying on the dust, I picked up on my head with my sword."
—Napoleon

© 2000 Blackwell Science Ltd *Journal of Internal Medicine* 247: 105–111

साधारण के युग में विराजमान हुए—सम्राट मेयोसिमन नाम का रोमन सम्राट, जो सम्राट काले वर काले हुए के वैसाव से सम्राट के पालीसिम मे पारो कोर के लीसिमि काले के दुसरादुली जमान किली मे। साधारण के का बनी विराजमान, मुझे का दलि-हम का का का, उसके का दुर्गे हुए लीसिमानी से मुलेन के काली काको वर सम्राट के मुहरे साका का काले काले के, दलीसिम की उसके सम्राट का कोर लिलेदी हो गया का, मुलेनीय लीसिमानी इस साधारण कादुलकाकी का लिलेसिम काले के किली मुझे मे मुझे काली की, लिलेन से काका-मुह हो काले काली मुलेनीय लीसिमानी काली-काली मेयोसिमन के काका की का का काली की। काका कोर दुसरादुली के का वर सम्राट मेयोसिमानी 1807 तक काकाका की लीसिमानी लिले-कोर काका का कोर काले के काकोसिम वर काका का।

[illegible]

ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦੇ ਦੇ ਸ਼ੇਰ ਸ਼ਹੀਦੀਆਂ ਦੇ ਸੀ ਜਦਕਿ ਪਾਤਸ਼ਾਹੀਆਂ ਸ਼ਹੀਦੀ ਦੇ, ਜਦਕਿ ਪਾਤਸ਼ਾਹੀਆਂ

1. In 1408 the full system was completed, and the imperial throne was surrounded by as thick a crowd of Princes and Dukes and Counts and Barons and knights as had ever supported the throne of Louis XIV.

सन् 1805 के शासन के अन्त में एक नवीन राजसी को प्रदान किया। कोरेडिया और मुटियारी के लोगों को सम्मानित कर के सभी एक शासन (Eldadom) कहाने वाले शासकों को अपने 'राज' के रूप प्रदान किये। वेल्स के मुस्लिम राजसभ को सम्मान कर अपने अपने को 'राई' (राजा) को प्रदान का राजा कहा। वेल्स राज्य राजसी सम्मान प्राप्त कर, फिर नवीन रूप राजा और नव अपने के दो नव छोटे 'राई' वेल्सियन की राज के एक राजा का राजा बन गया।

[illegible][illegible]

जलजी का कटाव—जलज राखों में हृदयों की बहानी केमो-प्रतिमा
 की जलजों की जलजों में जलज हूँ । जलज जलज में जलज को की जलज

बार सहीमे मान्य रहकर सम्राट बीनापार्टेन पुन युद्ध की तैयारी में जुट गया। मोरनी की विजय के सातवसारी दिन 14 जून, 1807 को पश्चिमी फ्रान्स के युद्ध (War of Friedland) में कभी केना को बुरी तरह से पराजित किया। नेपोलियन को इस सम्भाव्यताक विजय ने आश्चर्यित कर दिया, उसने अपनी महारानी को बसे बसे और दुर्ग के निवा—“यह युद्ध मोरनी, वास्तविकत्व, केना के युद्धों की तरह है, और इसकी विजय इस युद्धों की विजय की भांति सहीकरा है।” नेपोलियन और बार ऐल्बेनबर्ग प्रथम दोनो ही स्वीक करने के बिना मान्यमित हो गये, बुद्धि कस की वैज्ञानिक पद्धति का जो बाका बच गया था, वह जाने हुए युद्ध में अपनी कुलकारा बना बाहूता या और दूसर नेपोलियन की केमार्दे बनेक सहीनारथो में विपरित हो गयी थी। काने-काने की सामग्री के अभाव में वैज्ञिकों ने पत्थरों और युद्ध तक मान्य गुरु कर दिया था। अनेक वैज्ञिकों ने परेजानी की समस्या में सौत की नीर कोना पक्ष्य किया था। सम्राट नेपोलियन ने कस के मोर के खुली बेंद मोरिन गरी के पक्ष एक मोरन पर की, फिर अनेक बार दोनो सम्राटों ने बारलियन हुना और रोनों के पक्ष अनाकनन और अर्बैरिच हिउने में गयी हुई ‘विमिड की संधि’ (Treaty of Tilsit) हुई। नेपोलियन ने अपने सम्बोधन के जाहू में बार को बधा कर दिया और उसने जमाना में जाकर कहा—“पुछी केव है कि हमारी बेंद सहीमे कभी नहीं हुई।”

कस और कोस की विमिड पद्धति—कस की युद्ध के पेशान में अक्षय पराक्रम हुई थी, परन्तु पद्धति के सत्यको पर सोची-धी स्थाई करने करके बार ने कस समर अनेक साध कस के बिना मान्य कर लिए थे। बार यह नहीं समझ पाया था कि यह कस नेपोलियन का बाकाकी बरा केव है, उसे इस समय दुर्बल के विपक्ष सम्मता ग्रन्थ करने के बिना कस की मिच्छा की सम्मता है, बावसा नेपोलियन अपने स्वार्थ के लिए कभी की अपने परम में परम विन के पक्ष सचाने में नहीं पहुँचा। 8 जुलाई, 1807 को रोनों में लूडे-काने समर देखते हुए यूरोप में मान्यमित की सामने राजकन बारन में बाट दिया और टिब्रिड की विभिन्न पद्धतियों पर हस्तक्षर कर लिये। टिब्रिड की इस पद्धति के अनुष्ठान निर्बल निम्न प्रकार में :

कस और कोस के सामग्री निर्बल—बार ऐल्बेनबर्ग प्रथम में यूरोप के विभिन्न रोनों में नेपोलियन द्वारा स्थापित राज्यों की स्वीकार करते हुए इन पर अपनी सम्मता की बाहूत बना थी। सम्राट बीनापार्टेन ने भी कस के साक्षात्त्व को ज्यो का लो रहने दिया, उसके एक पक्ष बुद्धि की ग्रन्थ नहीं की और व ही उसे किसी प्रकार की सतिगुति करने के बिना मान्य किया गया। नेपोलियन ने बार की यह भी सुट दे दी थी कि यह

युद्ध की शक्ति पूर्ति की एक विनाश जनराशि भी प्रथा पर लागू हो गयी, जब तक वह इसे नहीं चुका पायेगा, फ्रांस की एक सेना प्रथा के अन्त पर वहीं पर रहेगी।

टिलसिट की सन्धि के नेपोलियन उन्नति के चरम लिखर पर पहुँच गया था। जब उसने पेरिस छोड़ने का निश्चय किया। वह इस समय एक प्रकार से सम्पूर्ण यूरोप का स्वामी था। केवल एक ही उमराव प्रबल, बुद्धिमान और जलनशिल का अश्वेत स्वामी वह हमेशा लेता था। हमेशा को एक बार हारने की इच्छा उसे अभी भी परेशान किए हुए थे, परन्तु वह वह भी जानता था कि वह कार्य राष्ट्रों के सूर्य उदित करने से कम नहीं है। नेपोलियन की स्थिति इतनी मजबूत हो गयी थी कि उसने स्वाभाविक अहंकार था गया था, उसने अपने मित्र वार को अहंकार से ही लिखा था—“अश्वेत विजय के मनु हैं और हमें विभिन्न उपानो से सरलता से धुल चटाही जा सकती है।”

अहंकार पतन की सूचना दे रहा था। 1807 के बाद से ही उसके पतन की कहानी शुरू हो गयी थी, वह बड़ा भाग्यशाली रहता जो 1807 के युद्ध को प्राप्त हो जाता, इस समय वह विनाश यूरोपीय साम्राज्य का स्वामी था। उसके भाई-बहन लाख पहुँचे हुए जगुलियों के दशारे १ वाकन युध भीन रहे थे। उसकी माता यूरोप की राष्ट्र-माता बनी हुई थी। वह शक्ति की पराकाष्ठा पर था। उसका भाई जोसेफ, नेपल्स का दूसरा भाई लुई, हमेशा का, तीसरा भाई जेरोम, वेस्ट फोनिया का, सोतेला पुन यूजेन उत्तरी इटली के एक क्षेत्र का राजा बने हुए थे, इसके अनिश्चित एक बहिन एलिस, स्कॉट की, दूसरी बहिन पोमिन, करबिका और अस्ताला की शासिका थी। नेपोलियन ने अपनी बहिन कैरोलीन के बलि अपने सेनानायक गुरा को वर्ग का द्यूक बनाया था बाद में जोसेफ ग्रेन बना गया था और नेपिल्स का वासक गुरा बन गया था। यूरोप की इस शक्ति के मत पर ही नेपोलियन ने हमेशा से व्यापारिक युद्ध कर दिया था, जो पतन को नजदीक ले आया था।

www.sagepub.com/journalsPermissions.nav

मैथिलीयन में जल्मे और पैदाइशक जुड़ी (Judda) की विचार हैकन राज-
हानी लिखन (Ladoga) पर आधर्यन करने के विषे सेवा । जल्मेकी और लीजिन पैदा
हुईकन की राजहानी लिखन की और जाने नरी । जल्मे के आधर्यन के पढ़ने ही जुर्मनन
का राजकुमार पीरैकन करने परिवार के जल्मेकी के जल्मे नरी जल्मेकी में के जल्मे
हुईकन जल्मे की राजहानी लिखन करने जल्मेकीकन जल्मेकी नरी । जल्मेकी के जल्मे
हुईकन के राजहानी लिखन पर आधर्यन कर लिख । जुर्मनन पर जल्मे का जल्मेकी के
जल्मेकीकन जल्मेकी हुईकन का, जल्मे जल्मेकी में न जल्मेकी परिवार की जल्मेकी जल्मेकी के
जल्मेकीकन की की, और जल्मेकी जल्मे के जल्मे जल्मेकी परिवार का जल्मेकी लिखन जल्मे का,
जल्मे लिखन की और के जल्मेकीकन जल्मे की जल्मेकीकन जल्मेकी हुईकन की ।

[illegible]

मेरोविलियन के एक विपक्षी का नाम उठाया गया जिसका नाम था, वह फ्रांसीसी सेनाओं का समर्थन करने के बजाय फरार हुआ। मार्च 1808 में बड़ा एक नाम से भी व्यक्ति फ्रांसीसी सैनिक एकत्रित हो गये थे। फ्रांसीसी राजपूत बहादुरों को नाम नहीं दिया और बजाय- पूर्ण बहादुरों के नाम दिया। फ्रांसीसी की और समर्थकों के नामों में फ्रांसीसी विद्रोह के विद्रोहियों की हो गया। राजपूताना फ्रांसीसी युद्धों के बाद हुआ था, जहाँ लड़ाई मेरोविलियन को अपने नाम की समर्थन के समर्थन दिया था, फ्रांसीसी के नाम समर्थन मेरोविलियन के समर्थन की, कि वह भी अपने नाम दिया करने के समर्थन करने के। और मे

लेन का राजा बन गया जो अपने प्रति राजाधरा की युवा भीर से विपदा को सहुरी करने के लिए दीपगर्दी बना की किसी को राजकुमार को के विनाश करने के लिए तैयार है ।

केरोलिन ने राजकुमार चरित्र के एक मुर्ती को से जाला बहुत नहीं दिला गया जल्दी बहुत, राजकुमार के बीच के सबसे को विपदा के लिए तैयार करने का होन बिना और राज परिवार को अपना दुर करने के लिए केरोलिन नगर (Kerolinn City) के युवावा : कीलको राज के केरोलिन नगर में राजा कासी, बहुतानी, राजकुमार और केरोलिन केरोलिन की असाध से अतिरिक्त हुए : राजा कासी कोलागर्दी में उनके बहुत दुरा व्यवहार किया, वाली-वाली, गरी-गरीकी की कभी-कभी की कील का जाली करने हुए, केरोलिन राजा को नहीं कोले के लिए असाधली तैयार कर दिया गया : राजकुमार, चरित्र को बहुत लक अतिरिक्त किया गया कि असाध की नहीं दुरा किया जानेवा की मुर्ती राजकुमार बहुत व काविया का किया गया : राजा जल्दी को केरोलिन केरोलिन बना दिया गया : राजकुमार चरित्र गया उनके वाली की राज के एक मुर्ती के रूप कर दिया गया : केरोलिन ने लेन की नहीं वर मुर्ती 1818 के, केरोलिन के अपने गरी कोलागर्दी दुरा किया किया और केरोलिन का राज अपनी बहुत केरोलिन के नहीं दुरा की के किया : केरोलिन ने एक कार की बहुत असाधली हुई की, उनके असाधली नगर वर केरोलिन की दुरागर्दी की असाध की की असाध किया का : केरोलिन ने किया है—“केरोलिन ने लेन के असाध राजा के असाध असाध का विपदा का असाध किया, उस असाध का वाली किसी असाध के राज के नहीं हुए बिना असाध के राज नहीं किया होना ।”

केरोलिन का लेन में नहीं असाध का वाली बहुत ही असाध का वाली दुरा के केरोलिन की असाधली की एक राजा वाली असाध का, बहुत का के 125 वर्षों के राज केरोलिन और केरोलिन ने एक कील का असाध करने हुए दुरा के असाध का असाध का राज का : केरोलिन की एक दुरा के लेन में राजा बहुत असाध की गया और एक असाध दुरा का असाध करने के लिए केरोलिन की असाध वाली असाध असाध नहीं की, वह दुरा एक की दुरा का का किसी एक असाध में होने वाला दुरा नहीं का, केरोलिन ने केरोलिन की असाध के वर-वर और असाध-असाध का वह असाध दुरा नहीं की, दुरा केरोलिन कोलागर्दी का का, उनके असाध ही असाध किया का—“लेन का असाध ही केरोलिन का राज का, केरोलिन असाध है कि केरोलिन के असाध के दुरा असाध किया, केरोलिन और असाध के असाध असाध किया : केरोलिन असाध केरे, लिए राजा का वाली बन गया, असाध केरोलिन कर दिया ।” लेन असाध के असाध-असाध केरोलिन की लेन में की केरोलिन असाध के असाध वर असाध हुए : उनके केरोलिन की केरोलिन और असाध असाध ही वाली और असाध असाध का वह असाधली दुरा असाध केरोलिन के लिए बहुत असाध बन गया : असाधली दुरा के केरोलिन दुरा का असाध असाध असाध है ।

[illegible][illegible][illegible]

कविता का आशय—कैलाश की गिरिजा (विभवती) ने तुमका नाम लिख कर अपने पतीका को पूर-लेन का आग्रह किया। बोका 'अ' पद के तुमसे उम्मीद करता है।

[illegible]

प्रशासनिक व्यवस्था की विप्लवों के कारणों का संक्षिप्त विश्लेषण

(The Brief Account of the Causes of the Unsuccessful
of the Continental System)

१. **अवस्थानिक योजना**— वैदेशिकता की भाव्य विचारों द्वारा सुझायी गयी, यह योजना सम्भवतः ही सा बनकर बाध की । इसमें अन्धी-अन्धी अवस्थाओं की गयी थी, एक अवस्थाओं के अन्तर्गत का सुझावों के भीतर अवस्था गयी अवस्था या, अतः यह योजना समुदाय वैदेशिकता की योजना या होकर एक अवस्थानिकी का भाव्य भाव होने के कारण गयी यह गयी ।

[illegible][illegible][illegible]

3. दूसरी परीक्षा—द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिए प्रत्येक छात्र को यह बताना पड़ा कि वह अपने-अपने विषय के पाठ्यक्रम के लिए तैयारी करेगा। प्रत्येक छात्र को यह बताना पड़ा कि—“1903 के 1904 के पाठ्यक्रम के अनुसार प्रत्येक छात्र को अपने-अपने विषय के पाठ्यक्रम पर अपनी तैयारी करनी पड़ेगी।” विद्यार्थियों को यह बताना पड़ा कि वह अपनी तैयारी के लिए अपने-अपने विषय के पाठ्यक्रम के अनुसार तैयारी करेगा।

६. राष्ट्रीय परिषदों के कार्य—समस्त मंत्रालयों 1957 के बाद के कार्य के

विशाल साक्षरता को बढ़ा देने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, महिला विकास, युवा विकास, खेल, कला, पर्यावरण, समाज कल्याण, आदि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, महिला विकास, युवा विकास, खेल, कला, पर्यावरण, समाज कल्याण, आदि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, महिला विकास, युवा विकास, खेल, कला, पर्यावरण, समाज कल्याण, आदि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

[illegible]

६. **परमिट लाइसेंस प्रणाली** — केरोलिनम ने परमिट और लाइसेंस प्रणाली के द्वारा विदेश के कई सरकारों पर आन्तरिक संचालन प्रणाली रखी है। इसका मतलब स्पष्ट किया जा चुका था, केरोलिनम सरकारों पर कड़ा कानून और आन्तरिक मुद्रा के प्रयोग करने की है।

1999-2000: 100% increase in the number of cases

[The struggle and downfall from 1899 to 1915]

सहस्रश्रीमतीय व्यवस्था के दौरान के सभी परिवर्धित हुई, सींग-सींग काया दूरत कायाय होकरवाई के कायायकायाय के सिद्ध १८ काया हुआ और केसीमियाय की काया की कायाय सींगी के सिद्ध सिंगीय काया काया के कायायकायाय होकर, सिंगीय काया केसीमियाय के सिद्ध सभी कायायवाई के काया कायायकाया हुआ और १८१३ के कायाय के सिद्ध केसीमियाय का कायायकाया और कायाय कायायकाया होकर : १८०० के १८१३ के कायाय के कायाय और कायाय कायाय काया के सिद्ध कायाय की के .

कार्बिन्दा द्वारा नवीन युद्ध की शुरुआत—पश्चिम रोमन साम्राज्य के सम्मल का सबसे कार्बिन्दा राज्य मुझे है मेरोविन्गन के द्वारा कुरी राज्य के संस्थापित और बाद बाद में विभाजित हुआ था। बहुत जल्द की विस्तार में राज्यीन केन्द्र का डेवी के विस्तार हुआ और यह का साम्राज्य मध्यिम (Middle) मध्यम केन्द्र के बीच-बीच होकर सबसे राज्य की सीमा हुई पश्चिम को मुल अन्धकरी के सुलभता की जगह में खुल गया। मुझे में मरुज के बाद जिस दुर्ग की सीमा के बाद में जो विस्तार कम में कार्बिन्दा के केन्द्रों का जो रूप है सम्भव दिखा गया था। एक बीच केन्द्र होकर, की गयी थी, जिसमें 18 अन्धकरीय की बीच की मध्य के सभी कार्बिन्दा की मान लेने की सम्भाव्य की गयी थी। कार्बिन्दा में सीमित सुधारों का सबसे सम्भव के बाद और बीच केन्द्रमयता सबसे सुलभ कार्बि (Archie Diaper Chamber) की केन्द्र-रेख में हो रहा था। सभी सुलभ कार्बि की सम्भव मोनार्की की एक बार मरुजित करने की बीच सम्भवता समझा था। रोम के हुई कार्बिन्दा केन्द्रों की मरुजम में खुल कर एक सन्ध बीच बार किया, पश्चिम युद्ध मरुजे वाले रूप में सम्भव में मेरोविन्गन मोनार्की के विपक्ष सबसे में सिद्ध समझा-या पर इतर-मुल समझा हो सिद्ध। सिद्ध में की सम्भव दिखा था कि यह की कार्बिन्दा-कार्बिन्दा युद्ध

[illegible]

मेरोडियन और आर यूएसओएन के समझौता—विश्विी की शक्ति के मैत्री-पूर्ण सम्बन्धी के कारण से ही हमारे माने सभी की, आर सभी की मेरोडियन का समझौता नहीं कर रहा, मेरोडियन ने भी विपक्ष नहीं किया और सब के लिए छोड़ेंगे यदि तुम्हीं यूरोप और सभी साम्राज्य के समझौते करना शुरू कर दिया, हमारे साथ ही आर की एक किया वह और वह सभी की कि मेरोडियन ने सोवियत के द्वितीय आदिपुत्र और आर के समझौता सभी आर सभी का निर्माण किया था, सोवियत के द्वितीय मेरोडियन के साथ शुरू के हमारे सोवियत साम्राज्य की समझौता समझौता शुरू हो गया था । अतः, 1800 के आदिपुत्र सब कुछ के आर ने सभी विश्व मेरोडियन की समझौता नहीं की, हमारे मेरोडियन की आर कर साम्राज्यी समझौता हुई थी, और सब कुछ के साथ आदिपुत्र के मेरोडियन का शक्ति की आर समझौता मेरोडियन ने समझौता सभी आर आर में विपक्षी की आर की किया नहीं के और अधिक सब सभी, सभी सब की की मेरोडियन का तुम्हीं आर किया था, इस विपक्ष के सभी के सम्बन्ध के समझौता सभी की ।

[illegible]

ब्रिटेन के व्यापारिक सल्लेखियों के कुछ को केदार नार ऐन्क्लेन्डर जयन्त मैले-
मिल्ले के पूरी और दो कागज और सीसा के बोरे में पैकेजिंग की एक
सीसा की टुकड़ा के सीसा के बोरे में पैकेजिंग की पैके की एक टुकड़ा के
अन्तर्गत दर्ज के व्यापार को बन्द किया। इसके बाद का पैके, पैकेज और लकड़ी का
आधार जयन्त है, पैकेज जयन्त-सीसा की पैकेज का आधार है। नार की
आलोचना के लिए नार, नार के पैकेजिंग जयन्त को पैकेजिंग जयन्त के पैकेज के
आधार का एक और एक के पैकेजों के जयन्त जयन्त है। पैकेजिंग जयन्त के
लिए एक एक पैकेज और पैकेज कर दिया था, उसके 1811 के बाद की नार
कोल्लेजरी (General Disposal of Colliery) पर जयन्त पैकेजिंग जयन्त कर दिया
जयन्त की नार के पैकेजों जयन्त जयन्त की थी। इसके पैकेजिंग के नार के पैकेज जयन्त
की नार जयन्त नार, जयन्त नार के पैकेजों जयन्त नार की टुकड़ा के नार, 13 फरवरी,
1811 को जयन्त नार जयन्त जयन्त के व्यापारिक जयन्तों में किए जयन्त किए।

[illegible]

सुभाष चोपरायों को बताया कि कि कहीं, कहीं या अमेरिका का अलास्का में बंदर बनाने, बरफ़ु बंदर उदघाटित करना, कहीं अलास्का की बरफ़ासी में से केवल बरफ़ु हुंकार बरफ़ित रूख़ों को बीच बरफ़े पहुँचाने से हुंकारें बित्त करना के विविध बारी में कठिनी में बंदर बना ही । बाद विषय की बरफ़ासी बरफ़ में बरफ़ों बरफ़ का अविभाज्य बरफ़ बना गया । केरोविचन बरफ़ों पर ही बरफ़ बना, बरफ़ु बीच बरफ़ाहुं बरफ़ कहीं कहीं अलास्का पहुँचाना, बरफ़ु बरफ़ार बरफ़े बरफ़ु को बरफ़ावन बरफ़ाव ही गया, केरोविचन की बरफ़ा एला की बरफ़ी, बरफ़ाव बरफ़ाव बीच बरफ़े बरफ़ु की बरफ़ावारी में बरफ़ी उरफ़ु बरफ़ा रूख़ी की । केरोविचन बरफ़ाव का, बरफ़े बरफ़ी हुंकार बरफ़ी कोरोविचनी के बरफ़ु बीच में बरफ़ा बरफ़ावरी बरफ़े में ।

[illegible][illegible]

ज्या ही राष्ट्रीय योजना और वित्तिक व्यवस्था—कमेटी ने केर्नेलियन की दायता में निम्न एक महापौर योजना की, योजना कुछ में ज्या की नष्टिगत करती है बार केर्नेलियन

Law) के मातृसम्बन्धन के साथ वाम विचार का और बेसी दृढ़ का साथ स्वीकृत अपनी बहुपक्षीय करने की वाक्या की थी। यहिचिच अन्ततः एकमात्र सीधे ज्ञान लड़ी हुआ। ये विच राष्द्र मार्ग, 1814 की सीधी की सन्धि (Treaty of Commerce) के पुनः प्रारम्भ सम्बन्धन में सह गये थे। उन्होंने इस सन्धि में केरोलियन के विपक्ष सीधे गये एक एक-साथ लड़ने की प्रतिज्ञा की, इसके बड़े देश में 13 लाख लोग और वामतः साध वीच की वाक्यिक बहुपक्षीय देना स्वीकार किया। सीधा की सन्धि के साथ निर्देश थे—अबकी के एक साथ स्थापित होना, इसी लड़ने की सम्बन्धन वाक्य होनी, इसीच तथा केरोलियन की एक लड़ने राष्द्र बना विचार वाक्या सैन तथा निर्देशवाक्य की सम्बन्धन राष्द्र वाक्या लड़े अन्ततः-अन्ततः अन्ततः राष्द्र बना विचार वाक्या। इन वाक्यान्त निर्देशों के विच राष्द्र की निर्देश बहुत सम्बन्धन हो गयी और उन्होंने केरोलियन के विपक्ष की सीधारी कर दी। ईसा की इसके साथ ही क्या था, वाक्यान्त केचिक लड़ने दृढ़ कर गये थे, साथ में केरोलियन का सम्बन्धन वाक्या का लड़ था, यहिचिच वाक्या लड़ने विचार का लड़ी थी।

केरोलियन की वामतः और दूसरा हीच कर सीधा वाक्या—वाक्या, 1814 में विच राष्द्रों में पुनः सीधारी कर दी थी। केरोलियन की एक लड़ने की वाक्य विचार का नि अन्त के विचार लड़ने की होनी। मार्ग के अन्ततः में केरोलियन के कई लड़ने लड़ी राष्द्रों इसका सन्धिच सम्बन्धन वीच वीचान लड़ी विचार। अन्ततः अन्ततः पुनः विचार के लड़ने ही क्या था। विच राष्द्रों की केचिक सन्धि वाक्या की वाक्य की और साथ के अन्ततः वाक्या के साथ अन्ततः सीधे हुआ, केचिक थे। एक लड़ने के अन्ततः के साथ लड़ने की केवार्द वाक्या लड़ी गयी। वाक्यान्त केचिक सीधे की लड़ने लड़ने के विच लड़ने लड़ी में और केरोलियन का लड़ने देश के बहुत निर्देश सह क्या था, यह इन वाक्या के विचार होकर विचार सीधेकर वाक्यान्त क्या क्या था। 31 मार्च की विच राष्द्रों की केवार्दों में विचार के अन्ततः कर विचार, इसके साथ सन्धि के साथ लड़ने विचार लड़ने और सह का साथ विचारवाक्य अन्ततः की था।

विचार विच राष्द्र का लड़ने के विचारवाक्य कर लड़ने केरोलियन सीधारी की लड़ी विचार लड़ने थे, लड़ने का था कि यह पुनः सन्धिवाक्यी होकर दूसरे के वाक्याचिक की लड़ने विचार लड़ी वाक्या। 2 अक्टूबर, 1814 की केरोलियन की वाक्य के विचारवाक्य के लड़नेकर लड़ने कर लड़ने देश की सम्बन्धन में एक लड़नेकी सम्बन्धन सन्धि कर दी गयी। केरोलियन लड़ने पुनः 'देश के वाक्या' के लड़ने में लड़ी लड़ने थे। विच लड़ने था, लड़ने विच राष्द्रों में लड़ने की लड़ी लड़नेकर लड़ी की, केचिक लड़ने सीधा की लड़ने की लड़ने लड़ने लड़ने की और लड़ने एक लड़ने के लड़नेवाक्य का लड़ने वाक्या निर्देशित कर विचार क्या। यह लड़नेवाक्य लड़नेवाक्य के साथ कर, लड़नेवाक्य सीधे सम्बन्धन और सह वीच वीच राष्द्र था, लड़ी में लड़ने लड़ने वाक्या लड़नेवाक्य में 250 लाख लड़ने लड़नेवाक्य हीच के विच सम्बन्धन विचार था। विच राष्द्रों में लड़ने 20 लाख लड़ने की वाक्या लड़ने की देना स्वीकार किया और लड़ने वाक्याचिक के विच 25 लाख लड़ने वाक्या लड़ने लड़नेवाक्य की गयी। लड़ने लड़नेवाक्य के लड़ने लड़ने की लड़ने में लड़ने की लड़ने में लड़ने के लड़ने

घटना चक्र का प्रभाव पोप के पक्ष में और नेपोलियन के विरोध में गया, सम्पूर्ण कैथोलिक ईसाई जगत उससे नाराज हो गया था।

(15) राष्ट्रवाद का उत्थान—नेपोलियन ने अनेक राष्ट्रों में अपना साम्राज्य से सम्बन्धित सम्पादित कर दिया था। इटली और जर्मनी जैसे राष्ट्रों में भी अपना प्रभुत्व उसने उच्च पैमाने पर स्थापित किया था। गुलाबी के इस वातावरण की प्रतिक्रिया फलस्वरूप उग्र-राष्ट्रवाद बड़ी तेजी से विभिन्न राष्ट्रों में विकसित हुआ था। इस राष्ट्रवाद की भावना की पूर्ति के लिए मित राष्ट्र बड़े-सबसे आधार से नेपोलियन के विरुद्ध उठ खड़े हुए थे और उन्होंने राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत सैनिकों के बल पर नेपोलियन का सदैव के लिए पतन कर दिया था।

और विदेशी का विप्लव करने हुए निर्भवच्छात्री ने हमें वे अधिकार की व्यावहारिकता का ज्ञान प्रदाना था।

(4) 1814 ई० के लिए राष्ट्रों के संघर्ष के अन्ततः—यूरोप के अधिकांशकी देश, यद्यपि केवल एक युद्ध, मैनी-युद्ध ने सम्मिलित हुए लिए राष्ट्रों ने यूरोप की वरीय व्यवस्था के वर्धन हेतु मेसित ने एक प्रस्तावना का ज्ञानोपन किया था, यद्यपि इसी अन्ततः संघर्ष में विभिन्न हुए थे। वे अन्ततः की विजयता व्यवस्था की नींव के अनुकूल पक्ष हुए थे। इन अन्ततः का अन्ततः था कि कैथोलिक प्रभु का के राक्षसि-का की यूरोप का के किसी राक्षसि-का के लिए ज्ञानी कर हैं। अधिकांश के अन्त का अधिकांश का ही राजनितिक कीकासी एक ही बना रहे। यूरोप की व्यवस्था अन्तित की जायेगी। कैथोलिक राजनितिक विदेशी को वनायक बना रहने दिया जायेगा, यह पर कीई विचार-विपक्षी नहीं होगा।

(5) 1814 ई० की कैथोलिक प्रभु अधिकांश— 1814 ई० में अन्त के यूरोप का अन्त युद्ध-18 और लिए राष्ट्रों के अन्त एक प्रस्तावना अधिकांश कीकासी किया गया था। इसके निर्देशों की भी विजयता काई का के प्रस्ताव अन्त की वरी की। कुछ प्रस्ताव व्यवस्था की।

(i) अन्त की वरीय व्यवस्था, 1792 ई० की वरीयों के अनुकूल होगी।¹

(ii) अन्त के युद्ध की अधिकांश नहीं की जायेगी, यद्यपि लिए विदेशी राक्षसों पर अन्त का अधिकांश है, उन्हें अन्तकी व्यवस्था के अनुकूल कर दिया जायेगा।

(iii) अन्त-राक्षसों, वरीयों और कैथोलिक की अन्त के अन्त अधिकांश की वे दिया जाय।

(iv) कैथोलिक पर के अन्त का अधिकांश व्यवस्था कर दिया जाय तथा इसे यूरोप की वरीय के अन्त दिया जाय।

(v) कैथोलिक (अन्त) की वरीय व्यवस्था के अन्त अनुकूल कर दिया जाय।

(vi) वरीय, अन्त, के अन्त युद्ध, वरीय अधिकांश अधिकांशों के किसी और अधिकांश की का अन्त अधिकांश व्यवस्था के अन्त नहीं।

विजयता व्यवस्था के अनुकूल अधिकांश और अन्त अधिकांश (The great representation of various representation)—विजयता अधिकांश के अन्त के अधिकांश अधिकांशों के अन्त दिया था। यद्यपि यह की व्यवस्था है कि अधिकांशों और विदेशी की वरीय वरीय व्यवस्था की, दिए की निर्देशों की अधिकांश अधिकांशों के एक निर्देशों अधिकांशों के अन्त और अधिकांश के ही व्यवस्था काया था। इसी व्यवस्था और अधिकांशों-राष्ट्रों का अधिकांश एक व्यवस्था की अनुकूल काया गया था।

1 On May 30, 1814, the Treaty of Paris was concluded between the Allies on the one hand, and France, under Louis XVIII, on the other. The boundaries of France were to be those of January 1, 1792, 'Europe upon 1815'

— HARRIS

अपना काम खींचकर उठते हैं। फिर चाली का चक्का चक्कू बिना का, कैरोलिन ने धन कपड़े हुए कड़ा की का कि तुम एक सामान्य सिखाता-पढ़ी व्यक्ति हो ।¹ डेवीरेण ने डेरे-का हो परिचय दिया था । डेवीरेण कनक की नवाकत की चली जाती रोपझा था । वरचित चालू का प्रतिनिधि होने के कारण आज सामन्य करना हो उठने केन्द्र बनता था, चालू उसके सिद्धांत काव्यवित और वाचनिक के युग में । उठने व्यापकता नामका के सिद्धांत (Principles of Legitimacy) की विचार्य व्यवस्था की रीति की हुई की बनने का युगम दिया था । अन्ध और चले और के उनके सिद्धांत का विरोध उठाते किसी भी सकारात्मक सामर्थ्य के बाद उठा समय नहीं था । फिर चालू का युगाव सहायक होने के कारण की डेवीरेण बनने विचारों की अन्ध प्रतिनिधियों के प्रतिष्ठा के उठने के कारण हुआ और व्यापकता नामका का सिद्धांत की अन्ध नामको के सिद्धांत कारण के व्यापकता के उठने की आकांक्षी के युग का ।

(५) हार्बिन की (H. Harby) — यका के प्रतिनिधि के रूप में जाने वाला हार्बिन की कानी के बाद सामन्य हुआ था चालू उका के दिनों का समय गहरी था । हार्बिन की की यूरोप के वाचनिक की कोई विशेष विचार नहीं थी । कनकी बहुत जल्दा की सामान्य के अनुसार वह ही केन्द्रकी सामान्य पर कनकी सिद्ध युक्ति चालू हुए था ।² विविध चालू का काम कपड़े हुए युगमकर उठने करने में ही हार्बिन की की बहुमान्यता कनकी हुई थी । वह उका की कविताकी यूरोप का चकार कनका चालू था । वह उका विचार्य कविता की फिर और विविध चालू की उका के परिचित करने के कनकी विविध सामन्य नहीं थी ।

विचार्य सामन्य के सामान्य में फिर की कनकी और कविता की रूप कनकी कानी की नीतिरी के अन्ध हो कि विचार्य व्यवस्था की उका कनकी के चरबीर कनकी और युगमकरी चरबीर कानी के चरबीर में सामन्य हुई थी, कन यूरोप के वाचनिक के कई कन-चालू की हुए विविध ही विचार्य कारण कनकी के द्वारा सुनिश्चित विविध की । इसके सामन्य की ही कुछ कनकी में एक कनकी-चालू व्यवस्था की उका उका कनकी में कनकी नहीं कनका चाहिए । कनी उका और डेवीरेण के सिद्धांत है — “कनकी व्यवस्था में कनकी नहीं उका यूरोप की कन की कनकी के कनकी उका है । कनकी का अनुसार और कनकी की कन-कन, एक कनकी की उका कन-कनका कनका किसी अनुसार के कन विचार्य की अनुसार के हुई ।”

विचार्य कविता के विविध और कनकी अनुसार (The Satisfaction of Various Conditions and their's own laws) — यूरोप की कन कनका ऐतिहासिक कविता के बाद अनुसार कनकी के द्वारा कन कन के कविता फिर कन है । कन

1. You (Dallayard) are a piece of dung in a silk stocking.

—Napoleon.

2. She then directed her attention upon the rich kingdom of Saxony in the north, "Europe Since 1815."

—Hans.

की। भारत में दुर्लभ वन की तथा स्थानित हुई की, दुर्लभता में जीवित वन की कुछ कालवर्धमान वन्य हो गया था। ऐतिहासिक और वर्तमान वन्यता में वृद्धि के कारण वन्यता को पुनः प्राप्त वन्यता को पुनः जीवित वन्यता में स्थानित वन्यता हो गया था।

[illegible][illegible]

(१) राष्ट्रीय राजस्वों का प्रतिनिधित्व (Representations) राष्ट्रीय राजस्वों का प्रतिनिधित्व (Federal Debt) होने की वजह से राजस्वों का प्रतिनिधित्व केन्द्रीय सरकार को सौंपा जाता है।

(2) कार्यवाही की यह प्रतिक्रिया रिपोर्ट में उल्लिखित होनी, एक निश्चिती, राज्य प्रतिक्रिया समूह कायम होना। वेदांगिका की यह मांगकार्यवाही विषय की।¹

(३) जलेश्वरी की कुल अवस्था के प्रतिनिधित्व, जलजल के निरीक्षण के कार्यों, राजा कुलेश्वरी जलेश्वरी की कार्यवाही । जलजल के आधुनिक विकास के राज्य के प्रतिनिधित्व की अवस्था निरीक्षण की कार्यवाही ।

(५) कार्यपालका का निर्वाचित कार्यी हुन सुवर्नीयक कार्यी का कर्नालय हुन कार्यपालका के अधिकार क्षेत्र के ही रहेता हया ह ।

[10] जीव-मनुष्य का भी वैवाहिक सम्बन्ध का प्रतिपादक एका श्लोक का ।

(2) सम्मेलन-एजेंसी के कार्यकारी निदेशों का निष्ठापूर्वक पालन की जिम्मेदारियों को लागू की जाती है। तथा की सम्मेलन-एजेंसी की एजेंसी द्वारा की कार्यकारी निदेशों को पालने।

(14) जबकि पाठ्यों की तुलना पाठ्यों की ही नहीं किन्तु सत्य या, इसके विरुद्ध निर्दिष्ट अवस्था या, कि वे जहाँ पाठ्यों की एक प्रतिपाद्यों के कुछ प्रतिपाद्य अवस्था करी।

¹ The formation of the Federal Diet for German states was the great win of Metternich.

3. समस्या के दृष्टि बनना—विद्यार्थी आन्दोलन के दूरदर्शन की समस्याएँ दो प्रकार की हैं। एक-दूरदर्शन के क्षेत्रों पर एक-दूरदर्शन का अधिकार स्थापित करना जिसे हमने केन्द्रीय स्तरों पर स्थापित कर दिया है।¹ एक-दूरदर्शन के क्षेत्रों की दृष्टि का परिणाम विद्यार्थी वर्गों की समस्याओं की दृष्टि के रूप में हमने स्थापित किया है।² ऐतिहासिक और दूरदर्शन का स्तर के स्तर-स्तर के रूप में है। दूरदर्शन, दूरदर्शन, दूरदर्शन के विभिन्न स्तरों की स्थापना की है।

4. दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना—विद्यार्थी आन्दोलन की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है। दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है। दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है।

5. दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना—विद्यार्थी आन्दोलन की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है। दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है। दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है।

6. दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना—विद्यार्थी आन्दोलन के स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है। दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है। दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है।

7. दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना—विद्यार्थी आन्दोलन के स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है। दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है। दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है।

विद्यार्थी आन्दोलन का दूरदर्शन के स्थापना के स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है। दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना के रूप में दूरदर्शन के क्षेत्रों की स्थापना की है।

1. New issues problems were created with Vienna Congress.

2. Several or later, however, a protest was sent to be made.

—O. J. Thatcher

3. The freedom of Spain and Portugal were left untouched.

—Hume

4. Self interest in the long to give value of bargain and agree-

ments.

—Hume]

मुम्बई की मुम्बई और बम्बे के बीच की सीमा का नाम है। जबकि उसे फिर से बना देने के लिए मुम्बई की सीमा है, यही सीमा फिर एक बार और बना दी गई है। मुम्बई का विकास आसपास के क्षेत्र के लिए था। वे सभी इमारतों की मुम्बई के लिए सीमा-आसपास के क्षेत्र को बनाए रखने के लिए बनाए गए थे।

एक विशेष परिचितिहीन और कुतूहल परबोधित निभायी से उपस्थित होकर
विश्व राज्य समीक्ष-संस्था में एक वाद में भाग लेने के। पवित्र सभ सभ का
सदस्य होने का व्यावहारिक उपाय था।

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26

[illegible]

अभिषेक शर्मा का सचित्रांशिका माहसल

अद्वैत का अर्थ है कि यह सब एक ही वास्तविकता का अलग-अलग भाग है।

1. It was a trial for the birth of political conscience in Europe.

2. The Emperor's mood is not completely good. —Cauterbach

सर्वसाधारण मध्यमवर्ग शिक्षा की निर्धारण यही था, परन्तु इसका अन्तर्देशीय महत्व की कुछ जगहों से सुप्रसन्नकारी था। विषय की एक श्रम के यूनान की चीन की यह आकाशवाणी थी। अलास्का के यूरोप के राष्ट्र समुदाय व्यवस्था के सम्बन्ध में एक युग के अन्त की है। समुदाय व्यवस्था की आर्थिकता सुश्रुति के रूप में, यद्यपि श्रम के एक समुदाय शिक्षा का निर्माण किया था। यह विचार अधिकांश विद्यार्थी का मान्य है। अन्तर्देशीय व्यवस्था पर इस युग की विशेषता, कोसला बताया और उच्चतम व्यक्तिगत की समीक्षा की प्रति इसका शासन के रूप में प्रतिष्ठित किया। शक्ति और समुदाय के समीक्षाकारी कार्य का निर्माण यानी शिक्षा के लिए किया। बहुत से देशों ने अपने की दुर्गों के युग के अपने की श्रेष्ठता, यद्यपि विचारों से ही पायी थी। यूरोप में युग की अन्तर्गत व्यवस्था कार्यरत कार्य एक युगी यही थी, 1855 ई० के होने वाले अन्तर्देशीय अधिवेशन युग के अन्तिमता, श्रेष्ठ, स्वीकृत शक्ति में अन्त की अन्तर्गत बताया था। इस प्रकार युग की अन्तर्गत के यद्यपि यही श्रम के समुदाय की अधिकांश विचारों की। यह अन्तर्गत के अन्तर्गत शक्ति अन्तर्गत के एक युगप्रकार की मान्यता था। यद्यपि श्रम के सम्बन्ध में यह एक अन्तिमता, श्रम और अधिकांश एक मान्यता में सुशोभित रहे, श्रम एक युग का श्रेष्ठ यूरोप पर अन्तर्गत किया यही श्रम अन्तर्गत था। एक अन्तर्गत के अन्त होने वाले अन्तर्देशीय अधिवेशनों में की यही-यही पर अपने श्रेष्ठता की थी। इस अन्त की स्वीकार करने हुए एक विद्यालय में किया है—“विद्यार्थी-विद्यार्थी समीक्षा के अन्तर्गत में यद्यपि श्रम के अन्तर्गत के अन्तर्गत श्रेष्ठता विचार विचार की युग के दूर अन्तर्गत का अन्तर्गत किया था।” इस अन्त यद्यपि श्रम के अन्तर्देशीयता की अधिकांश श्रम के अन्तर्गत किया था।

यद्यपि श्रम की समीक्षा

यद्यपि श्रम अन्तर्गत अन्तर्देशीय में युग था। इसके अन्तर्गत में अन्तर्गत अन्तर्गत की अधिकांश शिक्षा में था किया था। यह श्रम अन्तर्गत अन्तर्गत के अन्तर्गत अन्तर्गत की यही अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत के विचार-विचारों के अन्तर्गत अन्तर्गत का की यही थी। अन्तिम यही युगी अन्तर्गत के अन्तर्गत अन्तर्गत की अन्तर्गत की अधिकांश की अन्तर्गत की अन्तर्गत था। अन्तर्गत और अधिकांश की अधिकांश के यह एक अन्तर्गत विचार-विचार थी, परन्तु अधिकांश विचारों और अन्तर्देशीय अधिकांश में अन्तर्गत में अन्तर्गत अन्तर्गत में अपने अन्तर्गत के ही अधिकांशता थी। विद्यालय की-अन्तर्गत में किया है—“यह कोई अधिकांश यही थी, अधिकांश की अधिकांश अन्तर्गत है, परन्तु अपने कोई अन्तर्गत अन्तर्गत की।” विद्यालय अन्तर्गत में की अन्तर्गत अधिकांश किया है कि “यह श्रम अन्तर्गत और अधिकांश अधिकांश की अन्तर्गत अधिकांश की।”

यह अन्तर्गत के अन्तर्देशीय अन्तर्गत अधिकांशता में की अन्तर्गत श्रम के अन्तर्गत

1. Holly Aharson has only a remarkable International reputation in the history of Modern Europe that this Alliance was the background of the European concert.
—JANE T.

नहीं बनाया गया था। यह प्रारम्भ में चार देशों का फिर फ्रांस के मिल जाने से पाँच देशों का एक छोटा-सा सच था। यूरोप के बहुत से छोटे-कमजोर राष्ट्रों ने तो इसे एक आदतों से युक्त माया-जास मान सच समझा था। इस तरह सार्वभौमिकता का अभाव सघीय-व्यवस्था की सफलता में बाधा रहा था।

5 प्रजासत्ताधिक विचारों का दमन करना—यूरोप के विभिन्न राष्ट्रों में प्रजातन्त्र की स्थापना की माँग उत्तरोत्तर वृद्धि करती जा रही थी। सविधान की माँग भी इटली, स्पेन, यूनान आदि में तेजी से चल रही थी। परन्तु नेटरनिश, सज़ाट और एंसेल्मेयर प्रथम इस सच के माध्यम से कान्ति और प्रजातन्त्र का दमन करना चाहते थे। इससे इस सघीय व्यवस्था के प्रति यूना तेजी से विकसित हुई थी।

6 इंग्लैण्ड का त्याग पत्र—इंग्लैण्ड इस सघीय व्यवस्था की कार्य पद्धति और निर्णयों से प्रारम्भ से ही असन्तुष्ट था। टोम्बा काब्रेस से ब्रिटेन की नागरिकी और अधिक बढ़ गयी थी। बैरोला काब्रेस से तो ब्रिटेन ने असन्तुष्ट होकर इस सघीय व्यवस्था से त्याग पत्र ही दे दिया था। नेटरनिश ने ब्रिटेन की परवाह ही नहीं की थी। इंग्लैण्ड की अनुपस्थिति से किसी सच का चलते रहना ग्यारह में असम्भव था।

7 खतरे का दस जाना—यूरोप के राष्ट्र एक खतरे के विरुद्ध एक सच पर एक-चित्त हुए थे। फ्रांस के सामूहिक खतरे का भय धीरे-धीरे समाप्त हो गया था। अब किसी यूरोप के राजा की शिहू गर्वना का भय समाप्त हो गया था। इस सामूहिक खतरे के दस जाने से मित राष्ट्र अलग-अलग अपनी-अपनी अपनी बचाने लगे थे और सच व्यवस्था टूट गयी थी।

सम्राट ने पा गया था, शिरों की राजपूतों की इसी लड़ाई इसी पक्ष की।

[illegible][illegible][illegible]

18-43 ई० के विषय के अनेक लेखों के सम्बन्धों में हैं। सम्बन्धों के भी सम्बन्ध

समझौते का इच्छुक हो गया था। डीक भी जटिल परिस्थितियों में पूर्ण स्वतन्त्रता की हवाएँ समझौते को ही चरान्त हल मानता था। 1867 ई० में वीन के पत्थर की भाँति एक सम्मानजनक समझौता हो गया था। इस समझौते से आस्ट्रिया का सम्राट, हंगरी का राजा भी मान लिया गया था। 1867 ई० के इस समझौते के द्वारा हंगरी को अपने आन्तरिक मामलों में पूर्ण स्वतन्त्रता दे दी गयी थी। हंगरी अब अपनी पूँचक विधानसभा, दूसरी गवर्नमेन्ट और पूँचक मन्त्रिपरिषद् बना सकता था। स्वायत्त शासन तन्त्र में भी हंगरी को सभी प्रकार के अधिकार मिल गए थे। कुछ महत्वपूर्ण विषय-वैदेशिक सम्बन्ध, अर्थव्यवस्था, युद्ध आदि समुक्त रहे थे। दोनों देशों का एक समुक्त 'प्रतिनिधि-मण्डल' भी रहना था, इसमें आस्ट्रिया और हंगरी की पार्लियामेन्ट के 60 प्रतिनिधि रहने थे। इन्हें कभी किसी राजधानी में कभी किसी राजधानी में अपना अधिवेशन करने थे।

1867 ई० तक दोहरी शासन व्यवस्था से हंगरी का बढ़ने की तुलना में नया रूप परिवर्तित हो गया था। स्वतन्त्रता की दृष्टि से यह एक सम्मानजनक स्थिति पर स्थित हो गया था। 1870 ई० के बाद से हंगरी पूर्ण स्वतन्त्रता के प्राप्ति के लिए पुनः सक्रिय हो गया था। आस्ट्रिया का प्रभाव हंगरी में घटने ही लगा था।

पूर्वी समस्या का ग्रहण—1815 से 1848 ई०

(THE QUESTION OF EASTERN PROBLEM—1815 TO 1848 A.D.)

पूर्वी समस्या का परिचय, पूर्वी साम्राज्य के विघटन के कारण, रूसिया का व्यवसायिक आन्दोलन, यूरोपीय सङ्गठन का विकास, सल्तनत-युद्धावस्था के प्रति भाव देशों की नीति, देहलीय सन्धि का निर्देश, निर्देश के प्रति रूस, यूरोपीय और भारत की नीति ।

पूर्वी साम्राज्य की समस्या ने बीजकाल तक यूरोप के देशों की अपने-आपसी का केन्द्र बनाये रखा था । अनेक देशों के मध्य यह स्वार्थ की सम्बन्धों रही थी । विघटन साम्राज्य के अन्तर्गत भारत ने भी मुद्रा होते रहे थे । इन युद्धों ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यूरोप के विभिन्न देश भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे । देशों का अपनी युद्धावस्था यूरोपीय राष्ट्रों की राजनीति का अनुसरण करके रह जाता था । विघटन देशों साम्राज्य का विघटन प्रारम्भ हो गया था । यही विघटन अन्तर्देशीय यूरोपीय राजनीति की मुख्य युद्धभूमि बना था । दो सतासवीं तक विभिन्न यूरोपीय रूसिया आनी समझौतों की अनेक देशों-यूरोपीय साम्राज्य की समस्याओं के लिए अधिक चिन्तित रहे थे, एक-दूसरे के सहारे हुए अन्धकार की रोशनी के लिए मुद्रा करने में भी नहीं द्विभक्तिवाते थे । देशों युद्धावस्था में स्थितिगत स्थायी में स्थित होकर विघटित साम्राज्य की युद्धावस्था की ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया था । ऐसी स्थिति में इनकी सम्बन्धों का साथ सदाचार-स्थानीय शासक निर्देशों के सहारे सन्तुष्ट शासक अपने के लिये स्वार्थ करने लगे थे । पूर्वी समस्या ने अनेक अतिरिक्त समस्याओं को पैदा किया था । यही अन्त साम्राज्य में यूरोपीय सङ्गठनों का कारण भी बना था ।

पूर्वी साम्राज्य का परिचय - पूर्वी साम्राज्य एक विशाल साम्राज्य था, इसने अनेकों राज्यों और छोटे-बड़े देशों का सम्मिलन हो गया था । भारत को इसी एक बहुत छोटा-सा देश रह गया है, कभी नहीं तुर्की में अपनी प्रतिभा और शक्ति के विघटन साम्राज्य पर अपनी प्रभुता स्थापित कर दी थी । विभिन्न प्रकार की संस्कृति, धर्म और भाषा के लोगों पर इनका आधिपत्य स्थापित हो गया था । यह तुर्की-पूर्वी साम्राज्य अनेकान अनेकान वसती सङ्गठनों तक पर फैला हुआ था । इस देशों-पूर्वी साम्राज्य में तीन महादेशों

कमरेरों को सहायक हथियों के बिना सेना की थी ।¹

3. **सुरक्षा का व्यवस्था**—यूनी साम्राज्य में विभिन्न साम्राज्यिकी और विभिन्न कर्मों के लोग रहते थे । साम्राज्यिक मन के सामरिक कर्मों के पहले रहते थे । युद्ध युनी सुरक्षाकारी की विचारों के बीच अनुसूचित रहते थे ।² साम्राज्यिक मन पर पर युनी में अपने और युनी कर्म के साथ कर्मों को सुरक्षा का व्यवस्थापन नहीं करता था ।³ हर पर सामरिक व्यवस्था की थी नहीं व्यवस्था करता था । इसके समय में ही सामरिक और अधिकारियों की शक्ति रहती थी । इस निमित्त वे युवावर्ग, कर्मचारी, कर्मियों में सामरिक की शक्ति दिया था ।

4. **साम्राज्य की विचारधारा**— विभिन्न-विभिन्न कर्मियों के लोगों की शक्ति के साथ हर एक साम्राज्य में समायोजित कर दिया गया था । युनी व्यवस्था इस विचार साम्राज्य की व्यवस्था कायम रहने में सक्षम नहीं रहती थी । केन्द्रीय साम्राज्य का विचार साम्राज्य अधिकारियों पर के दृष्टि बना गया था, सामरिक सुरक्षापन मन की व्यवस्था की विचार की व्यवस्था के साथ कर्मों की शक्ति के साथ रहने में ।⁴ साम्राज्य की विचारधारा विचार की शक्ति का साथ बन गयी थी ।

5. **सामरिक का व्यवस्था**— विभिन्न वे सामरिककारी साम्राज्य कर्मों के बीच के समय रहती थी । सामरिक राज्य सामरिक में सुरक्षा कर्मियों में एक महीन विचार का साथ बन दिया था, हम कर्मों की शक्ति का सामरिक कर्मों के विचारों के साथ की कर्मों की कर्मों के पहले के बिना विचार नहीं थी । सामरिक सामरिक के बिना साथ और शक्ति की शक्ति की युनी साम्राज्य में रहने वाली शक्ति युनी कर्मियों में कर्मों के साथ बन दिया था ।

6. **साम्राज्यिक व्यवस्थापन**—युनी व्यवस्था कर्मों-कर्मों विचारधारा की कर्मों के साथ शक्ति सामरिक थी । समय कर्मों के बिना साम्राज्यिक व्यवस्थापन विचारों के । कर्मों, युवा-विचारों और कर्मियों की शक्ति की शक्ति थी । विचार सामरिक की शक्ति के साथ और युनी सामरिक का विचार युनी शक्ति के साथ बना था । साम्राज्यिक व्यवस्थापनों के युवा के साथ साथ की युनी व्यवस्था के विचारों के साथ थे ।

7. **विचारों का व्यवस्थापन**—यूरोप और विचार के साथ साथ की युनी साम्राज्य के विचारों के साथ कर्मों के साथ और कर्मों के साथ व्यवस्था रहने थे । इस व्यवस्थापनों के विचार के साथ का कर्म दिया था । युवा व्यवस्थापनों के साथ

1. The military system of the empire, once the terror of Europe, was now in decay, both in discipline, in leadership and in equipment.

—HARRI

2. Tanks have never emotional unity and affection.

3. The government had never attempted to fuse the two elements but rather had always sharply differentiated them.

—HARRI

4. Always but loosely organized state was being broken up by the personal capriciousness and ambition of its agents.

—HARRI

विज्ञानोपनिषद् का कुछ हीन भाग हुआ तथा यजुर्वेद का महत्वपूर्ण हीन भाग बनकर रह गया। इस की इस विद्याम संहिता में कोई सम्प्रदाय नहीं था। इसकी शक्ति की यही व्याख्या में नहीं आ पायी थी।

अमिर खेलेली की खलि-मुल्दाई १८३३ ई.—बेदुल कबी और कुलाम खलुब खिलीन ने हुए कुछ विराय के लखखि के कल की कलुलामखल खलुले रलु कबी की । खलि दुली लखखल ने कल की लखखल खलि खलिखिलि खली रली की । खल-खिल कुलाम ने कली कलने की खलने के लिए । मुल्दाई, १८३३ ई. की अमिर खेलेली की खलि कल की । अमिर खेलेली की खलि के खिलीन के खलि है कि खल रलुले की खिली की खलुलाम कल कल ने रली लखखल ने खलाम खले खलि खलाम खल खिल कल । खल खल खलि खलि के खल खिलीन खिल ने ।

- (४) कम, कुर्मी की वैज्ञानिक महत्त्वता, वास्तविकी के विरुद्ध अस्वेय्य ।
(५) कम का यदि किसी देश के समर्थ होकर उसे कुर्मी कम की महत्त्वता अस्वेय्य ।
(६) वास्तविकता और वास्तविकता के अस्वेय्य महत्त्वता के भी कम के विरुद्ध अस्वेय्य ।

राष्ट्रीय इस संघ के बहुत सम्पन्न हुआ था। उसने दुर्गों सुझाने की 1800 थी।
 में हुए एक दुर्ग दुर्ग-राष्ट्रीय सम्पत्ति का संरक्षण की संस्था था, जिसके अनुसार निर्माण
 का कि दुर्गों किसी भी देश को बहुतों के होते के सम्पत्ति के सम्पत्ति और राष्ट्रीयता के
 सुविधा रही है। दुर्गों सुझाने में इसे-राष्ट्रीय सम्पत्ति के रूप में बहुतों के
 का संस्था किया था। जिस की राष्ट्रीय सम्पत्ति बहुतों के होते थे। जिसके-राष्ट्रीय
 सम्पत्ति के सुझाने की संस्था किया था। उसने कुछ को संस्था का ही संस्था किया था,
 एक राष्ट्रीय संस्था संस्था सुझाने की-संस्था रहा था। संस्था की संस्था के संस्था दुर्ग
 निर्माण का भी संस्था संस्था रही था, दुर्ग निर्माण, संस्था और दुर्गों के संस्था के संस्था
 संस्था किया रहा था, संस्था संस्था और संस्था के संस्था के संस्था के संस्था की
 संस्था की संस्था की थी। संस्था संस्था और-संस्था दुर्गों के संस्था संस्था था रहा था।

राजस्थान का 1848 का गणतन्त्र आन्दोलन—बनारस लोकोमो की लम्बे से
राजस्थान सम्बन्ध गहरी था। यह दो विभिन्न स्तरों पर चलाता था। यह दुर्गो शासन को
विद्रोह करने के द्वारा ही राजस्थान राज्य की स्थापना था। राजस्थान दुर्ग के द्वारा यह सब और
राज के बेटी राजवंश से भी निष्कास गहरी चलाता था। 1837 ई. में दुर्गो और निज के
बेटी राज गहरी लड़िका सब लगी थी। दुर्गो की पीठ पर लोभ था, क्या के लक्ष्यो निज
की, राज की सम्बन्ध राज के साथ था। दुर्गो राजस्थान सम्बन्ध के विद्रोह करने पर लक्ष्य
1839 ई. राजस्थान पर निज। दुर्गो के दुर्गो दुर्गो राज्य राजस्थान हुआ। राजस्थान
सम्बन्ध का राजस्थान हो गया, सब राजस्थान सम्बन्ध राज के साथ विद्रोह करने के निज
गया था। राजस्थान दुर्गो की राजस्थान के निज राजस्थान हो गया था, राजस्थान की राज
राजस्थान राजस्थान राजस्थान सम्बन्ध, विद्रोह करने के लक्ष्यो राज की राजस्थान

¹ The famous treaty marked the zenith of European influence at Constantinople. —Marras

कहा है कि उसकी प्रसारी दली में है कि यह सम्मेलन सम्मेलन के निर्णयों पर अपनी स्वीकृति की मोहर लगा दे। यदि निर्णय की वाक्य की शक्ति से कर लगाया जा। अतः यह भीन बैठ गया। बीमार्थ ने आत्मसन्तुष्टि के लिए पत्र त्याग दिया। मेहमत अली ने दक्षिण के पूर्व में इस सम्मेलन को दुकटा दिया था।

लामबर्टन का 1841 ई० का सम्मेलन सम्मेलन—मेहमत अली ने 1840 ई० के सम्मेलन सम्मेलन के निर्णयों को अस्वीकार कर पाक विषय राष्ट्रीय के मुद्दों पर विरोध कम से करारा लगाया जा रहा था। पाकों विषय राष्ट्रीय में सदस्य ईमिद कार्रवाई की। सीरिया के तट मार्ग पर विशेष सफलता मिली। बेरुत की इनके अधिकार क्षेत्र में आ गया। इराक़ीय कई स्थानों पर पराजित हुआ। इर्क़ी मुसलमान ने मेहमत अली की विषय के पास पर है हटा दिया। मेहमत अली की स्थिति बहुत दुर्बल होती चली गयी थी। आगे और सीरिया पर भी विषय राष्ट्रीय का अधिकार हो गया था। बीमार्थ के स्थान पर नया क्या प्रशासनिक विधान की इस्लाम से सभी सम्मेलन विधानों का पक्षपाती था, उसने मेहमत अली का साथ छोड़ दिया। समस्या के सुलझ के लिए 1841 ई० में सम्मेलन में पुन सम्मेलन हुआ। लामबर्टन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की सतत्त्व पर पाक की मात देने में सफल हुआ, कम की भी उसने पूर्ण रूप से पराजित कर दिया था। इस सम्मेलन के निर्णय थे

(i) मेहमत अली विषय का सत्तामुक्त बनने पर राजे।

(ii) मेहमत अली सीरिया, कीट आदि की भी मुक्त कर देना।

(iii) आसफ़ीरत, इरैक़ीय में किसी देश का मुद्र-मेरा नहीं रहेगा अर्थात्

अधिकार इरैक़ीय सन्धि में कम द्वारा प्राप्त सुविधाएँ समाप्त कर दी गयीं।

लामबर्टन की सफल कृतनीति से 1841 ई० का सम्मेलन सम्मेलन पूर्वी समस्या में एक भीन का पक्षर सिद्ध हुआ। इस्लाम में स्वाधिनान से औरत प्राप्त कर लिया। इस्लाम अपने हितों की इर्क़ी सफलता में आत्मसन्तुष्टि बनाने में सफल हुआ। लामबर्टन, इस्लाम का सत्ता पुन था, उसने अपनी सत्ताओं से मुद्र की दूर दक्षिण दिया, कम के प्रभाव को पूर्ण सफलता से शून्य कर दिया।

समस्त सुर्य-18 के सुर्य निर्देशन करने के लिए साक्ष्य के विषय करते हैं, वे यह दावा की बहि-
राष्ट्रीय की बदले के समर्थन कहा है है। बहुत राष्ट्रीय करने का संकेत दिया करता
था।

1. राजनीतिशास्त्री तन्त्र (Political Science)—राजनीतिशास्त्री तन्त्र, राजनीतिशास्त्र
शास्त्र पद्धति का समर्थन था। सुर्य तन्त्र का समर्थन की नहीं था था, तन्त्र का
राजनीतिक तन्त्र की तन्त्र पद्धति था, तन्त्र सुर्य तन्त्र, तन्त्र, तन्त्र का निर्देशन
है। तन्त्र का सुर्य तन्त्र कि राजनीतिशास्त्री तन्त्र निर्देशन की साक्ष्य के अनुसार की
निर्देशन नहीं के निर्देशन है।

(क) सुर्य राजनीतिशास्त्री (Political Science)—वे सुर्य तन्त्र के सुर्य तन्त्र राजनीति
के समर्थन है। तन्त्र पद्धति का सुर्य तन्त्र-शास्त्री तन्त्र का दावा था, तन्त्र के निर्देशन
के न सुर्य तन्त्र की का तन्त्र न ही के तन्त्र की तन्त्र का दावा है। वे दावा है की बहि-
राष्ट्रीय के समर्थन है। सुर्य तन्त्र, तन्त्र की का है ही सुर्य तन्त्र और तन्त्र का सुर्य
निर्देशन दावा है, तन्त्र का समर्थन के दावा करते है। तन्त्र, तन्त्र के तन्त्र का
निर्देशन दावा है। तन्त्र के तन्त्र की का सुर्य तन्त्र के तन्त्र का निर्देशन दावा है।
तन्त्र के तन्त्र के तन्त्र की का तन्त्र का तन्त्र का सुर्य तन्त्र का। 1814 का
तन्त्र राजनीति के लिए करता करते है। तन्त्र राजनीतिशास्त्री का तन्त्र दावा
का तन्त्र तन्त्र का दावा था। वे सुर्य तन्त्र के सुर्य राजनीतिशास्त्री, तन्त्र का
तन्त्र की दावा की तन्त्र का निर्देशन दावा है, तन्त्र के तन्त्र के तन्त्र के तन्त्र
और वे तन्त्र तन्त्र की तन्त्र तन्त्र का तन्त्र है। वे सुर्य-18 का तन्त्र की तन्त्र
करता दावा है।

(ख) तन्त्र राजनीतिशास्त्री (Modernized Science)—तन्त्र राजनीतिशास्त्री तन्त्र
के की सुर्य तन्त्र, तन्त्र, तन्त्र का निर्देशन तन्त्र के तन्त्र की है। वे की राजनीति की
ही तन्त्र करते है। वे तन्त्र के तन्त्र करते है कि सुर्य-18 और तन्त्र का तन्त्र के तन्त्र
की तन्त्र की तन्त्र का तन्त्र है। तन्त्र तन्त्र के तन्त्र राजनीति तन्त्र की तन्त्र
का तन्त्र का तन्त्र है। वे 1814 के तन्त्र के तन्त्र है। सुर्य-18 के तन्त्र तन्त्र
है। वे तन्त्र तन्त्र के लिए तन्त्र की तन्त्र का निर्देशन कर रहे है। सुर्य तन्त्र-
शास्त्री तन्त्र के तन्त्र तन्त्र की कि "तन्त्र के तन्त्र के तन्त्र की तन्त्र का तन्त्र
कर रहे", तन्त्र और तन्त्र तन्त्र तन्त्र और तन्त्र तन्त्र तन्त्र का तन्त्र है—
"तन्त्र राजनीति का निर्देशन कर रहे।"

2. तन्त्र तन्त्र का तन्त्र (Liberalism)—वे सुर्य-18 के तन्त्र तन्त्र राजनीति के
निर्देशन दावा है। तन्त्र तन्त्र के 1814 का तन्त्र तन्त्र था, वे तन्त्र तन्त्र का
तन्त्र का राजनीतिक तन्त्र की तन्त्र की तन्त्र दावा है। तन्त्र तन्त्र तन्त्र
की तन्त्र के तन्त्र का तन्त्र दावा है। तन्त्र, तन्त्र तन्त्र और तन्त्र तन्त्र तन्त्र की
तन्त्र के तन्त्र तन्त्र करने, तन्त्र तन्त्र तन्त्र की। तन्त्र तन्त्र तन्त्र के
तन्त्र के दावा के तन्त्र तन्त्र तन्त्र तन्त्र तन्त्र की तन्त्र के का तन्त्र तन्त्र
था।

3. **सोमार्तिस्ट (Socialists)**—केरोलिज बोसार्ड के अध्यक्ष बनि-
कारी, ईरिष तथा फ्रांसी ब्रम्ब इस दल में थे। वे सुई-18 को राज्य सेवा कार्यालयों की
सुविधा मांगते थे। इसका बहुत बड़ा हिस्सा की पार्टी पर सोमार्ड दल का ही अधिकार
है। वे केरोलिज के मजदूरी में भी सुधार के अलावा युव राजकुमार केरोलिज की शिक्षा
की राय बनाना चाहते थे। वे सुई-18 के विपक्ष मजदूरी में भी नहीं थे। यह दल का
एक अंश ही ब्रम्ब दल का।

4. **समाजवादी दल (Socialist Party)**—यह दल के अलावा के अलावा
हुआ एक समाजवादी दल की विधान का, जो किसी भी समाज के अलावा के विपक्ष
का। वे अधिकारपूर्ण, सब अधिकार के मजदूर की समुदायिता बनाने वाले
समाजवादी-राज्य का निर्माण करना चाहते थे। यह दल की सुई-18 के अंश सुविधाओं
के विपक्ष ही था। समाजवादी दल की अध्यक्ष, एडमंड और इसका बने बनि का अध्यक्ष
होता था।

सैन्य बालक की समस्या (The Problem of Child Labour)—यह बालक
के बाद ही सुई-18 की समस्या का बनाना करना बना था। एक सुविधाएं बालक
का के बाले समाज की नीति का समुदाय बना था, बहुत बड़ा समाजवादी और
बाले देश राज्य का बालक की सर्वोच्च समाज बना रही बना था। इसके
विपक्ष पर ही सर्वोच्च बने की समुदाय रही था। विधान बनाने वाली, सुविधाओं
तथा दूसरे में बहुत समाजवादी के विपक्ष बनाने शुरू कर गिरे थे। बालक बाल
बालक के मजदूरी सोमार्डिस्टों के भी विपक्षी थे। बालक की बालक का बालक
बने के बाद ही सुविधा सोमार्डिस्टों की हुमा एक बाली राज्य कर की थी, सर्वोच्च
बालक की बाल विधान बना रही थे। बालक और समाजवादी की बहुत विधान सैन्य
बालक के बाद के बाली बाली थी। सुई-18 के बालक और विपक्षी के सैन्य बालक के
बाल के लिए बहुत बाल की और विधानवादी की बने कर बाली बालक-बालक,
1815 की बालक। बालक बाल बालक बालक बाली था, बाले दल की बाली बाल,
बालक बाल विधान के विधान बहुत बाल हुआ। बाल दल बाली बाल बहुत बाल
बाल। बाल और बालक बाल बालक की विधान बालक बालक के बाल बाले बनाने
बने। बाल बाल-बालक बाल बाली, बालक बाल बाले हुए भी बहुत बालक-
बाली के विपक्ष बने बाली सुई-18 के बाल था। बालक बाल-बाली ने बालक
बालक बालक बालक बाले हुए बाल के बाल बाल विधान बना था। बालक बाले बाले
बालक बालक के विधान के बालक बना था। इन सोमार्डिस्टों पर समाजवादी
बालक बाले बाले, बालक और बालक बाले बाले थे। सोमार्डिस्ट बाल के देश
बालक बाले के बाल बाले थे। सैन्य बालक के सुई-18 के बालक सर्वोच्च बालक में
बालक बाल की थी। बाल बाली की बालक बाल विधान 1818 की सुई-18 के बालक

भाइया या, जाले ही नइ, कयपेईपेईल यमयन नर याले के दिहो की दुर्गि काले के की
विमल नर यमयन यो।

[illegible][illegible]

(३८) बिजली की वितरणिका पर चालते अभियन्ता तथा बिदु मर के । चालते की अनुमति के बिना चालते वारिकर को अस्वीकृत नहीं किया जा सकता था । किसी भी व्यक्ति के द्वारा जो कार्य भी किया जा सकता था ।

[illegible][illegible][illegible]

¹ He announced his firm intention to support the charter, and declared that all Freemen were, in his eyes, equal. —Huron

3. The king expressed the belief that by thus settling the last wounds of the Revolution would be closed.

पिप्रा पुरा और चार्ल्स फेलिक्स (Charles Felix) पीतलपट और लालचिन्ता के पुराने कला ।

(3) लोम्बार्डी के कठोर कानून (The Hard-rod at Lombardy).—
लोम्बार्डी कानून में कठोर कानून के माध्यम से प्रतिबंधों की आवश्यकता को प्रमाणित किया
जाता है। प्रतिबंधित कठोर ने कानून के प्रतिबंधित नियमों में बड़ा प्रभाव डाला है। प्रतिबंधित
प्रतिबंधितों ने प्रमुख राष्ट्रवादियों पर अत्याचार करने की नीति अपनाई है, जैसे
लेवारी की प्रतिबंधित कठोरों ने कानून का प्रतिबंधित अत्याचारों ने प्रतिबंधित किया गया
है। राष्ट्रवादियों के कठोर कानून प्रभावों के बिना उन्हें संरक्षकों के दुरी राज्य के बीच
काका का और अन्य प्रकार के कानून का प्रभाव करने है। लोम्बार्डी के संरक्षकों विदेशी
राष्ट्रवादियों के प्रभाव करने है। विदेशिक लोम्बार्डी के भी विदेशी की प्रभाव विदेशी की
प्रभावों की 1828-29 के कानून करने के कानून प्रभावित किया गया है।

गुडिरो मेडिली का योगदान (The Contribution of Giuseppe Medici) — मेडिली ने इटली के दूरीकरण में योगदान की कमी में अविचार्यता काफ़ी बरत करी ली है। मेडिली ने बहुत कुछ-कुछ का, मिलने ऐसे काम में इटली के दूरीकरण का अपना-अपना योगदान किया था, जब दूसरा की धुरी की योग्य शिक्षा कायम करना था। बहुत इटली का मित्रों और पड़ोसियों का उनके कार्मिक नियम में वास्तुशिल्प दृष्टिकोण की पारदर्शिता की थी। इटली के अर्थिक वर्गों में ऐसा असाध्य काम था, जो दूसरा और दूसरा की अर्थिक मूल्यों का बचाव था। मेडिली ने कुछ दृष्टिकोणों की समझ की आवश्यकता को ली दूरीकरण के कमी में बर्तते करते बताया था।

[illegible][illegible]

और नासि का रंग कबालो हूँ, जो कुम्हारों के लिए रेंवार रहता था। नासिहों को अनुभव है कि आन्दोलन अपना ही बना, नहीं, सोवियत में पुनर्जात कबालो की लूटो का बिना किया गया, सोव की पुन कालों का भाग्य किम बना।

1839 के विद्रोह की सम्पत्तिका में कई ठान मिले हुए थे। एक प्रमुख नेतृत्व और कालों के द्वारा आन्दोलन नहीं करता था। नीरवस्था की एक उदात्त राहों का मेरा जो-उत्थित ही नीरवस्था के पालों के नेतृत्व में ही आन्दोलन करता रहा। यह नीरवस्थित कबालो का ही नीरव अन्त का रहता था। नीरवों में ही एक आन्दोलन के चल रहा था, पालों तक नीरवस्था के पालों एक ही के एक कालों में। पाला एक ही और नीरवों की नीरव-नीरव कालों में, एक ही उदात्त, नासिहों के पालों के ही नीरव पाला एक ही की कालों की ही और आन्दोलन आन्दोलन कालों का था। नीरवों की ही नीरव नीरवस्थितों में नीरव काला पाला था। नीरवस्थितों की कालों की अनुभवों की नीरव काला की, पालों की नीरव नासिहों कालों के पाला का रहा था, यह पाल के नीरव कालों का एक ही नीरवस्थित का रहा था। 1839 का विद्रोह का समय कालों का काल ही रहा था, पालों की आन्दोलन के अनुभव कालों के पालों में, एक ही नीरवस्था के पालों में पाला था, कालों का नीरव की ही कि "नीरव नीरव, नीरव पुन का नीरव, नीरव काल का, नीरव एक ही नीरव कालों का ही पुन कालों की कालों के नीरव कालों में।"

निरीरवस्थितों का उदात्त (The Office of Reorganisation)—कालों के पुन-पुनर्जात का पुनर्जात का एक महान आन्दोलन कालों का था। यह आन्दोलन निरीरवस्थितों कालों में काल कालों की नीरवस्था के कालों का निरीरवस्थित हुआ था। इस आन्दोलन का उदात्त नीरवस्थित कालों का निरीरवस्थित कालों में कालों का कि यह नासिहों के नासिहों के कालों का कालों का, यह पुनर्जात नीरव के इतिहास के काल-काल का। कालों कालों का उदात्त पुन कालों का—“एक कालों कालों कालों का निरीरव” इस आन्दोलन के कालों कालों की नीरवस्था की नीरवस्था के ही पुनर्जात कालों का ही नीरव नीरव कालों का नीरव कालों की नीरवस्था, कालों कालों की नीरवस्था, कालों के नीरवस्थित कालों में कालों और नासिहों कालों कालों कालों कालों की कालों कालों का ही नीरव नीरव कालों की नीरवस्था कालों की कालों पुन नासिहों कालों का। कालों और कालों की कालों में कालों नीरव कालों की। निरीरवस्थितों कालों का कालों कालों के कालों कालों कालों का। नीरवों में ही इस आन्दोलन के कालों कालों की ही। यह नीरवस्थित आन्दोलन कालों का, कालों कालों की एक कालों कालों का ही कालों कालों के कालों कालों का था।

1848 के विद्रोह (The Revolt of 1848)—1848 के कालों के कालों कालों का था। यह कालों के कालों कालों कालों के नीरव पुन कालों कालों का रहा। 1848 के नीरव कालों की कालों की कालों के कालों कालों कालों का था, यह पुनर्जात का निरीरव का और कालों की कालों के कालों कालों की

1848-49 का विद्रोह सफल नहीं हो पाया था । इसका एक प्रमुख कारण यह रहा था कि विभिन्न राज्यों में होने वाले विद्रोहों में एक मूल का विलान्त अभाव था, विद्रोहियों में कोई आपसी ताल-मेल नहीं था । इस आन्दोलन का अमिट प्रभाव पीछमाष्ट राज्य का एकीकरण के लिये नेतृत्व करने का आये आना स्थायी हो गया था । चार्ल्स एल्बर्ट ने अपने पुत्र विक्टर एम्यूनस द्वितीय को राजा बना दिया था, जिसने बड़ी सूझ-बूझ से इटली के स्वतन्त्रता आन्दोलन को नेतृत्व किया और सफलता का फल अजित किया था ।

ज़ार पाव प्रथम से ज़ार निकोलस प्रथम तक (CZAR PAUL 1ST TO CZAR NICHOLAS 1ST)

सामुद्रिक साम्राजिक शक्त, कठोर राज्यशास्त्र, आतंरिक राज्य की नियन्त्रिता और वैदेशिक नीति, आतंरिक व्यवस्था, व्यवस्था का व्यवस्थापन, पब्लिक शक्ति, आतंरिक नियंत्रण व्यवस्था की कठोर प्रवृत्ति और वैदेशिक नीति, पूर्व की राजशाही से प्रेरित, वैदेशिक युद्ध ।

यूनिफ़ा का एक नाम की शक्ति, एक बहुमुखी राजाजी के अन्तिम राजा की एक भी नाम यूरोपीय देशों की दुनिया में निर्यात हुआ है। यूनिफ़ा के देशों की एक ही एक साम्राजिक युद्धात्मा बहुत के साम्राजिक जीवन की शक्ति है। यहाँ रहीं थी। एक विशाल भौगोलिक क्षेत्र में फैला हुआ है, भारी और बहुभाषी ने इसकी सीमाओं का निर्धारण किया है। यह समीप की सदी में अन्तराष्ट्रिय बहुभाषी के रूप में आतंरिक और वैदेशिक राज्य के अन्तर्गत बहुभाषी एक विशिष्ट व्यवस्था की साम्राजिक और वर्ग का पालन करने वाली शक्तियों की अन्तर्गत के अन्तर्गत करने वाला एक विशाल राज्य था। अन्तर्गत ने एक भी की बहुत शक्ति—पीटर स्त्रुव (1682-1725) और साबाजी कैथरीन द्वितीय (1762-1796) अन्तर्गत के देशों की एक अन्तर्गत नीति, नीति ने एक भी साम्राजिक राजा की युद्धात्मा शक्तियों की शक्तियों में बाहर निकालने का साम्राजिक कार्य किया, यन्त्रु एक, राज्य यूरोप की अन्तर्गत की अन्तर्गत रही है। साम्राजिक कैथरीन द्वितीय ने वैदेशिक क्षेत्र में शक्ति अन्तर्गत की, यन्त्रु यह साम्राजिक युद्धात्मा की अन्तर्गत की रही युद्धात्मा की।

एक का साम्राजिक राज्य अन्तर्गत था। राजा और राज्यशास्त्र के साथ युद्ध। एक ही और राज्य की एक अन्तर्गत क्षेत्र अन्तर्गत क्षेत्र के क्षेत्र में, के क्षेत्र अन्तर्गत के युद्धात्मा का अन्तर्गत करने वाले अन्तर्गत राज्य वर्ग के क्षेत्र में। द्वितीय क्षेत्र के युद्धात्मा, अन्तर्गत, राज और क्षेत्र अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत वर्ग की अन्तर्गत थी, इसके क्षेत्र एक अन्तर्गत का अन्तर्गत युद्धात्मा की अन्तर्गत अन्तर्गत थी। युद्धात्मा और राजा की शक्ति अन्तर्गत थी। युद्धात्मा की भारी कर देने वाली थे, देशात्मा के कार्य करने वाली थे, क्षेत्रों में अन्तर्गत साम्राज्य राज थी। राजा की शक्ति युद्धात्मा और राज अन्तर्गत के क्षेत्र की शक्ति अन्तर्गत

के साथ राज्य की सुशुद्धी करीबन सार एलिजबेथर समय तक का संकाय बना। बाद एलिजबेथर ने पुनरागणनियों को कुलपना और कमीन अफार के अदालत का कस किया। बाद एलिजबेथर राजस्व और राज्य की वसिदारी के सम्बन्ध में सुधारों और अस्तराव की बारी बजावत काइला था, उसके बरिन के बरने, लम्बायसवार, काइल लम्बा, लुथियनवाद का सम्बन्धित किया था, सुडकिर कमी बहुत बिरकुत, रोम्बासरो कसकत बन गला का दो कमी वसिदारी और कमी साकाय में सुधीयारी लम्बा वसिदारी के बिने एक वीरद्विजयारी कसकतक की सुनिता का निर्वाह कसकत था। साकाय की और और सुधार का सुधन सब कमी बिना सम्बन्धित कोलोवत साधारी के कसकत के ही किया, उसके बहुत सुधारयारी बिनी साकीयारी वुं दीवीर, कोविन् ने उसके कसकतों बिबारी की और अधिक कसकतों बनाया। बाद एलिजबेथर ने कसकत के कमी कसकत की सुधारों का कसकत किया, 1570 तक बहुत कसकतों बनकर सुधार कसकत था, कसकत सुधीय के दो कमी सुधीयों का सुधन सब कमी का और कमी कसकत राजस्व-बारी की सुधार कमी के निर्वाह में। एक अन्य कसकत बहुत कमी दीवीर कमी 1575 में 1575 तक सुधी के कसकत सुधन सब और कमी कसकत के अधिक कसकत सुध में सुधार सुध, इसके अन्य कसकतों में अन्य किया।¹ बाद एलिजबेथर के जीवन की कसकतों और कसकत बिना कसकत की

(1) सुध-साकतों के सुधार (The restoration of broken-officers)—एलिजबेथर कसकत में कसकत के कस के कसकतों सुध की दीव रही की।¹ कसकत सुधारों की कसकत बिना कसकत, कसकत को कसकतों कसकत कसकत की और कसकत कसकत कसकत कसकतों का कसकत बन कसकत कसकत। कसकत बिना की कसकत कसकतों की और कसकत बिना कसकत कसकतों कोलोवित, एलिजबेथर बिना कसकत कसकतों कसकत कसकत के द्वारा कसकत को के कसकत कसकतों कीकसकत बिने कसकत कसकतों के कोवी की। क कसकत कसकत कसकत का कसकत था। कसकतों कसकत कसकत के की कसकत सुधार बिने कसकत। सुधारों की सुनिता के बिने कसकत कसकतों कसकत का कसकत बिना कसकत। एलिजबेथर ने कसकत कसकतों की कोलोवित बिना कसकत, कसकत-कसकत कसकत कसकत कसकत की। कस कसकत कसकत के कसकत कसकत की कोलोवित कसकतों कसकत को बहुत कसकत के कसकत के कसकत कसकत कसकत था, कसके सुधीय कसकतों के कसकतों की की दीव की की बि कसकत कसकतों कसकत का कसकत कसकतों कसकत।

(2) कसकत के कसकत (Liberalism in Poland)—कसकत एलिजबेथर

1 "The official historian of the period after 1815 could only say," "Everything was corrupt, everything unjust, everything dishonest."
—Hans

2 For several years after his accession he followed a progressive and reforming policy.

मे अपनी उदारवादी कृष्टिओं को अपनी पोलिश पीछे से भी खींचे रहा था। जिसका कारण मे वह भी होस शक नभसल्ला बाबा पोलैण्ड को कांछा राजधानी बना चुक था बाबा हुडा, बाबा मे स्वयं भी बहुत का काफ़ा पोलिश लड़ी किन्तु, एक उदार इतिहास पीछे की देले हुए को अपने अपनी एक कदम बहुत पर लगी। लड़ी-पीछे की वह कदम इतिहास की लगे काउन्सिलन लगी की और भी कलुष लगी की लगे कदम का परीक्षण लगी की। जेस और लगे की भी बहुत लगी रहा था, पीछे की अपनी बाबा ही लगे और किन्तु की बाबा लड़ी। पीछे मे उदारवाद मे इतिहास की लगी 1.6.5 मे लगे या लगे उदारवादी बाबा लगे किन्तु था।

(3) **फिलीपीन्स के प्रसार अभियान (The Liberal Campaigns in Phil-land)**—हीनान के कम को फिलिपा काईस के फिलीपीन्स का प्रसार साक्षात् की दुर-स्मृति के विस्तार का, कात एकेनिकनर फिलीपीन्सवाइकी के प्रति की प्रसार कीर लोचनीक बना । प्रसार के सभी प्रयत्न की बलों की बहुत पर पाई । अदुष्टि के विस्तार कीर एक प्रसार अभियान बना । पर लोचनीक विस्तार ।

[illegible]

हेनोविल्लेन के पञ्चम के बाद बाद एडविगिस्टर के राज्य के उदात्तवाद की स्वीकार किया, उसने वास्तव में नृ-1.8 को उदात्त एडविगिस्टर के के लिये प्रेरणा दी, नृ-1.8 के उदात्त एडविगिस्टर के पर नृ-1 की प्रेरणा की प्रेरणा दिया ।

(5) **Law's square is right** (The role of Vienna Settlement)—

1) Under him Russia took a leading part in the politics and war of Europe.

द्वितीय फ्रांसीसी गणतन्त्र और द्वितीय साम्राज्य (SECOND FRENCH REPUBLIC AND SECOND EMPIRE)

1848 की क्रांति के पश्चात् उत्पन्नी सरकार, गणतन्त्रवाधियों की राष्ट्रीय कार्यवाहक, गणतन्त्रवाधियों की विप्लवा, द्वितीय गणतन्त्र में पूर्वी फेरीसियन का राष्ट्रपति बनना, पूर्वी फेरीसियन द्वारा फर.६-१८४८, पूर्वी फेरीसियन क्रांति का विफलता और पुनः पुनः, फेरीसियन विद्रोह पश्चात् द्वितीय फ्रांसीसी गणतन्त्र की स्थापना, 1870 में पतन।

फरवरी 1848 में पूर्वी फ्रांसीसी के विद्रोह गणतन्त्रवाधियों और गणतन्त्रवाधियों के संयुक्त प्रयासों में एक नया क्रांति हो गयी। पूर्वी फ्रांसीसी ने अपने पुनः 'सामान्य मध्य फेरीसिय' की प्रथमी वाता उत्पन्न मध्य फेरीसिय के संरक्षण में गणतन्त्र के पक्ष में राजा बनने वाले का प्रस्ताव रखा, परन्तु क्रांति के उत्पन्न में उन्होंने गणतन्त्र की स्वीकार नहीं किया। क्रांति के बाद दोनों पक्षों की एक अस्थायी-सरकार (Provisional Government) 11 फरवरी, 1848 को बनी। इस अस्थायी सरकार ने केवल एक कड़ाह तक कार्य किया था। अस्थायी सरकार ने गणतन्त्र को क्रांति और लोकतन्त्र का सुवर्णता स्वरूप दिखाते हुए 26 फरवरी को घोषणा की थी कि "हम हर प्रकार के गणतन्त्र को सर्वोच्च के लिए इस वाक्य के समर्थन करते हैं कि वह फिर कभी लोकतन्त्र वापस नहीं आयेगा।" अस्थायी सरकार की यह घोषणा गणतन्त्र के विद्रोह में सुझावे लगी, इसने उत्पन्न हो गणतन्त्र, फ्रांसीसी इतिहास में 'द्वितीय गणतन्त्र' (Second Republic) की स्थापना कर दी, परन्तु वह गणतन्त्र बहुत छोटी अवधि तक बना यह सत्ता और उस अवधि में वह गणतन्त्र की शक्तों की ही सीमाएँ रखा, पूर्वी अस्थायी सरकार द्वारा स्थापित गणतन्त्र में चुनाव के द्वारा राष्ट्र के उत्पन्न का राजा करने वाले गणतन्त्रवादी राजा में आ गये थे। गणतन्त्र सर्वोच्च सुप्रीम गणतन्त्र की वाक्य फेरीसियन मत में लोकतन्त्रवादी मत में हो गया था। 1848 से 1870 तक का पूरा लोकतन्त्रवादी राजतन्त्र फेरीसियन क्रांति का पुनः बन गया था, उसने 1852 के नवम्बर माह में पुनः द्वितीय-साम्राज्य (Second Empire) की स्थापना कर दी थी और फलस्वरूप को दसवीं तक लोकतन्त्र में विद्रोह रखा था।

जायी जो राष्ट्रीय कार्यशालाएँ स्थापित करने का अधिक विस्तार बना। कर्मचारी संगठन की दृष्टि एक कार्यशाला के सम्मिलन रही थी, यद्यपि वे राष्ट्रीय कार्यशालाएँ, गुटार, बहुत कम कर पायी थीं क्योंकि कर्मचारी का हाथ कम बना।

राष्ट्रीय कार्यशालाएँ और आम-आजीवन (National Workshops and Labour Colonisation)—राष्ट्रीय कार्यशालाओं के कार्यों की सुधार का वे पहले के सिद्ध आन्दोलन संगठन ने एक कम-आजीवन, नई व्यापक की व्यवस्था में प्रतिष्ठ किया और इसका उद्देश्य कार्यशाला व्यवस्थाओं में स्थापित किया गया। नई व्यापक ने कर्मचारी देश के व्यवस्थाओं को एकता का कार्यशाला बनाया और पहले ही राज्य के कार्यों की कठिने की सोचना करायी गयी, यह सोचना कर्मचारी के अभाव के अभाव रहा। आम-आजीवन की कर्मचारी संगठन के पहले बहुत कर्मचारी पड़ती थी, ही अधिक विरोधी पर हीने कार्यशाला करने के अधिकार प्राप्त नहीं थे।

राष्ट्रीय कार्यशालाएँ स्थापित की गयी और, सोच ही करता वे इसका का केन्द्र बन गयी। कर्मचारी संगठन के कार्यशाला टाउन सोचने की एकताओं के ही हुए थे, इसीलिए एक कार्यशालाओं की व्यवस्था का कार्य नई व्यापक के अधिकारी अधिकार सभी कार्य की सोच गया। कार्य ने व्यवस्था के बहुत का कि वे नई उत्तरदायित्व प्राप्त करने के लिए इसीलिए किया है कि जिससे नई व्यापक व्यवस्था में सुनिश्चित स्थिति बन गई। राष्ट्रीय कार्यशालाएँ स्थापित कर दी गयी, और अधिकारी के लिए ही हीन कर्मचारी अधिकार नहीं गयी। अधिकारी की व्यवस्था के अभाव में विरोधी कार्यों के अभाव बना, जिससे कर्मचारी गयी और व्यवस्था व्यवस्था में अनेक राष्ट्रीय कार्यशालाओं पर कर्मचारी का बनाया गया। कार्यशालाओं में अधिकारी की कर्मचारी गयी, कार्यशाला और अधिकार अधिकारी की नहीं होने गये। कार्य के कार्य में कर्मचारी गुटार अधिक थे, ही अधिक के कार्य के 60,000 अधिक-कार्यशाला में हीन कार्य के इसकी कर्मचारी एक कार्य शुरू गयी थी। अनेक अधिक कर्मचारी गयी, संगठन ने कर्मचारी के कार्य के केन्द्र की गिन ही होने विरोधी और कर्मचारी का केन्द्र है हीन अधिकार का किया गया। राष्ट्रीय कार्यशालाएँ और कर्मचारी ने एक गयी थी, इसके द्वारा अधिकारी की कर्मचारी का एक नहीं ही गया, केन्द्र का कार्यशाला की एक गयी उत्तरदायित्व यह रही थी कि कर्मचारी व्यवस्था का उत्तरदायित्व किया और अधिक कर्मचारी कर्मचारी—गुटारही, अधिकारी, गुटारही और सोच का कार्यशाला बनाने वाली कार्य का अधिकार हुआ।

पहले राष्ट्रीय अधिकार बनाने की नयी संगठन (First Generalization of First National Colonisation Association)—कर्मचारी संगठन ने देश का अधिकार बनाने के लिए 1840 कर्मचारी की राष्ट्रीय अधिकार बनाने का सुनिश्चित-कर्मचारी अधिकार के द्वारा 25 अधिकार, 1848 की कर्मचारी। गये हीने के 10 राज्य कर्मचारी के अधिकार बना का निर्वाचन किया, एक ही की कर्मचारी के केन्द्र की व्यवस्था किया के कर्मचारी के, कर्मचारी संगठन इस कार्य के लिए ही गये थे। 4 मई 1848 की इन्होंने अपनी व्यवस्था के कार्य का कार्य किया, कार्यशाला के ही इन्होंने कर्मचारी की का कर्मचारी बहुत कर दिया। कर्मचारी के देश का कार्यशाला बनाने का कार्यशाला बनाने के विरोधी कार्य

जाया नहीं था। सम्माननीय सचिवालय का जोरदार प्रतिकार, यूरेन केरोलिन के द्वारा अपने वह परम्परा के अनुसार किया गया। विभिन्न विचारों से कि कपडा द्वारा एक सचिवालय की कपडा बनने शुरू किया गया कि "जिसे यही सचिवालय वास्तुनिक कपडा की सम्माननीय और प्रभावशाली परम्पराओं के अनुसार है और केरोलिनसकल तथा उदाहरण के द्विती को सुनना के लिए यूरेन राज्य से नाम किया गया है।"

यूरेन केरोलिनस को सचिवालय बनने के साथ ही नाम नहीं किया, वह नाम-राम के बनने। सोमरियल: बनने के लिए रीने बनने बना। अपने अपने कपडा बनने के बनने की भी बीटा ही एक वर्ष बाद हुआ कर लिया। 21 नवम्बर, 1852 को कपडा पर की कपडा के लिए कपडा कपडा कपडा बना। लिखने बने के सचिवालय-सचिवालय के अनुसार के लिए कपडा के बने कपडा कपडा के बने के भी सचिवालय का यूरेन केरोलिन के बने के बने : 7824129 कपडा बना कपडा कपडा के बने के लिए कपडा के और 253149 वास्तुनिक पर की कपडा के बने के कपडा के लिखने के से : वह लिखने कपडा के कपडा ही पर, 2 नवम्बर, 1852 को बनने कपडा कपडा के वास्तुनिक और कपडा-सचिवालय कपडा की कपडा-सचिवालय के बने कपडा कपडा की कपडा-सचिवालय पर लिख और कपडा-सचिवालय कपडा की भी बने बन लिखा। कपडा-सचिवालय (कपडा-सचिवालय का सचिवालय) कपडा-सचिवालय के द्वारा एक बार कपडा कपडा की सम्माननीय कपडा।

द्वितीय-सचिवालय की कपडा

(The Establishment of Second Chapter)

वास्तुनिक और वास्तुनिक यूरेन केरोलिनस द्वारा 2 नवम्बर, 1852 को कपडा-सचिवालय (Chapter-2) कपडा कपडा और केरोलिनस के कपडा की सचिवालय-सचिवालय सचिवालय लिखने शुरू कपडा-सचिवालय की। अपने कपडा—"कपडा की कपडा कपडा है कि कपडा-सचिवालय कपडा कपडा है, कपडा कपडा-सचिवालय कपडा कपडा है—"यूरेन कपडा पर के कपडा की कपडा लिखने लिखने की कपडा कपडा है और कपडा कपडा-सचिवालय कपडा कपडा की कपडा-सचिवालय कपडा है।" के कपडा-सचिवालय, कपडा के कपडा-सचिवालय के कपडा-सचिवालय के लिए कपडा, कपडा और कपडा की कपडा-सचिवालय कपडा कपडा है। कपडा कपडा की कपडा कपडा कपडा के कपडा कपडा है। के कपडा कपडा है—कपडा को कपडा-सचिवालय कपडा-सचिवालय को कपडा कपडा कपडा की कपडा-सचिवालय के लिए कपडा कपडा, कपडा कपडा के कपडा-सचिवालय कपडा की कपडा कपडा, कपडा कपडा की कपडा कपडा और कपडा कपडा-सचिवालय की कपडा-सचिवालय कपडा।" कपडा की कपडा कपडा-सचिवालय का कपडा पर कपडा कपडा कपडा, कपडा कपडा-सचिवालय के कपडा कपडा के कपडा के कपडा के कपडा कपडा की कपडा कपडा, कपडा की कपडा कपडा और कपडा कपडा-सचिवालय की कपडा-सचिवालय कपडा।"

कपडा कपडा के को कपडा कपडा, कपडा के कपडा कपडा, कपडा और कपडा की कपडा के लिए केरोलिनस कपडा के एक सचिवालय कपडा कपडा कपडा की कपडा (Established Chapter 2) के कपडा कपडा। कपडा-सचिवालय कपडा-सचिवालय के कपडा कपडा का, कपडा कपडा कपडा कपडा और कपडा-सचिवालय की कपडा की। कपडा-सचिवालय के कपडा-सचिवालय कपडा की कपडा कपडा और कपडा-सचिवालय की कपडा कपडा का और कपडा-सचिवालय के कपडा-सचिवालय

घाई करने में सम्मिलित हो जाती थी। दुकानों की बगतीलियों का प्यार बड़ी जित इसका था, फेलीप इसकाट में एक राखकुम्हारी के निवास में वह अपना के भरी की पीठ धुन्वाली थी। फेलीपियन के पास था एक कपड़ा साधारण-दुन्देरी को भी पसन्द आता है।

द्वितीय साक्षात्कार का सविधान—सद्वृत्त मैनेजिमेंट की सहाय्य मैनेजिमेंट दृष्टिकोण का विमर्शित रूप नहीं है, उसमें अपना ही औद्योगिक प्रणाली को समुदाय बनाने के लिए और अपने लिए विद्युत् विनिर्माणकार प्रणाली बनाने के लिए एक नया सविधान लागू किया। नवीन सविधान के अनुसार राजा की कार्यप्रणाली के सभी सविधान तथा किसी साक्ष्य-दृष्टिकोण समुदाय के द्वारा ही भी। सविधानीय के सभी नवीनो को विद्युत् और वह विद्युत् का अधिकार सहाय्य की सहाय्य के सुनिश्चित कर दिया गया। विधान तथा वे साक्ष्यी प्रणाली की सहाय्य की प्रणाली के ही या प्रणाली का, अपने ही व्यवसायिक सहाय्य की विद्युत् सहाय्य की या सहाय्य की। राजा की सहाय्य प्रणाली सहाय्य राजा के विधान के ही सहाय्य की, उसकी प्रणाली के विधान सहाय्य बनाने का उनके राज-सौंदर्य सहाय्य सहाय्य और वैधानिक अधिकार नहीं था। साक्षात्कार की व्यवसायिक सहाय्य हीन सहाय्य नहीं थी।

(i) **राज्य परिषद् (Council of States)**—राज्य परिषद् के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा की जाती है। यह राज्य की समस्त सरकार द्वारा राज्य सरकार की, इसकी सदस्यों के द्वारा नियुक्त किया गया राज्यपाल नियुक्तियों के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है।

[illegible]

(14) **सीमेट (Simant)**—संभार में सज्जित होकर मातृगोत्र में जाकर ली जाय-
विहित करने के लिये सीमेट नामक सामान का सज्जित हो करती रहता । सीमेट के
समय और सभी कदमों की विधुक्ति का सज्जित संभार की ही था । इस करने में
पत्नी के ही सज्जितकारी विमुख मिले करते थे । यह सज्जित करने के लिये मातृगोत्र की
मातृ की, सज्जित करने के सज्जित करने की कर करती थी । सीमेट, राजा की पत्नीमातृगोत्र
की पूजा करने में विशेष महत्व था ।

इस जनरल इस सविधान का पूर्ण मान्यता प्राप्तकर्ता था, क्योंकि इसका मतलब है सविधान सविधान की शक्तों के साथ ही सुरक्षित है। 1855 के 1868 तक यह

कांग्रेस ने केरोलिनन की इस नीयत के कारण तीन कुछ समय के लिए सोचा, परन्तु अन्ततः विचार ने नहीं, क्योंकि उसे एकीकरण की एक सच्ची खासई नहीं मिली थी।

केरोलिनन कृत्रिम ने अपने कारण इस कुछ की सोचने के लीलास की सिद्ध करने के लिए कहा है : परन्तु हमारे उन्म की दृष्टि से, निम्नके कारण केरोलिनन ने यह कुछ नीय में सोच लिया था : भारतीयों केला में लीलासी केला ही नहीं थी, एक समकृत इटली परन्तु के रोमोन के भविष्य में यन्त्र के लिए सारा उन्म हीने का माभास ही गया था। केरोलिनन को यह भी का हो गया था कि बहुत यन्त्र इस कुछ में पराजित हो न हो पाये। हमने भारतीयकरण भी किया कि “यूरोप की इन्का के सिद्ध होने इटली की लालसी के कुछ के हिस्सा किया, परन्तु अब अपने केन की सुझा के लिए कुछ का अधिमान कर, इटली की लालसा को लीलास किया।” अन्ततः केरोलिनन के अधिमान में यह विचार की सील गया कि यदि इटली का एकीकरण हो गया तो लीलासी के सुने ईश्वर नीय का का होना ? इस लीलासीकी के केरोलिनन अपने लालसा की पराजित न करते हुए कुछ की सहाय कर दिया। इटली में लालसी अधिमान में सुझासी में काय किया और अपने कुछ नहीं सारा, तथा केरोलिनन के अधिमान के काय हुए लालसी को लीलास कर दिया। यह कुछ लीलासी के कुछ के काय लालसा हो गया था।

11. सुझाई, 1859 की विचारनीय की अधि—केरोलिनन ने लीलासी की सहाई के काय कायूर की काय लीने किया अधिमान के कुछ की विचार अधि “लिया की” की अधि कर दी। हमने लीने के—

- (i) लीलासी का इटली का उन्म होना।
- (ii) केरोलिनन का अधिमान का ही अधिमान काय होना।
- (iii) लीलास उन्म लालसा का लालसा नीय की इन्का काय कर का है।
- (iv) लालसी, लीलासी और इटली लालसी की काय में विचार कर अपने लालसी की काय दिया था, काय लालसी काय का सुने लालसी को काय लालसी में ही लालसी। लालसा की काय इटली काय काय काय, अपने अपने लालसा विचार एकात्म की केरोलिनन कृत्रिम के सिद्ध लालसाही करने का काय किया, परन्तु विचार एकात्म में कोई कुछ लालसा नीय नहीं लालसा काय, कायूर ने लालसा में किया, परन्तु कुछ लालसा काय काय काय, लालसासी काय काय। लालसा विचार एकात्म नीय कायूर ने केरोलिनन कृत्रिम की लालसा लालसा लालसी के लिए लालसा तथा नीय काय कर लीने। केरोलिनन कृत्रिम की काय के लालसा लालसी काय नहीं थी, अधिमान अपने लालसी, लीलासी और लालसी लालसी के लालसा लालसा के लिए लालसा लालसा लालसा लालसा लालसा लालसा, अपने लालसा लालसा में लालसा लालसा में किया लीने काय : केरोलिनन कृत्रिम ने इटली लालसी लीलास को लालसा का नीय यह यूरोप का एक लालसी लालसा लालसा यह काय का : लालसा तथा नीय पर अधिमान कर अपने लालसा लालसा को लालसा की भी लालसा कर दी थी। नीय के लालसा के लीने भी लालसा लालसा लालसा हो गया था, अधिमान लीलासी की दृष्टि में यह लालसा काय काय काय काय।

लालसा—लालसा के लालसा में केरोलिनन कृत्रिम की लीलासी लालसा लालसा

होना और, लगावगर्भी ने जलजिह्व देखा जिसे जाने उसे । जलिन की वापस आने
आने की आकाश की जल-जल वापस ने जल नद दिया था ।

आज में परिचितपद की अवस्था में जो 1.5 नुमाई को कुछ ही अतिशयोक्ति पर जोरदार ध्यान दिया। कैपिटलिज्म नृवीय इस समय पूर्व का ही कहा जा। कुछ जोरदार का ही नहीं। इस की सेवा को समझता आता होने नहीं। यह सेवा सुखाने इस अति पर का अर्थ, कुछ नहीं। एक बलवर, सुखाने में यहीही केवलपक्ष करने की अति सेवाओं में समझकर केवल में पूर्व में कभी कर दिया। इस सुखाने एक विचार केला केवल। विचारन को कुछ के संयम में केवल की कुछ के अतिशय हुआ। परन्तु अपने ध्यान का विचारन एक सुख पर और इस केवल की कुछ में यह सुखी सुख के परचित हो गया। क्या साथ काहीही हीनता करने अती का अतिशय करने में काय की अती समझ कैपिटलिज्म नृवीय को कभी करने कभी की विचारित क्या नहीं जाने में। अतिशय की समझ अतिशय केवल एक हीने में नहीं नहीं का कभी की, समझ समझ में 3 विचारन, 1970 को समझ की समझ सुखाने विचारन की की कि "मे सेवा के साथ परचित हीनता कभी क्या दिया क्या हु।" सेवा में साथ कभी ही नहीं की। समझ के अतिशय सेवा परचित की अतिशय का समझन की समझन करना चाहते में। 4 विचारन को विचारन क्या की हीनता की समझ की समझ में पर विचार और विचारन कभी कि "समझन का साथ ही, समझन केवल नहीं, समझन विचारन।" कैपिटलिज्म केवल समझनकाही सेवा में साथ केलाही की साथ केवल हीनता में केवल कभी कुछ हीनता-हीनता में समझन की समझन और समझन की समझन की हीनता इस काय के काय की कि इस सुख पर समझन कभी समझ हीनता नहीं का समझ। कैपिटलिज्म नृवीय में विचारन की परि-स्थान की हीनता का ही और काय में यह हीनता के कभी कुछ दिनों की सुखाने की कि विचारन क्या कहा जा।

राज्य की राष्ट्रीय प्रशासक सरकार की राय बहुते इसी राय की समर्थन केन्द्रों का प्रभावशाली करता रहा था। वैश्व के क्षेत्र में प्रशासिकों की समर्थन और ही थी। 28 फरवरी, 1871 की प्रस्तावों के कारण प्रशासिकों के द्वारा प्रशासनिक कार्य किया था। प्रशासिकों ने ही समर्थन की समर्थन में बहुत प्रयोग करी प्रस्ताव को समर्थन के बिना प्रस्ताव किया था। इस प्रस्ताव 1870 के एक प्रशासनिक प्रस्ताव प्रशासनिक कार्य प्रस्ताव को समर्थन के बिना प्रस्ताव किया था। इस प्रस्ताव 1870 के एक प्रशासनिक प्रस्ताव प्रशासनिक कार्य प्रस्ताव को समर्थन के बिना प्रस्ताव किया था।

सम्राट नेपोलियन तृतीय की मृत्यु के कारणों का एक संक्षिप्त विवरण
(A Brief Account of the Causes of the Down fall of Emperor
Napoleon III)

[illegible]

की। नुत-नौन में यह शक्ति और विचार का समर्थक था, जबकि अन्तराष्ट्रीय क्षेत्र में यह बुद्ध करने योग्य उपाय करता पाइला था। इस प्रकार दोहरी नीति के साक्षात्कार में यह युगी शब्द में समझ गया था। राजनितिकी की शक्ति यह सभी एक तर्क के सभी दूसरे तर्क में सीधे की सम्बन्ध करने का उपाय करता था, अन्तराष्ट्र में उसे ऐसी दो सीधें की समझ में आता था।

7. साक्षात्कारकी कृष्ण—केरोलिनस दुर्गम में जाने वाला की शक्ति साक्षात्कार-शक्ति की शक्ति, न किनेने वाली कृष्ण विचारण की। यह साक्षात्कार शक्ति के लिए शक्ति सिद्धांतों और राजनितिक शक्तियों की एक-सीधें में साक्ष्य कर देता था, इसने इसकी और समझी के साथ इसने के केरोलिनस शक्ति-शक्ति में। यह साक्षात्कारकी शक्ति इसने उपाय का एक कृष्ण करण समझी सभी सभी की।

8. अन्तराष्ट्रीय कृष्ण—केरोलिनस दुर्गम समझाता था। यह नीति यह समझी की केरोलिनस शक्ति केकर सभी कृष्ण विचारण के लिए जाता था। एक युवा की शक्ति इसने सभी-सभी की समझ में आता था। परन्तु इन युवा में उसे समझता सभी-समझ ही जाता हुई। अन्तराष्ट्रीय कृष्ण की के कर में यह दुर्गम का समझ साक्ष्य कर युवा था। यह शक्ति इसने लिए बहुत करता सभी।

9. शक्ति नीति—केरोलिनस दुर्गम की शक्ति नीति की समझी समझाता-इसने उपाय के लिए शक्ति उपायानी की। 1840 के बाद में की यह शक्ति समझी में युगी उपाय के साक्ष्य होता गया था। इसकी की नीति में सीधें देता, सीधें के सीधें की नीति के लिए समझा उपाय देता। शक्ति की के साथ-साथ केरोलिनस की शक्ति जाता देता, जबकि उसकी शक्तिानी साक्ष्य के साक्ष्य केरोलिनस में समझ विचार सभी शक्ति समझ की की कि "शक्तिानी साक्ष्य की शक्ति नीति, इसे नीति सीधें में न सीधें।" उपाय के साक्ष्य विचारानी साक्ष्य की यह युवा था किता उपाय और साक्ष्य-नीतिनी सीधें उपाय में इसने समझ नहीं किया और शक्ति के लिए समझ लिए एक साक्ष्य उपाय सीधें ही शक्ति किया।

10. शक्तिानी नीति का उपाय—केरोलिनस दुर्गम में साक्ष्य समझता समझी कर की की, इसने नीतिनी शक्तिानी और शक्ति का विचार देनी के होने जाता था। 1851 के बाद में एक समझानी नीति की शक्ति का समझ समझ के लिए कृष्ण समझानीनी में एक समझ समझ सभी साक्ष्य समझ जाता युवा कर दिया। साक्ष्य में इसने शक्ति शक्तिनी समझ कृष्णता समझ दिया। इसकी नीति एक नीतिनी सभी नीतिनी में उसे समझानी समझ के की। शक्ति नीति इस समझानी समझ नीतिनी शक्तिानी नीतिनी। नीति ही यह समझानीनी का समझ का देता समझ। केरोलिनस दुर्गम के शक्ति इसने एक नीति नीति की समझ दिया। केरोलिनस दुर्गम का समझ ही जाने के बाद इसने ही समझानी नीति नीतिनी की की।

पूर्वी समस्या—क्रीमिया युद्ध
(EASTERN PROBLEM—CRIMIA WAR)

दूरी कायदा में कलकत्ता, बर्लिन, मुंबई की उत्पत्ति, विभिन्न देशों में उत्पत्ति, मुंबई का विकास और उत्पत्ति, बर्लिन की उत्पत्ति और बर्लिन मुंबई की उत्पत्ति ।

दुर्गो शास्त्रात्म्य की सुनार-सुनार कुम्हनी के आकर्षण ने यूरोपीय नरकों ने 1848 के बाद पुनः जीवनमय रीति कर दिया। उनकी के सुनार-सुनार एक ही-हीनता एक ही कुम्हनी की सुनार रीति के लिये कुछ की हीनता नहीं जाने के, इसलिए ने सब की यूरोप के राजाओं की उपाय आचरण वाली रहती थी। इस प्रकार दुर्गो शास्त्रात्म्य की उपाय आचरण की तरह पुनः हीन-हीन हो गयी थी। इस सम्बन्ध में 1854 में अन्तर-राष्ट्रियतात्मक सब आचरण कर दिया था और सब के बाद मिलीतल सब की बहुभाषाता तथा नैतिकता हीन की शास्त्रात्म्यकी सुनार ने एक यूरोपीय युद्ध की कल्पना कर दिया था। वह यूरोपीय युद्ध, जोशिया युद्ध हुआ था और इस जोशिया युद्ध के बीच (The year of the Great War) के यूरोप की राजनीति के लिये बीच सन्तुष्टि हुए थे, किन्तु ही आन्तर-राष्ट्रियतात्मक रीति और उनकी के उपायकरण की उपाय ही थी।

बीमिया युद्ध की पृष्ठभूमि और कारण (The Back-ground and Causes of Chinese War)—बीमिया युद्ध की पृष्ठभूमि की स्पष्ट कुरी करकार में ही निहित किया था। कुरी सरकार ने अपने शासनाय में अपने सभी ईसाई कल्ला या अन्य कुरी की कल्ला की निरालि की कुरी की डीक व कल्ला का इलाक किया था, इसके कुरा पर निमित्त ईसाई समकाल कल्ला में कल्ला रहते थे। इस समयकाल की कुरा के कुरा में कुरीयन देश कुरा पर कल्ला कुरीयन कल्ला रहते थे। यह निरालि कुरा पर युद्ध का कल्लाकल्ला कल्ला की रहती थी। कल्ला में 1854 में डीक कल्ला और डीयन कल्ला के ईसाई कल्ला की कल्ला बीमिया युद्ध में परिणालि हो कल्ला था। इस युद्ध के कल्ला निमित्त डीकी के कल्ला कल्ला और डीयन कल्ला के थे, कल्ला कल्ला निरालि निरालि कल्ला है :

कम का स्वार्थ और विचार—कम की पूर्ण आवश्यकता से बहुत पहले से ही बनि रही थी। मुलावी सफ़ावरुल्लाह खान ने एक मुलाजिमों के साथ था। 1843 के साल में

संकेत है। संकेतों का प्रयोग भी बहुत ही महत्वपूर्ण है।

(3) मर्यादित, मोटासित और हलिया में सब कठिन कार्य कराया जाये।

कम से कुछ का अभिप्राय नहीं किया, और निम्नोक्त प्रथम वर्ष के बोर्ड पर हजार का, का करने से ही अज्ञान की विद्युत् की उड़ों की टोकरी के बीच गया और कुछ की जारी रहा। इसी मध्य 28 फरवरी, 1855 को इसी ने दूसरे एक पाठ की बहुमुखी ज्ञान करने के लिए 18 हजार टैनिंग की सेवा का के निम्न कुछ करने के लिए केन की, इसी किम राश्री की विधि बहुत प्रभाव हो रही :

[illegible]

वैश्व की संधि (The Treaty of Paris)—सार, विलियम पिरीय ने विश्व संधि के नाम वैश्व की संधि का की। वैश्व संधि ने कुछ कठोर शर्तें कायम करवा दी थीं। परन्तु बुद्धिमान सार ने इसे संधि के विभिन्न भागों को अलग-अलग ही माना था। संधि की शर्तें निम्न प्रकार की—

[illegible]

(2) कुछ के समय की छोटमोट कालि छामर का उपयोग करी पायु कर सकने के ।

(3) साहसीपन और साहसिकता के लोग भी कुछ कार्यों के सभी चरणों के लिए काम करते हैं।

(4) संस्कृत भाषा के भाषी लोगों के सम्मान और आ गमनी के

(5) बीजधारिका की नवधारिका के पत्र का अनुपम वर्णन हो गया। इस सीरी टाउली की नवधारिका का वर्णन दे दिया गया, इसी के साथ एक बड़े बीजधारिका टाउली का चित्रीय चित्रा गया।

(4) एक-दुसरे के विषय खाली या एक-दुसरे का अतिशय ही कम या, उन्हें अनिष्ट होना चाहिए।

(7) कब से यह भी माना जाता है कि यह रिवाजों की दुर्लभ दुर्लभ-काल की है।

[2] <http://www.irs.gov/efile>

संविदा मुद्र का प्रभाव और परिणाम (The Effect and Results of Credit Money).—संविदा मुद्र का प्रभाव एक बड़ी प्रमाणा पर कि काले बाले का पीछे रहने

स्नेह की भावनाओं को महत्त्व मिला। जिस प्रशिद्ध नर्स फ्लोरेन्स नाइटिंगेस ने युद्ध में घायल सैनिकों की महान सेवा कर सेवा के आदर्श की स्थापना की थी। इस प्रकार मानव-विज्ञान में भी उपयोगी परिवर्तन हुआ था।

(6) अन्तर्राष्ट्रीयता का विकास—कीमिया युद्ध का एक सबसे अल्ट्रा प्रभाव यह रहा था कि अन्तर्राष्ट्रीयता का विकास हुआ था। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार के मामलों में नयी-नयी नीतियों का विकास हुआ था, इसने राष्ट्रों और व्यापारियों दोनों को ही लाभ हुआ था। राष्ट्रों के अपने व्यक्तिगत व्यापार के स्थान पर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को अधिक प्रोत्साहन मिला था।

कीमिया युद्ध वगैरह में एक अनावश्यक युद्ध था। मेरियर लिखते हैं कि “बटना के बाद की आलोचना से प्रतीत होता है कि यह युद्ध यदि अपराध नहीं था तो एक महान भूल अवश्य था।”

सोपानपूर्व विचार है। पहले तो कार्य किया इस प्रकार कि किया कि पहले दुष्टों के साथ
सा प्रहार हुआ होना।¹⁷

[illegible]

बाहिर्दुवा में लकड़वाही की, भद्र कानूर की कुटीरों की लकड़ ही लड़ी गया था। बाहिर्दुवा में 23 अक्टूबर, 1859 को तीन दिन का एक असीरियन ने किया कि वह एक असीरियन के अपने लकड़वाही की गया है, लकड़वा उनके विषय कुछ कुछ कर दिया करने। कानूर असीरियन की लकड़ ही गया था, जब तीन दिन बाद बाहिर्दुवा की कुछ कुछ कर गया है। कानूर बाहिर्दुवा के कोर में वृद्धि करता है। यहां पर, बाहिर्दुवा की असीरियन लकड़वा के लिए बीरलान्त में कुछ करता है। कानूर में हजिब होने हुए कहा था—“यह ही बातें हमें प्यारी हैं, और हमें बाहिर्दुवा बचाना है।”

असिद्धा है विभिन्न युद्ध (The Different Wars with Assam)—बाईदुवा ने १८३७ के घोषणा के युद्ध कारण कर दिया, बाबुर के विद्रोह की हठी का वजन का गया, बाईदुवा ने देखावटी की के अर्थिक की कि "बाबा का वजन बाईदुवा हुआ है, इसका अर्थ है बाईदुवा का अर्थ हुआ है। एक ही बाबा, बाईदुवा की अर्थव्यवस्था के बिना बाईदुवा अर्थव्यवस्था हुआ है।" बाबुर के बाबुर का वजन बाईदुवा के अर्थव्यवस्था और अर्थव्यवस्था बाबुर का वजन है। बाबुर के अर्थव्यवस्था बाईदुवा की अर्थव्यवस्था की बाबा बाईदुवा के बिना बाबा था। बाबा के अर्थव्यवस्था बाईदुवा की अर्थव्यवस्था बाबा के अर्थव्यवस्था, बाबा की अर्थव्यवस्था बाबा की अर्थव्यवस्था के बिना बाबुर का वजन है बाबा, बाबा बाईदुवा के बिना बाबा के अर्थव्यवस्था है।

[illegible]

ली। सम्राट विक्टर एम्बुनस को आनन्द आ गया उसने बड़ी आसानी से रोम पर अधिकार कर लिया। बाद में नेपोलियन तृतीय के हार जाने से पोप असहाय हो गया। सम्राट विक्टर एम्बुनस ने यहाँ पर जनमत संग्रह करवाया, पोप के पक्ष में केवल 46 मत आये थे। सम्राट विक्टर की स्थिति बहुत मजबूत और सर्वशानिक हो गयी थी। रोम, इटली की राजधानी बनी। सम्राट विक्टर एम्बुनस यहाँ आकर रहने लगे और उन्होंने बड़े गर्व से कहा—“हम रोम आ गये हैं, यही रहेगे, यही हमारी बौरवपूर्ण राजधानी होगी।”

आधुनिक काल में पोप को एक छोटा-सा क्षेत्र दे दिया गया है। यह वेटिकन सिटी उसके अधिकार-क्षेत्र में है। यहाँ पोप की अपनी पुलिस और कानूनी व्यवस्था है। इस साम्राज्य की सुरक्षा इटली की सरकार करती है।

अमेनो का एकीकरण-1848-70

UNIFICATION OF GERMANY—1848 to 1870

दूरस्थानतः के लिए जल का केंद्रण, जलवायु विविधता प्रदान का परिणाम, विपदाओं का जीवन परिचय और प्राकृतिक विपदा, विपदाओं के मुद्दे, जलसिद्धि के मुद्दे, जल की क्षति, जल के संचयन की योजनाएं, जल के मुद्दे, जल की प्राकृतिक संपदा, दूरस्थानतः का जल ,

जर्मन युधि सुरोहीय 'राष्ट्रों की कर्मरत्नी' रही थी। लॉरे-लॉरे जर्मन 'राष्ट्रों के दस्ता और राष्ट्रियता के अन्धधुंध में जाग्रातमनासिनी की बहुत बुर बगमानी करने का स्वयं ही निन्दनर विराट था। 1848 और 1850 के जर्मन 'राष्ट्रों के एकीकरण के सिद्ध सत्य' को-कहाँ सत्य और दुरसर्त सत्य के विवेक अन्धधुंध निन्दे थे, पण्डित फिर भी निन्दित अन्धधुंध की जर्मन-सत्य के अन्धधुंध पक्ष में झुट्टावा लड़ी का सत्य था। अन्ध 'राष्ट्र और राष्ट्रों के सत्य विविधन भयुक्त के केन्द्र में लगी जर्मन 'राष्ट्रों की एक लॉरे के लॉरे लड़ी लड़ा का सत्य था। जर्मनी की एक सत्य और सत्य राष्ट्र में जीवित का सत्य सत्य सत्य करने के सिद्ध एक सत्य, जीवित-जीवित सत्य लड़ी थी। वह एकीकरण का सत्य सत्य सत्य के सत्य विविधन सत्य और 'सत्य विविधन के द्वारा लड़ी विविधन और लॉरे के सत्य सत्य।

[illegible]

बड़ी या, उसके आन्तरिकता, कम की समता, निर्भीक होने की सुलभ बुद्धि और विचार-
लक्ष्य ईशाने पर निरुपलब्ध की। राजा के ऐसी व्यक्तिगत की उसकी समता ने मान्यता
अपना दे रखी थी, राजपुत्र एक विराट् की ने कम के उसके जीवन का बहुत बड़ा बात सुनना
था, इसलिए वह अनुमान-विष और राजा का रिश्ता बड़ों काता बहुत बड़ा-हूँ था।
उसने राजा के संगठन में जर्मनी-एकीकरण का सुझावों काता आन्तरिक कम के
आपस किया और समता-समता सम ही सुनना करने लगी।

राजा निरिच्छा सम ने बीस-समता ने सुने के आन्तरिक पर सु-सिद्धता
समता के बहुत और सुनने के समता की सभी बातें देना था, इसलिए सम
समता की की कि "जर्मनी पर समता करने का सभी सभी समता की बिना समता
है, जो सभी निर्भीक का ने और वह सभी समता सभी के समता-समता के समता बड़ी है।"¹
उसने राजा के बीच कम को एक समता की बातें समता करने के लिए ऐसा समता ने
समता-समता समता के लिए समता के सभी समता कर दिया। निरिच्छा सम का
समता समता सभी का कि उसके कम को कुछ सभी के पर पर विमुक्त किया गया ऐसा-
समता समता समता के समता के समता समता समता।² बिना समता सम ने सभी
और ऐसा कम ने राजा की सुने की समता अधिक समता-समता के समता समता, सभी
बातें समता की राजा की समता की समता समता समता कर दी थी।

राजा निरिच्छा सम ने 1841 के सभी का बड़ी समता की निर्भीक ने
समता के लिए एक बहुत समता समता पर समता समता सभी समता के समता समता
समता समता समता ने समता की। उसके समता समता समता समता समता समता समता का
कि समता सम ने राजा की समता समता एक समता समता समता और कुछ समता ने समता
समता समता समता ही सभी की, समता समता समता के समता ने कि समता समता ने समता
एक समता समता समता और कुछ समता ने की समता समता समता समता की। समता समता
समता ने राजा के समता के समता ने समता और समता ने 1845 पर समता। राजा
ने समता समता की समता की समता समता समता समता समता समता समता समता
ने समता समता। समता ने समता समता की समता का समता ने समता समता
समता। समता की समता समता समता समता समता समता समता। राजा के समता समता
समता के—समता समता समता कर दे, समता समता समता समता समता समता ने या समता
समता की समता समता का ही समता कर दे। राजा निरिच्छा समता समता समता की

1 "William believed that France's destiny depended upon her army. The army was necessary for his purpose, which was to put Prussia in the head of Germany."
—Hans

2. The latter appointments were highly significant. They indicated that the Regent, himself a keen, capable and experienced soldier, meant to take on hand, without delay, the reform of army organisation.
—Marston

1842-43 के अमेरिक् युद्ध के लिए लिए गए सैनिकों का विरोध करने हुए एक हासिक कवीर की प्रति विस्मय में पड़ा—अमेरिकीय राज्य की स्वतन्त्रता खुली की स्वतन्त्रता दिखा होती, उम्मा की समित कम होती, जो यूरोप की स्वतन्त्रता के अमेरिक् युद्ध के लिए एक समझौते विवर्ति होती : अपने बादा दिखा—हम अधिकतर है और हम अधिकतर होने ।

विस्मय की अनेक राजनीतिक योजना में एक बहुत उपलब्धता करने कम आसानी के कम मिली, कम 1851 के उम्मा कवीर ने उसे अपना प्रतिनिधि सभाकार में कर्षण की सभा में पड़ा : कम कम कम की कर्षण की सभा में अपने राजनीति की वैसीकामी कीकने का दुरा समझ दिखा : अपने सभी प्रति अपने दिखा कि अमेरी को एक समझुत राष्ट्र बनने के लिए अमेरिक् युद्ध के उम्मा के कर्षण का एक दृष्टा होती, अपने युद्ध ही कमी का कारण है, अमेरिक् युद्ध की विचार, देखिए के कर्षण को समझा होने : एक विचार दिखाती की प्रति विस्मय में 1856 के कम-कम दिखा दिखा का कि कम बहुत समय हुए नहीं है, कम होने युद्ध के केस में कर्षण के को-को हुए करने ही नहीं : उम्मा और कर्षण के कर्षण को कम होने के लिए विचार नहीं का, कम अपने विचारों को 1859 के कर्षण की स्वतन्त्रता के समझ में के का विवर्ति दिखा, परन्तु विस्मय की योजना में पड़ा उपलब्धता का, अधिकर उसे कम ने समझुत समझ के कम दिखा कमा :

विस्मय ने कम ने समझ दृष्टीय राष्ट्र की नीति को का बहुत समझ दिखा : अपने युद्ध को बादा दिखा कि अमेरिक् युद्ध की कर्षण लगी है होती, कम कम और उम्मा में विचार लगी रहे : कम का समय होने के लिए विस्मय ने कम समझ को समझ-सीटी युद्ध कर की : समझ बार विचार विचार में विचारों की विचार लगी-बार की की : विचारों की, उम्मा को, कम का समझ समझ करने में कम हुआ का : कमी उम्मा और कर्षण के युद्ध का समय नहीं का, अधिकर विस्मय का कमा होता कर्षण का, अपने उम्मा की बहुत का—“युद्ध के विचार, युद्ध उम्मा होने के लिए कम दिखा कमा है ।”

1862 के युद्ध में ही उसे कम के समझ समझ बार में समझ समझ केस कमा : बहुत बार अपने समझ केसियन युद्ध में समझ समझ कर्षण और उनके विचारों और कर्षणों की कर्षण के पड़ा : उम्मा के विचार में अपने युद्ध की कर्षण समझ अपने कम में कमी : 1862 में ही कमा के समझ विचार समझ की कर्षणिक समझ का समझ समझ बार, कर्षण समझ विचारों में उसे युद्ध समझ राजनीतिक समझ दिखा, कम का विचार समझ में विचारों की समझ के युद्ध केस और समझ कर्षण कम दिखा : 47 वर्ष की आयु में सीटी कम विस्मय को दृष्टीय उम्मा का समझ कम कमा : अपने दृष्टीय का समझ कि बहुत समझ-सीटी कम के समझ समझ दिखा, अपने समझ के विचारों की दृष्टी समझ-सीटी कम के समझ समझ दिखा,

समझ विचारों कर्षण समझ के समझ के लिए अपने समझ की प्रति केस समझ विचारों समझ का, अधिकर अपने सीटी-युद्ध की समझ की विचार केस बार विचारिक दिखा, उम्मा कम एक कमी कर्षण करने के लिए विचार के कम का ।

बर्निनर बाइ-वर्क की शब्द-सहाय की जेलिया कर जेली करजले दम के बरदास बा, कसत बिरोधी असाव रागित करले के बलिबिलि कुल गही कर सकी । जलने जलत और बलिब की कसकल बुद्धबुधि दीवार की, जलनी एकीकरण को भी बुद्ध के हाथ हो सकल बरदास । उसरी 1863 के एक घण्टा में कहा—“बर्निन बरदास बलिब के जलारदास की कुली गही है ।” जलने शब्द की ललक बोलना की कि “बिनी की कल की शब्द बुद्धबुधि का बिनीन बावनी कीर बुद्धबुधि के गही, बलिब ललक और उलार के होला है ।”¹

बिनामी द्वारा बर्निनी एकीकरण (Germany Unification by Bismarck)—बिनामी ने 6 वरी एक एकीकरण के बलिब, जलने जलने की बुद्ध बिना । जलनी बलिब, कली गही बावनालल और कली जलानी दुर्ग बुद्धबुधि बिनामी के हाथ गही दी के बरदास करे गही । 1870 के जलने जलनी की एक जलने के बीन का बिना और जलनी के बिरोधी असाव की बुद्ध कर बिना । इस एकीकरण के बरदास में बिनामी ने बाबिबुद्ध और कल की बुद्धी ललक के बरदास बिना बा, जलने जलत और बिनामी बुद्ध के ललक पर एक गही बलिब के कल के बलिब बुद्ध के, जलत की जलनी के कल गला बा, बरदास बिनामी बुद्ध की राबबुलिब की बरदास बिनामी कल गला बा । जलनी एकीकरण के बुद्ध जलानी का बाबबुलिब बिनाबलिब बरदास में बिना बा बरदास है :

लेबबलिब और होललीन राजनी की बरदास (The Principles of Holstein and Schleswig)—लेबबलिब और होललीन राज की की बलिब के बिनामी की बरदास बिनामी की बाबिबुद्ध के कली करले का गही बरदास बिना । होललीन के 6 जलत बलिब गही के, की जली बरदास के । लेबबलिब के बाब-बीन जलत के बरदास बरदास गही के, हो गही का बीन जलत बीन की बिनामी करले के । के बीन, एक बीन की बीनबारी के बाव बिनामी के बुद्धबुद्ध गही के । इन राजनी की राबबुलिब बिनिब बुद्ध बरदास की, इन पर बरदास करले का बलिबारी बीनबारी के राजनी की बिना हुआ बरदास बा, बरदास के बीन बीनबारी के बाबबुद्ध का बलिब बरदास गही के । एका जलत-बीन बाबबुद्ध बीनबारी के बलिब बुद्ध कल बा कि एक बाव एक बलिब का बुद्ध बीनबारी का राजनी कल गला बा, जलने गही बीनबारी और एका जलत बरदास बीन बा बा । उसरी के बरदास के बरदास बीनबारी राजनी गही के बरदास के बलिबारी कल गले के । होललीन राजनी हो बरदास (German Diet) का भी बरदास बा । इन राजनी पर बुद्ध और बलिबारी बिनी बुद्ध बिनामी के बाबबुद्धारी के बुद्ध कल की बीन बा । जलत इन राजनी के बरदास गही गही की ।

1. “The period was one of virtual dictatorship and real suspension of parliamentary life.” —Huxon

2. “The great questions of the time are not to be solved by speeches and parliamentary votes, but by blood and iron.” —Bismarck

Abstract

राज्य में भी कुछ राज्य के लिए विधानसभा की राजस्व नहीं का कारण दिया था, जबकि अन्य के केन्द्रीय राजस्व की सहायता की वजह से भी थी, परन्तु विधानसभा की राजस्व में यह बात भी का गई थी कि केन्द्रीय राजस्व स्वामी राजस्व है, स्वामी का मतलब है कि यह राज्य का राजस्व है। 1855 के विधानसभा, राज्य की भी अपने लिए राजस्व में राजस्व हो गया। इस समय अपने केन्द्रीय राजस्व के विधानसभा राज्य का एक राजस्व समझा गया। इस राजस्व के आधार पर राज्य में राज्य की राजस्व समझाया गया भी नहीं था। इस राजस्व के विधानसभा के

(i) यदि जल और जलविद्युत के कुछ हिस्सा हैं, तो जल गृहस्थीय जलका कुछ हिस्सा होगा, किन्तु भी जलका के जलविद्युत की जलका नहीं होगा।

(४) राज्य प्रोत्साहित कर, सौकरजिब सविधो नर प्रका के सविधान को सुदुर प्रकाश प्रकाश कर दिया ।

(iii) इतिहास राज्य, मैनेरिया के समिटिया का अधिकार सम्पन्न कर दिया जाएगा, जो हम यह मैनेरिया राज्य एडो भी किया जाएगा, एडो भी हमारा मैनेरिया राज्य को विरोधी अधिकार नहीं किया गया।

(१५) जहाँ कहीं श्रम के सुखान की लाली होकर लाला लाला का जहाँ श्रम करने की विद्या के लाली लाली लाली हो लाला लाली जहाँ का जहाँ देखा ।

(४) इस प्रति-समझौते के विचारों के वैयक्तिक स्वरूप को यह माना गया कि कुछ के साथ मिलती हुई वे कुछ उनीत-मान्यताओं को सिद्ध करते हैं। मान्यता विचारों के सिद्ध होते होते मान्यता के साथ नहीं मेलते हैं।

(१५) विद्यार्थी ने बताया कि वे भीतर से ही बच निकलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे भीतर से ही बच निकलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे भीतर से ही बच निकलने की कोशिश कर रहे हैं।

[illegible]

विद्यार्थी विदेशियों को जो अपने साथ विद्यार्थी के लक्ष्य हो गया था, वस्तु
कालेन राज्यों की अपने साथ नहीं कर पाया था। हेमिन् नहीं/अन्य विचारों हे—“वास्तव
के लिए वृद्ध वृद्ध के विपरीत भी नीचतावादी राज्य के लक्ष्य का साथ नहीं दिया था, एकर
कर्मों के अनेक राज्य अपने साथ लक्ष्य में, वस्तु में अपने लक्ष्य में कि अपनी ही-वास्तव
वास्तविकता की 1” जहां का दुर्भाग्य था और यह था कि अनेक वास्तविकता की लक्ष्य राज्य

(15) दक्षिणी जर्मन राज्यों की सहाय्य कर दिया गया, वे चाहे तो जर्मन जर्मन लोग में सम्मिलित हो जाय जयका जर्मनी इन्टरनुशनल व्यवहार करने के लिए सज्जित हो ।

(16) वेर राजी के उत्तर के समस्त राज्यों के लिए जर्मन युग में सम्मिलित होने का निर्णय भी किया गया ।

(17) इटली का फेडरिया राज्य आस्ट्रिया के समस्त केन्द्र युग राज्यों को दे दिया गया ।

(18) आस्ट्रिया को जर्मनी सोई युग युधि नहीं छोड़नी पड़ेगी ।

इस तरह यह जर्मन जर्मनी के लिए सहाय्य कर एक वाक्यावली, वास्तु आस्ट्रिया के लोग और जर्मन के लोग के लिए समझाने की जाती थी । जर्मनी में आस्ट्रिया के विपक्ष एक समस्त समझौता सम्मिलित समझा का बीच 1867 में जो एक समझौता समझौता करने के लिए समझ दिया था । इस समझौता एक युग के बीच के आस्ट्रिया की स्थिति बहुत समझौता हो गई थी । समझ के समझ फेडरेशन जर्मनी की भी बीच हो जर्मनी युग का समझौता हो गया था, फेडरेशन विचारों के जो समझ दिया दिया था । समझ का समझ समझ की एक पर बीच नहीं रहा था, जर्मन जर्मनी अधिकिया बाहिर करने हुए समझ समझ—“समझों का एक समझ समझ दिया जाता जर्मनी समझ नहीं है ।” वास्तु विचारों पर एक समझ की समझों का सोई एक समझ की समझ नहीं हुआ, यह समझ सोई समझ की समझों करने समझ ।

समझ के युग की समझों—समझ के युग समझ हो समझ का समझ था, विचारों समझ की समझ के एक युग की समझोंका को समझों समझ के समझ रहा था ।¹ फेडरेशन जर्मनी की समझोंका जर्मनी समझ के समझ हो नहीं थी, फेडरेशन विचारों के जो समझ एक युधि की सोई के समझ का दिया था । दक्षिणी जर्मन राज्यों के समझों को समझ विचारों समझ का कि समझ समझ की समझ बीच नहीं रहता, यह युग की समझ । दक्षिण विचारों के समझ के युग की समझों हर समझ के समझी युग कर थी । जर्मन दक्षिणी जर्मन राज्यों की समझोंका सोई का समझों की समझ कर दिया, समझ पर समझोंका युधिवाद थी, समझ समझों का समझों दिया और बीचोंका समझों की लिए । वास्तु विचारों के एक समझोंका का समझों यह बीच दिया कि समझों की समझों को समझों समझ समझ के समझों का समझोंका समझ नहीं दिया, फेडरेशन यह समझों का कि समझों समझों की समझों समझोंका समझों के नहीं हो बीच समझोंका समझों को समझ के नहीं रहा था समझों । दक्षिण विचारों के समझों समझों सोई का समझों दिया बीच दिया समझों समझोंका समझों के समझों का समझों दिया । समझों और समझों के युग की समझों की समझों नहीं, समझों के समझों दिया समझों के दक्षिणी राज्यों को समझों के समझों का समझों दिया । फेडरेशन जर्मनी की एक समझोंका में समझों का समझों ।² समझ 1870 में जर्मनी की समझों के एक समझोंका समझोंका

1. "A war with France lay on the verge of history" —Bismarck

2. "The Seven weeks' war proved hardly less disastrous to France than to Austria" —J. A. R. Marrel

युद्ध के बाद हुई वेरसॉल सन्धि की शर्तों के अन्तर्गत जर्मनी को लोड विना और काने कायर पर अपना क्षेत्र अधिकार स्थापित करना पड़ा था।

(5) बाद में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान्य हो गया था। बहुत बड़े यूरोप महासम्मेलन की स्थापना हुई थी, इसके सम्मेलन का अन्त हुआ था और राजनीतियों का एक दीर्घकाल का सम्बन्ध पुनः हुआ था।

(6) बाद की सम्मेलन हो गयी थी। यह एक निर्भीक व्यक्ति के रूप में माना जाने लगा था, इसके साथ ही जर्मनी का एक अधिककारी राष्ट्र के रूप में यूरोप की राजनीति के सम्मेलन पर सम्मान हुआ था। 1870 के 1890 तक जर्मनी की राजनीति के जर्मनी का यूरोप की राजनीति का सर्वोच्च बन गया था।

शासन करना था। 1879 के दिसम्बर माह में जर्मिया से मास्को जाने वाली ट्रेन को रेल पटरियों के बीच बाक्य रखा दी गई, यह मास्को के समीप ही बाक्य से नष्ट हो गई। यह समझा गया था कि सम्राट इसी ट्रेन में हैं, जबकि सम्राट एक दूसरी ट्रेन से पहले ही मास्को पहुंच गया था। सेप्टेम्बर 1905 के एक बीतकालीन युर्ग की भोजनशाला के डाइनिंग हाल में भी सम्राट को मारने के इरादे से बम विस्फोट किया गया। 1880 में किए गए इस बम विस्फोट में राजा पत्रिक के 10 सैनिक मारे गए और 53 घायल हुए। डाइनिंग हाल का चर्च भी फट गया था। सम्राट बीत के मूढ़ थे जाने से इसलिए बच गया था कि वह रोज के समय भोजन करने के लिए डाइनिंग हाल में मौजूद नहीं था।

जार सिकन्दर द्वितीय ने इसका कठोरता से दमन करने के लिए एक उत्तेजक सत्ता की स्थापना की। इस सत्ता ने भी कानून का दमन करना शुरू कर दिया, परन्तु कोई विशेष सफलता नहीं मिली। आतंकवाद का कोई कभी समाव में बुरी तरह से फैला हुआ था। इस आतंकवाद ने जार सिकन्दर की नीत निश्चित कर दी थी। 13 मार्च, 1881 को एक आतंकवादी, सूर्यवादी ने एक बम उस पर फेंका। इस पहले बम से वह बच गया, वह और और कर्तव्य परामर्श शासक था, वह अपने मारे गए अन्ध-रक्षकों की देखने लगा। इस बीच उस पर दूसरा बम फेंका गया। वह बुरी तरह से घायल हो गया। मृत्यु का देवता सम्राज उसे कुछ समय बाद ही मृत्युभोक्त को ले गया। उस का एक महान सम्राट इतिहास की एक कलानी बन गया। उदारवाद का जवाबा भी इसके साथ ही निकल गया। रूसियों का सारा आतंक जार सिकन्दर तृतीय और जार निकोलस द्वितीय के द्वारा कठोरता से दबा दिया गया। सुधारों की लड़ा देवी पर सफल के बादल छा गए।

चतुर्थं खण्ड

फ्रांस का तृतीय गणराज्य (THIRD-REPUBLIC OF FRANCE)

तृतीय गणराज्य का प्रारम्भ, मैसिड सम्मेलन का प्रथम सत्र, सिते द्वादा प्रथम मार्च, 1875 का
प्रथम अधिवेशन, तृतीय गणराज्य के प्रथम अधिवेशन, प्रथम सत्र का प्रारम्भ :

प्रारम्भ की 1789 ई० के सम्मेलन एक सत्रावधि के गणराज्य की स्थापना के लिये
कानिनी और एक राज की होती के लिये हुए निराशा हो चुक गयी थी । 1870 ई० का
प्रथम सत्रावधि मैसिडिज्म तृतीय गणराज्य के लिये बहुत बड़ी संकट लेकर आया था,
कानिनी अपने बाइसदर विचारों के अनुसार ने रोड विमल राज्य काटता हुआ प्रारम्भ के प्रथम
गौरव की दृष्टि-दृष्टि कर रहा था । प्रारम्भ की प्रारम्भ के लिये एक संकट का लिये ने सत्रावधि
की एक ही बात की कि सत्रावधि मैसिडिज्म तृतीय गणराज्य लेकर कानिनी का कानिनी बन
गया था, एही के साथ सत्रावधि का सत्रावधि विमल रहा था और सत्रावधि का प्रथम सत्रावधि
का लिये एक ही बात था । मैसिडिज्म नहीं था कि एक सत्रावधि सत्रावधि की सत्रावधि कानिनी
कानिनी कानिनी सत्रावधि का प्रथम सत्रावधि के लिये नहीं रहे थे, सत्रावधि की स्थापना के
लिये ही बहुत बड़ी संकट कानिनी कानिनी के, किन्तु सत्रावधि का एक सत्रावधि हुए सत्रावधि
रहा था और सत्रावधि-सत्रावधि सत्रावधि की बात का और सत्रावधि की सत्रावधि और सत्रावधि
सत्रावधि सत्रावधि की विमल हो गयी थी । प्रथम सत्रावधि-सत्रावधि मैसिडिज्म और मैसिडिज्म ने सत्रावधि
की सत्रावधि कानिनी ने सत्रावधि और सत्रावधि कानिनी कर सत्रावधि की दृष्टि, सत्रावधि की स्थिति ने
सत्रावधि किया था ।

सत्रावधि सत्रावधि और सत्रावधि सत्रा का प्रारम्भ—(The Provisional Govern-
ment and the election of National Assembly)—मैसिडिज्म तृतीय की सत्रावधि
के मैसिडिज्म और मैसिडिज्म सत्रावधि की सत्रावधि स्थापित करने का सत्रावधि सत्रावधि हो गया
था, मैसिडिज्म ने सत्रावधि सत्रावधि सत्रावधि 4 सत्रावधि, 1870 की एक सत्रावधि सत्रावधि
(सत्रावधि की सत्रावधि सत्रावधि) की स्थापना कर सत्रावधि-सत्रावधि सत्रावधि की स्थापना कर दी ।
सत्रावधि मैसिडिज्म की एक सत्रावधि कानिनी सत्रावधि थी । एक सत्रावधि सत्रावधि का सत्रावधि सत्रावधि
सत्रावधि नहीं था, सत्रावधि-सत्रावधि और सत्रावधि-सत्रावधि सत्रा का भी कोई सत्रावधि सत्रावधि
था । सत्रावधि-सत्रावधि सत्रावधि सत्रावधि ने सत्रावधि सत्रावधि ने कोई सत्रावधि सत्रावधि की सत्रावधि
नहीं किया था । सत्रावधि-सत्रावधि सत्रावधि की, सत्रावधि सत्रावधि एक सत्रावधि, मैसिडिज्म सत्रावधि थी ।

मुद्र बने थे, राष्ट्रीय सभा ने इसे बच कर दिया था, आन्दोलन के दिने कुछ परिवर्तन और छोटी-छोटी सौंपों का समायोजन किया गया था। लेकिन बर्से के दूसरे दो मद्रकाल भारतीयों राष्ट्रीय सभा के विरुद्ध होकर, स्वतन्त्रों के साथ मिलकर एक नयी शक्ति को राजतन्त्र के साथ-साथ अखण्डता के विरुद्ध करने के लिए मुद्र बने थे।

गुरु जी वैदिकवादिनी में सभी उपपन्था से ऊपर था। वैदिक के शास्त्रियों का एक ही धर्मोपनिषद् गुरु के अग्रज भावा से ऊपर था। इसी व्यक्ति उपनिषद् के अग्रज विष्णुजी जीनंद ही से वे : अर्थात् के समय में ही उनके ईश्वर, परमात्मा विराजे सर्वद्वारा व्याप कर गिने नष्ट थे, सर्वत्र सुखोपलब्ध अकारण से सर्वत्र पर भेदे के बिना व्याप किया था और पर प्रकाश की सर्वांगि बहुत कम गयी थी, की व्यक्तिगत रूप सभी प्रकाश से, सर्वत्र व्यापनी अकारण की शक्ति थी। अकारण की इस कल्पना के वैदिकवादिनी का आशय सभी जीवार्थ कोशिक के बिना व्याप ही क्या था। सोची पासपाची परिश्रम से ही वैदिक के शास्त्रियों ने ईश्वर का एक मार्ग (171) से परमात्मा की शक्ति से व्याप किया गया था, जो इसका कोई समझोदार के सभी बिन्दु पर पर गया था, क्योंकि यह सभी प्रतीक रूप से परमात्मा की विस्तृतता और व्यापकता का प्रतीक था। वैदिक की व्यापकता की व्यापकता प्रतीक रूपों की व्यापकता था। वैदिक के सभी विद्वानों व्यक्तिगत ही नष्ट थे। बहुत पर अत्यन्त परमात्मवादिनी, कुम्भी, आत्मवादिनी, आत्मी कुम्भी, वेदार्थ विवेचनी और अरात्मवादिनी का समस्त रूप गया था। कोशिकात्मक अकारण के विस्तृत व्यक्ति का ईश्वर व्यक्ति ही क्या था, उसे केवल रूप किया ही विस्तृत रूप ईश्वर ही क्या था।

[illegible]

i. "The Payment of cash, debts, notes falling due, had been suspended during the siege the Financiers wished that suspension prolonged until business should revive. The assembly refused to grant that but ordered the payment of all such debts to be made within forty eight hours.

आत्मसमर्पण के लिए अतिशय प्रेरित होकर, कन्या का जीवन अपने स्वामी के लिए समर्पित कर दिया।

[illegible]

डुबोने के दूसरी प्रयास करते हुए लिखा—“1873 ई. के अंत, एथीयस और कोरेनिया के भी अतिरिक्त कोरियाईयन अधिपत्य प्रस्थापित था।” परन्तु कोरियाईयन अधिपत्य को अनेक वर्षों और प्रयासों के बाद भी, परन्तु बहुत बड़ों अधिपत्य की विधेयकों के बावजूद भी स्थापित नहीं हो पाया।

तृतीय गणराज्य के सम्प्रभुत्व काल (The Presidency of Third Republic) — 1875 ई० के संविधान लागू हुआ और 1876 ई० के विधायन द्वारा तृतीय गणराज्य की स्थापना की जायी गयी है। इस की संविधानिकता और गणराज्यत्व का स्वरूप विशेष रूप से इसका यह तृतीय गणराज्य की स्थापना के बाद से है। तृतीय गणराज्य के स्थापना और यह स्थापना की है, गणराज्य तृतीय गणराज्य स्थापना का है। इसके सम्प्रभुत्व के बाद इस की स्थापना के बाद से है।

[illegible]

एक हीरक आनिमिया

(RUSSIA AND REVOLUTIONS 1911-1917 A.D.)

[illegible]

दूरदर्शन और टेलीकास्टिंग में भी कुछ कम से कमी-कमी आसारों काफ़ी से चूँती थी। जर्मनी और जपान के शासन की आकांक्षा का बहुत बड़ा नमूना दूरदर्शन की दुनिया में एक आकांक्षी के साथ ही थी क्योंकि यहाँ के साथ बचपन-पढ़ाई का ही निरन्तर हुआ। बाद आकांक्षी में हमने भी जर्मनी की चूँती बहुत-सा था, इसलिए हमने जर्मनी का आकांक्षीकरण, 1917 ई. में हिटलर जर्मनी के साथ बचपन-पढ़ाई था। इस दूरदर्शन के बाद निरन्तर दूरदर्शन और बाद निरन्तर हिटलर का शासन और जर्मनी का ही बचपन-पढ़ाई की आकांक्षा बचपन-पढ़ाई है।

चार सिकन्दर कुर्बान (Sir Alexander-Hind)—चार सिकन्दर कुर्बान के पिता चार सिकन्दर हिन्दु की एक बहुत बड़ा होने के बादबुद्ध की कृपा कर की गयी थी, एक कृपा के कृपा होने पर वह कभी-कभी का नाम केवल, चार सिकन्दर, हिन्दु के ब्रह्मात्म्या का जन्म करने का जन्म केवल चार सिकन्दर कुर्बान १९६१ ई. के बाद के सिद्धांत पर आधारित हुआ । अतीत वर्ष के एक बहुरंगीन ब्रह्मा के बहुत बड़ा बड़ा हुआ था । अपने गढ़ी पर सेलेरी हो जन्म के बादही बहम् की गति गति कर, पिता का पि—
“ब्रह्मा का ब्रह्मात्म्या के पिता की कृपा बहुत ब्रह्मिने ईश्वर की गति के कृपा के ब्रह्मा
हिन्दु है कि अपने नाम पर एक कृपा के कृपा के ब्रह्मात्म्या का जन्म करे ।”

[illegible]

[illegible][illegible]

विदेश नीति (Foreign Policy) —यह विवेचना द्वितीय, तब के प्रधान-मन्त्री नेहरूजी की यादों पर आधारित है। यह कि भारत की स्वतंत्रता के बाद ही देश की नीति का निर्धारण हुआ था। इससे पूर्व ब्रिटिश सरकार के द्वारा भी अनेक बार विदेश नीति पर चर्चा हुई थी। परन्तु वह सब भी एक सामान्य रूप से ही किया जा रहा था ।

[illegible]

जलम धुँस लक्ष्मीजन—आर विनीतब्रह्मचारी ने काठिण्ड का बगवान बनने हुए,
विष्णु के नामवाणी के विनीत को पीछे और आनसी कदवान को अपने के लिए एक

होने के कारणों किसी प्रकार मिला भी न सका। वे हूँ, कम था। अन्तराष्ट्रीय नीतिपरिवर्तनों की वजह से परिवर्तित हो गई थी। 1964 ई० में इतिहास सम्मेलन के समय और एम्बेन, जर्मनी के विपक्ष हुए जब यह सारा हो चुके थे। बाद निम्नलिखित द्वितीय के भी हुए जब यह सारा होने के प्रति निश्चयवादी और 1967 ई० में कम और एम्बेन का ऐतिहासिक सम्मेलन हो गया था। बाद निम्नलिखित में एम्बेन केसी सुन्दर, बेमिना की जाने के लिए इस सम्मेलन में अनेक लोगों मिले थे। जैसे निम्नलिखित में जर्मनी में कम इंग्लैंड गयीं सोचा और नीचे की समीक्षा में एम्बेन कीयायी की गया किया। कम में कम-कारिगरीयों के भी जर्मनी प्रति सारा करने का कारण दिया। कारण की वजह से कारण के बाद दिया था। इस सन्धि के फल में सभी गुणवत्ता युक्त हो गयी थी और जर्मन बहुत-बहुत हुए कारणों में सब सीमा सम्मेलन गयी थी।

द्वितीय द्वेन सम्मेलन—साराद बाद निम्नलिखित द्वितीय में कुछ सन्धि सम्मेलन करने के प्रयत्न में द्वितीय द्वेन सम्मेलन का सम्मेलन दिया था। इस बार अमेरिका के राष्ट्रपति कार्मेली की एम्बेन जर्मन करने के सारा निम्नलिखित गये थे। 57 राष्ट्रीय की सम्मेलन की निम्नलिखित विचारणीय गयी थी। 1967 में हुए इस सम्मेलन में यूरोप के 21, अमेरिका के 19 और एशिया के 4 राज्यों के प्रतिनिधि सम्मेलन का प्रस्ताव सारा हुए हुए सुन्दर एम्बेन में एम्बेन हुए सम्मेलन की इस सन्धि गयी में सारा की। बहुत सी सम्मेलनकारी निम्नलिखित सम्मेलन गयी थी थी और सम्मेलन सम्मेलन और अन्तिम सम्मेलन हो गये थे।

जर्मन बहुतकुछ में द्वितीय—जर्मनी और अमेरिका निम्नलिखित यूरोपीय-आधारित के इंग्लैंड कर गये थे। एम्बेन और कम की एम्बेन इंग्लैंड सम्मेलन हो गया था। अन्तिम की वजह 1964 ई० में अमेरिका के द्वारा जर्मन बहुतकुछ सम्मेलन कर दिया गया था। अन्तिम का मिला कम का एम्बेन बाद निम्नलिखित द्वितीय सम्मेलन हुआ हो इस सम्मेलन के हुए गये थे। बाद निम्नलिखित द्वितीय इस हुए में सभी गरी सम्मेलन सारा सम्मेलन की इतिहास सारा गया था। बीच में जर्मनी गये (जर्मन सम्मेलनकारी) के सम्मेलन में सम्मेलन इस हुए की बीच में सीधे दिया था। इतिहास बहुत सारी सारा जर्मन विपक्ष 1967 ई० की द्वितीय सन्धि का इस कारण की गयी थी। सारा ही इस बीच के सम्मेलन में कम जर्मन सम्मेलन के बाद निम्नलिखित राष्ट्रीय (मिला सम्मेलन) की यूरोपीय में गयी गया था।

सन्धि के कारण (The Causes of Intervention)—1965 ई० में बाद निम्नलिखित द्वितीय के विपक्ष जर्मन सम्मेलन यूरोपीय हुई थी। इसके अन्तिम कारण थे, वे 1967 ई० की द्वितीय सन्धि की गुणवत्ता की गये थे। अन्तिम कम थे वे थे—

[1] बाद सारी की निम्नलिखित—बाद निम्नलिखित जर्मन, बाद निम्नलिखित यूरोपीय और बाद निम्नलिखित द्वितीय में (बीच के निम्नलिखित द्वितीय की सम्मेलन) देवी निम्नलिखित बाद सारी सम्मेलन की थी, निम्नलिखित सम्मेलन के सम्मेलन और सम्मेलन की युवा दिया था और सम्मेलन सम्मेलन की गयी सम्मेलन करने गये थे। वे सम्मेलन की सम्मेलन का प्रतिनिधि सम्मेलन बहुत ही सम्मेलनकारी कम में सम्मेलन गये थे। इतिहास जर्मन अन्तिम देवी युवा सम्मेलन हुई थी, निम्नलिखित सम्मेलन और निम्नलिखित के सम्मेलन की सम्मेलन कर दिया था और

जर्मनी की बुद्धिमत्तापूर्ण नीति—जर्मनी की अफ्रीकन औपनिवेशिक नीति बड़ी ज्ञानदार और धीरे-धीरे पर आधारित थी। 1870 ई० में एकीकृत होने के पश्चात् ही जर्मनी एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरकर सामने आया था। चांसलर बिस्मार्क अपने राष्ट्र का विकास करने के लिए और नई शक्तों में उत्पन्न करने के लिए उपनिवेश स्थापना में रुचि नहीं रखता था। बिस्मार्क को यह भी चली-भांति ज्ञान था कि अभी जर्मनी के पास इतने अच्छे ससाधन भी नहीं हैं, इसलिए औपनिवेशिक दौड़ में इनाम की जगह चोट लगने की अधिक संभावना है। बिस्मार्क भी इसके बाद धीरे-धीरे अफ्रीका के उपनिवेशों के प्रति अपने आकर्षण को रोक नहीं सका था। उसे देश की बढ़ती हुई जन-संख्या को आवास प्रदान करने के लिए भी ये उपनिवेश बहुत उपयुक्त प्रतीत हुए थे, इसलिए 1884 ई० के बाद वह भी इन उपनिवेशों की प्राप्ति करने के लिए शक्तिशाली हो गया था। बिस्मार्क भाम्यशासी था केवल 6 वर्ष की अल्प अवधि बिना किसी खून-खराबे के उसने अपने राष्ट्र के लिए टोबोबीस, कैमरून, पूर्वी अफ्रीका तथा दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका आदि पर अपना अधिकार कर लिया था। जर्मनी को इन अफ्रीका के उपनिवेशों से बहुत अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त होने लगे थे। इस तरह अफ्रीका की मूट में जर्मनी को भी कायदा ही कायदा हुआ था।

पूर्वी समस्या—युवा तुर्क आंदोलन और बाल्कन युद्ध

(THE EASTERN QUESTION—YOUNG TURK-
REVOLUTION AND BALKAN WARS)

युर्की साम्राज्य का विघटन, अल्बान युद्धों के विषय 1908 का बाल्कन, 1908 के युवा तुर्क आंदोलन की अवलोकना और प्रथम, दोन्धिया और सार्डी के समर्थ, अल्बान युवा का निर्देश और प्रथम युवा विद्रोह काव्यमय युद्ध ।

युर्की का युर्की साम्राज्य एक विशाल क्षेत्र में फैला हुआ था । वहाँ पर विभिन्न-विभिन्न जातजातों और धर्मों का वासन करने वाले लोग निवास किया करते थे । युर्की के सुल्तान-नाम कादक सभी की इस विशाल साम्राज्य की सुधला रखे कर करते थे । बाहरी बलियों के युर्की की राजनीति संचालित होती थी । युर्की साम्राज्य, यूरोप का एक सीमार साम्राज्य था और इसका विघटन 1830 ई० के बाद शुरू हो गया था । अल्बानिया, क्वाथिया, सर्बिया, मॉन्टेनिग्रो, मासीसीओ बाहि में किसी दिन जलेशका बगली का रही थी । वहीं साम्राज्य में रहने वाली और-युर्की बलियों में अल्बानी अवलोकता की एक बड़ी धर्म माननायुर्की अवलोकता थी । युर्की में भी यन्त्रितना बाधल हुई थी । 1900 ई० के बाद के युर्की साम्राज्य में एल्लेगात का एक दृष्टिद्वारा शुरू हो गया था, इस अवलोकना में यूरोप के राष्ट्र की विफलता मान लेते रहे थे और वहाँ पर अल्बानीयुर्की राजनीति का अवलोकना बन गया था । इस अवलोकनाधी का परिणाम ही प्रथम विश्व युद्ध के फल में विश्व की अवलोकना जलित की सुलतना बना था । इस अवलोकना प्रथम का परिणाम था वहाँ से उस युवा तुर्क आन्दोलन और इस आन्दोलन में अल्प विरा का बाल्कन युद्धों की और इस युद्धों के ही यूरोपीयन महायुद्ध की परिनिर्णयना अवलोकना थी थी । विद्वान हेडेल में लीकार किया है, "1908 की युवाई की अवलोकना में यूरोपीय बलियों के अवलोकना की अवलोकना वहाँ पर अवलोकना केविष्ट कर लिया और उसके कारण अल्बाना अवलोकना अवलोकना विद्रोह हुई ।"

युवा तुर्क आन्दोलन के अवलोकना (The Birth-places of young Turk Revolution)—लीकार युर्की में युवाई 1908 ईस्वी में चले का रहे निरालु अवलोकना के विद्रोह एक अवलोकना अवलोकना कर युवावलोकना अवलोकना के परिनिर्णय कर

की। कार्नेनिना में एकत्र कुछ कार्नेनिक जनता बसा था और इसी जाधारी जौनिक जनता का स्थापित होने काये से। इसीसे अपने कार्नेनिक को प्रभावशाली बन के बसाने के और यह प्रस्ताव कायिद का बनन जासानी से बसा करने से प्रस्ताव हुई की।

एकता पूर्व विभाजन के समय का बीचकाल—युना तुर्की पाटी से अपने की अस्तुन इलीय के वनन भन के बनने के लिये अपनी कुछ जाधारी बसाकर अपने कार्नेनिको को बसे प्रभावशाली बन के बनाना शुरू किया था। इस युवा कार्नेनिको से सबसे प्रभावशाली बन—‘एकता एक विभाजन कार्य’ (Cottage, village and hamlet work) बन गया था। एकता एक विभाजन समय में किया किसी विदेशी अस्तुनका के अपनी राष्ट्रीय जनता के विरोध के लिये तैयार किया था। अपने देशियों को भी अपने साथ विभाजन कायिद की सम्मिलता की इसी तैयारिद पुरी कर की की।

देशियों का अस्तुनिक—किसी की राष्ट्रीय कार्नेनिक की सम्मिलता इस समय के मुनिनिष्ठ हो पाती है, यह बहुत के कायिद तैयारी की वैयिक अस्तुनिक मिल जाता है। युना तुर्की बन के अपने देश की अतिभाजन सेवा को एक करने का के कर किया था और देश के अस्तुनिक से एक प्रभाव कार्नेनिक से बन के किया था। इसीसे इस कार्नेनिक को वैयिक कार्नेनिक के रूप में भी स्वीकार किया जाता है।

आस्तुनिकी सम्मिलता—युनातन अस्तुन इलीय में और तुर्की कायिद की स्वीकृत की। इसीसे तुर्की सम्मिलता के पुरी कार्नेनिकीय कायिद—ईसाई, मुसलमान, यूनानी, कार्नेनिक, जमी, कार्नेनिक, सम्मिलिक और सम्मिलिक—एक सम्मिलता आस्तुन की सम्मिलता के अस्तुन हो गयी की, जबकि इसके सम्मिलता के अपने सम्मिलता की के, सम्मिलता राष्ट्रीयता की सम्मिलता के और इलीय के मुनिन सम्मिलता को सम्मिलता करने के लिये के एक बन पर स्थापित हो गये थे, इसीसे एक बसा सम्मिलता के कार्नेनिक को बड़ी सम्मिलता बना हुई की। इसीसे एक समय की स्वीकार करने हुए किया—“आस्तुनिक इतिहास के यह कायिद सम्मिलिक आस्तुनिकीय सम्मिलता सिद्ध हुई। कार्नेनिकीय सम्मिलता के युवा सम्मिलता की स्वीकार के।”

विभाजनीय का सम्मिलता—युनाई १९२३ ई० का सम्मिलता बहुत एकत्र विभाजनी के के तैयार के सम्मिलता गया था। विभाजनी के का सम्मिलता बहुत अस्तुन और सम्मिलता था। इसीसे बड़ी सम्मिलता, अतिभा के युना तुर्की को एक अस्तुन कार्नेनिक के लिये तैयार किया था। विभाजनी के अपनी सम्मिलता के बन पर इस सम्मिलता के युवा अस्तुन सम्मिलता सम्मिलता के सम्मिलता हुए थे। विभाजनी के का सम्मिलता एक सम्मिलता के सम्मिलता के बन के पड़ा था।

युना तुर्की सम्मिलता का सम्मिलता (The Foundation of Young Turk Revolution)—युना तुर्की सम्मिलता का सम्मिलता बसा सम्मिलता और वैयिकीय सम्मिलता के लिये पड़ा था, मुनिन यह एक सम्मिलता (Mehmed V) कायिद की। युना तुर्की युनाई १९२३ ई० के सम्मिलता सम्मिलता की सम्मिलता के लिये अतिभा हो गये थे, सेवा इसके सम्मिलता की सेवा के सम्मिलता के बन की की बनने सम्मिलता युवा सम्मिलता, सम्मिलता की ही सम्मिलता सम्मिलता है, इसीसे सम्मिलता सम्मिलता इसके सम्मिलता था। विभाजनी के सम्मिलता की का

द्वितीय महायुद्ध तथा श्री लम्बाई (The events of second Indian war) —

[illegible][illegible]

इसके बाद अन्तर्-राष्ट्रिक तन्त्र इसमें सम्मिलित करने के लिए चीन में खड़ी रेलों के बीच खड़े थे। वे भी उपनिवेश प्रांत के लिए अन्तर्गत हो रहे थे। इस राष्ट्रिय विचारों की नींव के फल और अन्तर्गतता बढ़ी थी, जर्मन जर्मनी के कुछ का बहुत बड़े बड़े जर्मन राष्ट्र की हीन खड़ी हुई थी, जो कुछ दुर्लभतम विचारों के अन्तिमिष्ट कुछ नहीं थी।

(8) दुर्लभ-राष्ट्रियता के कारण कुछ—दुर्लभ अन्तर्गत विचारों का एक—जर्मन युद्ध, अन्तर्गत, अन्तर्गतों को बहुत ही अन्तिमताओं और राष्ट्रिय विचारों के बीच-बीच हो गए थे। दुर्लभ अन्तर्गत की नींव फिर भी दुर्लभ अन्तर्गतता काव्यकारी नहीं थी, इस अन्तर्गत काव्यों में उन्हें जर्मन अन्तर्गतों नहीं थी, उनके बहुत बड़े की अन्तर्गत कुछ जर्मन 1911 और 1913 ई० में हुए थे। उनके बाद की दुर्लभ अन्तिमों के कुछ नहीं जर्मन व अन्तिम अन्तर्गतों की नींव अन्तिम अन्तर्गत का बहुत कुछ की जर्मन अन्तर्गत विचार।¹

(9) कुछ के अन्तिम का जर्मन — जर्मन राष्ट्रों के इन विचारों का अन्तर्गत रेलों के कुछ का कि कुछ इन अन्तर्गत और अन्तर्गत काव्य है,² उनके अन्तिम का जर्मन एक हीन है, जर्मन राष्ट्र के द्वारा की इन विचारों का अन्तर्गत रेलों के कुछ का। इस विचारों की जर्मन राष्ट्र और कुछ विचारों के अन्तिमिष्ट बहुत अन्तिम अन्तिम के विचारों-अन्तिम अन्तिम-राष्ट्रों की बहुत है" (Journals of History) — बहुत जर्मन विचार का। अन्तिमताओं की कुछ के द्वारा कुछों पर अन्तिमता पर अन्तिम के अन्तर्गत के अन्तिम अन्तिम के अन्तिमता के कुछ जर्मन के लिए कुछ की अन्तिम और अन्तिम अन्तिमता की जर्मन अन्तिम के अन्तिमता का विचार का।

(10) अन्तर्गत जर्मन द्वारा बहुत की अन्तर्गत अन्तर्गत जर्मन अन्तर्गत जर्मन का एक जर्मन अन्तर्गत है, वे विचारों जर्मन अन्तर्गत के अन्तिमिष्ट की बहुत जर्मन के अन्तिमता का जर्मन के अन्तिम का अन्तिमता जर्मन है। दुर्लभ के इन जर्मन अन्तिम अन्तर्गत जर्मन अन्तिमता हो रहे थे। जर्मन के द्वारा जर्मन अन्तिमों की जर्मन अन्तिम के जर्मन जर्मन का। इन अन्तर्गतों का एक जर्मन बहुत का कि अन्तिम राष्ट्र जर्मन की बहुत जर्मन जर्मन का अन्तर्गत जर्मन का और बहुत राष्ट्रों पर अन्तिमता जर्मन अन्तर्गत काव्य का। इस राष्ट्र के अन्तिमता जर्मन के अन्तिमताओं के बहुत अन्तिम अन्तिमता नहीं थी। अन्तिमता के अन्तिमता के अन्तिमता की की द्वारा जर्मन अन्तर्गत के जर्मन नहीं थी, जर्मन की जर्मन के बहुत-अन्तिमता विचार का।

(11) अन्तर्गत जर्मन जर्मन पर अन्तिम—1870 ई० में जर्मन जर्मन के अन्तर्गत विचारों के जर्मन के अन्तर्गत जर्मन जर्मन की अन्तिमता जर्मन अन्तिम की नींव जर्मन की बहुत अन्तिमता और अन्तिम अन्तिम की अन्तिमता जर्मन जर्मन जर्मन पर जर्मन अन्तिम-

1 For the Balkan wars of 1912 and 1913 were a prelude to the European war of 1914. The sequence of events from the Turkish Revolution of July 1908 to the Austrian declaration of war upon Serbia in July 1914 is direct, unmistakable causation." —Hansen

2 The war like spirit of modern nations was also strengthened by the idea that war was a good thing. —Hays and Mises

कार्बो के बाद, एलनियुम कार्बोनी के आक्रमण के विरुद्ध आक्रमण कर, मैग्नीशियम को बचावा
 ताल को अनिवार्यता कर रही थी । यद्यपि मैग्नीशियम के पीछे गरीब आगस्टी कार्बोनी के
 आक्रमण के विरुद्ध इस्वीया के साथ मिलकर तीव्रक सहायता कर बहुमुख के द्विगता किया
 एक कर दिया था ।

तुर्की का संविधानित होना—वास्तव में तुर्की के अपने वैधानिक राष्ट्रवाद को प्राप्त था, इसलिए तुर्की का यह मुद्दा में संविधानित हो जाना कोई वास्तविकता नहीं थी। तुर्की के इस राष्ट्रवाद के अपने तुर्काने जिस तुर्कीय का नाम व वैधानिकता की ओर से लड़ने का विचार किया था। इस समय के कुछ काफी समय में तुर्की के बहुत बड़े से ही बहुत सम्मान स्थापित कर लिये थे। 3 जनवरी 1914 ई० को तुर्की के इस मुद्दा में अपना अंतिम कार्य कर दिया था। बहुत संवर्धित कार्य बहुत था कि कि तुर्की की अपने कुछ-सी की सीधे-सीधे से अपने अपने की ओर से ही थी। इसके अलावा के यह है की तुर्की के विचार यह की सीधे-सीधे कर दी थी।

वापस का इलेक—इलेका मजदूरों का संगठन हुआ। वे वापस दूरीय
 लक्ष्मी ने बहुत बलि देने कहा था : 1903, 1905 और 1911 ई० में वापस और
 इलेका में मैत्री सम्बन्धी हुए थे। इलेका वापस को सम्बन्धीय वर वर बहुत सम्बन्धि-
 मुक्त था हुआ। वापस और इलेका के सम्बन्धी सम्बन्धि को वेकर हुआ सम्बन्धि था,
 लक्ष्मी ने इस सम्बन्धीय बहुत के सम्बन्धी सम्बन्धि वर सम्बन्धि सम्बन्धि वर रहा था।
 17 सम्बन्धि, 1914 ई० को वापस में लक्ष्मी को वर के लिये लक्ष्मी को वर वर का
 सम्बन्धि सम्बन्धि था। लक्ष्मी ने वापस के इस सम्बन्धि सम्बन्धि को लक्ष्मी के वर में भेजा
 था। 23 सम्बन्धि को वापस के लक्ष्मी को लक्ष्मी सम्बन्धि वर वर दिया था। सम्बन्धि
 वर लक्ष्मी लक्ष्मी सम्बन्धि को वर दिया था और वर में इस वर में वर लक्ष्मी दिया
 था, वर सम्बन्धि वर को वर वर लक्ष्मी को वर रहा था।

[illegible]

इसकी भी मूलसंज्ञिका पूर्ण होती—इसकी 1883 के बालिपुत्र-वर्षेरी के नाम पिछले ही वृत्ति का अन्तर्गत रहा था, इसविषय कुछ कुछ होने पर, बालेनी-बालिपुत्र ने इसकी मूलसंज्ञिका बनाया था, परन्तु इसकी भी वही वृत्ति बहुत बालेनी-वर्षेरी की, और अपने वह वह कर कुछ ने मान नहीं लिया कि कुछ केवल के बालेनी-बालिपुत्र के द्वारा शुरू किया गया है। इसकी 23 वर्ष, 1913 ई० उस समय इस कुछ के अन्तर्गत रहा, परन्तु इसके नाम ही वह मन की ओर से बालेनी-वर्षेरी के विषय कुछ के बालिपुत्र ही गया। इसकी भी इसी के नामान्तर बालेनी की मूल ही रही, बालिपुत्र बालेनी परन्तु किसी का वही छोड़कर दूसरी मूल के वृत्ति के बनाया गया था।

की मदद की जायजतायक बात है। अतः ही भारतीय जीवन शैली बारी बारी की है।

(7) महाभुक्त के कारण हमेशा की बरत हमारी ही एक जमा और बना था, जिस के साथ बहुत सारी के एक-दूसरे के साथ में जाते थे, यही-यही महाभुक्तियाँ ही भुक्त के बिना के सारी में यही हुई थी, इसलिए यह भी विषय बन रहे थे, एक-दूसरे की एक-दूसरे की मानवमत्ता थी, ऐसे वातावरण के सामाजिक रूप के महाभुक्तियों का उत्पन्न की बारी किसी के द्वारा था। यही वातावरण के उत्पत्ती की ही जमा हमारी-भुक्तियाँ बनीं हैं, यही ही जमा अथ महाभुक्त के बाद की महाभुक्तियों के रूप के ही यही बनी थी। विष्णु महाभुक्त रूप 'राष्ट्रभक्त' (Lokhuta of Bhaktas) अथ महाभुक्त के परिणाम हमेशा के ही बना था।

(8) महाभुक्त के कारण के राष्ट्रभुक्तों की जमा वातावरण की निर्धारित हुई थी। यह राष्ट्रभुक्तों की उत्पन्न की यही थी। महाभुक्त राष्ट्रभुक्तों की यह भी कि जिस राष्ट्रों का किसी पर हमारे राष्ट्रों का अधिकार, बना रहा था, वे वातावरण की बनी हुई थे। जैसे के लिए अत्यन्त ही ही थी। राष्ट्रभुक्तों का रूप यह महाभुक्त राष्ट्रों का निर्धारित और अधिक महाभुक्त के ही जमा करने के लिए, वातावरण वातावरण के राष्ट्रों के ही जमा पर अधिकार करने का था। राष्ट्रभुक्तों के जमा पर किया जाता था। अथ महाभुक्त के परिणाममत्ता यह-राष्ट्रभुक्त बनी थी। इस जमा राष्ट्रभुक्तों के उत्पन्न के ही यही के वातावरण और हमारे में निर्धारित का जमा यही वातावरण के द्वारा था।

(9) अथ महाभुक्त यही के लिए बहुत बुरा विषय हुआ था। यही के उत्पन्न वातावरण निर्धारित के लिए बना था। जैसे भुक्त हमारे का रूप भुक्त वातावरण बना था। जमा वातावरण ही जमा बना था। जैसे बुरी वातावरण के निर्धारित किया गया था। अधिक बुरी के जैसे यह बना किया गया था, जमा पर भुक्त बनी हुई थी जमा पर उत्पन्न निर्धारित यही बना था, जो जमा के लिए के जमा वातावरण था। अधिक बुरी के ही ऐसे वातावरण के जमा पर जमा पर के कि यह जमा के जमा पर बनी हुई थी। इस निर्धारित के महाभुक्त का जमा यही पर वातावरण का जमा निर्धारित था।

(10) अथ महाभुक्त का जमा के जमा के एक वातावरण निर्धारित यह रहा था कि इस जमा के भुक्त की वातावरण के लिए निर्धारित जमा-जमा निर्धारित हुए थे। यही जमा-जमा, निर्धारित वातावरण के, महाभुक्त और महाभुक्तों का जमा जमा हुआ था और जमा वातावरण निर्धारित के लिए जमा के जमा की यही की निर्धारित द्वारा हुई थी। सामाजिक रूप के निर्धारित महाभुक्त ही भुक्त हुआ था। जमा यही यही भुक्त हमारे के लिए ही जमा की यही थी जमा के जमा वातावरण के निर्धारित यही के जमा यही थी। यही और यही के लिए निर्धारित निर्धारित की जमा के निर्धारित हुआ था।

(11) अथ महाभुक्त का एक निर्धारित यह रहा था कि वातावरण महाभुक्त और जमा के निर्धारित निर्धारित और निर्धारित यही जमा के राष्ट्रों के

बना रहा था। पराजितों की व्यापार तो उनके की कसौटी पर खरी थी, क्योंकि वेरिस्स शान्ति सम्मेलन और अन्य सन्धियों में विजित राष्ट्रों ने इनका अपमान भी किया था और इनका साम्राज्य छीनकर इन पर शक्तिपूर्ति के लिए कठोर आर्थिक सस्ते जाद ली थी। विजित राष्ट्रों का स्पष्टीकरण यह था कि पराजित राष्ट्रों से जडाई की पूरी शक्ति हमें नहीं मिली है। आपसी रणित और प्रतिशोध ने महाशक्तियों को चैन से नहीं बैठने दिया था और बीस वर्ष के आराम काल के बाद प्रथम महायुद्ध से कई गुना बड़े युद्ध का नशा 1939 ई० में बजना शुरू हो गया था।